जबलपुर सोमवार 07 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, एकादशी वर्ष 32 अंक 70 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 25.5°C
न्यूनतम तापमान 23.5°C
सूर्योदय - 5.55 | सूर्यास्त - 6.22

जोहेरी मोला बनीं मिस वर्ल्ड 2026

न्हा ट्रांग (वियतनाम)।

डोमिनिकन गणराज्य की जोहेरी मोला को इस वर्ष की मिस वर्ल्ड चुना गया है। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का 73वां संस्करण वियतनाम में आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया भर की प्रतिभागियों ने अंतरराष्ट्रीय खिताब के लिए हिस्सा लिया। ग्रैंड फिनाले में डोमिनिकन गणराज्य की जोहेरी मोला ने खिताब अपने नाम किया। शीर्ष छह प्रतिभागियों में मिस वर्ल्ड इरिट्रिया की स्निट हब्लेआब, मिस वर्ल्ड स्पेन की एलिजाबेथ रेयनेस, मिस वर्ल्ड मलेशिया की तानुसिया चेट्टी , मिस वर्ल्ड वियतनाम की ले गुयेन बाओ न्गोक, मिस वर्ल्ड डोमिनिकन गणराज्य की जोहेरी मोला और मिस वर्ल्ड दक्षिण अफ्रीका की रोमांडा होम्बिर शामिल थीं।

सत्य निकेतन हादसे में 3 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार हो रही बारिश के बीच रविवार को बड़ा हादसा सामने आया है। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे के बाद कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं 3 छात्र की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, हादसा मोती बाग के सत्य निकेतन इलाके में शिव मंदिर के पास हुआ। इमारत के अचानक गिरने की सूचना मिलते ही

दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। फायर विभाग को हादसे की सूचना दोपहर 1 बजकर 33 मिनट पर मिली।

सुदिव्य सोनू के निधन से झारखंड में शोक

रांची (वार्ता)।

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में दूसरी बार दिसंबर 2019 में सरकार बनने के बाद से अब तक उनके मंत्रिमंडल के चार मंत्रियों का पद पर रहते निधन हो चुका है। मंत्री रहते हाजी हुसैन अंसारी, जगरनाथ महतो, रामदास सोरेन और अब सुदिव्य कुमार का असामयिक निधन राज्य की राजनीति के लिए एक गहरा आघात है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के 2019 में दूसरी बार सत्ता में आने के बाद चौथे मंत्री ने पद पर रहते हुए दुनिया को अलविदा कह दिया। कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने सुदिव्य सोनू, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए संकटमोचक के रूप में थे। उन्होंने कहा कि वे एक राजनीतिक सूझबूझ रखने वाले व्यक्ति थे और झारखंड का एक बड़ा चेहरा थे।

शराब में जहर...सागर में टूटा कहर

14 लोगों की मौत : 5 अधिकारी निलंबित, उपायुक्त मुख्यालय अटैच

सागर।

सागर जिले के बंडा अनुविभाग के ग्रामीण इलाकों में संदिग्ध जहरीली शराब ने तबाही मचा दी है। बंडा विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में जहरीली शराब पीने से मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। 11 मौत से यह आंकड़ा बढ़कर 14 मौतों तक पहुंच गया है। बंडा सिविल अस्पताल में जहां 10 लोगों के मौतों की जानकारी वहीं सागर जिला अस्पताल में 4 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। हालांकि अधिकृत तौर पर अभी सीएमएचओ सागर ने 12 मौतों की ही पुष्टि की है। सबसे ज्यादा असर ग्राम नौराज और घूघरा खुर्द में देखने को मिला है। गांव की गलियों में सन्नाटा पसरा है और कई घरों से रोने-बिलखने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। नौराज की चौपालों और तंग गलियों में जगह-जगह देशी शराब की खाली शीशी-बोतलें बिखरे पड़े हैं। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लंबे समय से गली-गली अवैध देशी और कच्ची शराब बेचे जाने की बात सामने आती रही है। नौराज निवासी दिग्विजय लोधी और करतार लोधी की मौत के बाद गांव में मातम पसरा है। दोनों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। मृतक करतार लोधी की भतीजी

ने उस रात की घटना बताते हुए कहा कि काका शराब पीकर घर लौटे थे। कुछ देर बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हाथ-पैर अकड़ने लगे और वे दर्द से तड़पते हुए माथे पर हाथ मारने लगे। परिजनों के अनुसार, कुछ ही देर में शरीर पर नीले निशान दिखाई देने लगे। हालत बिगड़ने पर उन्हें निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। गांव के चंद्रभान लोधी, अजय लोधी और राघवेंद्र लोधी गंभीर हालत में सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। तीनों का इलाज आईसीयू में चल रहा है। मृतकों में शामिल कई लोग विवाहित थे और अपने पीछे छोटे बच्चों तथा रोते-बिलखते परिजनों को छोड़ गए हैं। एक के बाद एक हो रही मौतों की सूचना के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। पुलिस, राजस्व और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें नौराज, घूघरा खुर्द और आसपास के गांवों में जांच व सर्च अभियान चला रही हैं। इलाके में स्थिति को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

प्रशासन ने जारी की 12 मृतकों की सूची

जिला प्रशासन और पुलिस ने मृतकों और सागर जिला अस्पताल और बीएमसी रेफर किए गए लोगों की सूची जारी की है. इस सूची में मृतकों की संख्या 12 बताई गई है. वहीं सागर में भी 2 मौतों की पुष्टि सीएमएचओ देवेश पटैरिया ने की है. प्रशासन द्वारा जारी सूची के अनुसार मृतकों के नाम-

1. गोलू उर्फ चमन पिता साहब सिंह, गूगरा खुर्द
2. दिग्विजय पिता देवेंद्र लोधी, नौराज
3. करतार सिंह पिता जोधन लोधी, नौराज
4. उजयार सिंह पिता विजय लोधी, गुगरा खुर्द
5. रोशन लोधी पिता जगन्नाथ, पाटन
6. राजेंद्र पिता मूरत लोधी, नौराज गूगरा
7. हरनाम पिता घनश्याम राय, चौका
8. उत्तम पिता नत्थू नायक, दलपतपुर
9. सुमेर सिंह दांगी पिता पूरन, बमूरा
10. राजकुमार लोधी पिता नन्नई लोधी, बमूरा
11. सुरेंद्र अहिरवार पिता सुखलाल, लिधौरा
12. गोविंद चढ़ार, ग्राम रवारा

ललितपुर से जुड़ा है नकली शराब का नेक्सेस

प्रारंभिक जांच और यूपी पुलिस की पुरानी पूछताछ के मुताबिक, सागर जिले के सीमावर्ती गांवों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से सटे इलाकों के शराब माफिया सक्रिय थे। यह गिरोह ललितपुर में ही अवैध और नकली शराब तैयार करके उसे कम दामों पर सागर के विभिन्न गांवों में सप्लाई करता था। कुछ समय पहले ललितपुर पुलिस ने एक ऐसे ही गिरोह का पर्दाफाश किया था, जिसमें आरोपियों ने कबूला था कि वे सागर के बंडा क्षेत्र और अन्य इलाकों में नकली शराब खपाते हैं। इस सिंडिकेट में रवि लखेरा, उसकी पत्नी शिवानी लखेरा, चंद्रेश लोधी और मोना राजा जैसे नाम सामने आए थे।

5 अधिकारी निलंबित, 1 मुख्यालय अटैच

इधर, जहरीली शराब से मौत मामले में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर 5 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है और 1 अधिकारी को मुख्यालय अटैच किया गया है। सागर के सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते, सागर की सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे और बंडा वृत्त के आबकारी उप-निरीक्षक प्रोशनी उरेती सहित गूगरा चौकी प्रभारी पूरन सिंह और बंडा थाना प्रभारी राजेंद्र कुशवाहा भी निलंबित किए गए हैं। उपायुक्त एवं संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरजा श्रीवास्तव को जिले से हटाकर ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया है।

मौतों की संख्या पर संशय, छिपा रहे सच

इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासन जहां अब तक 12 मौतों की पुष्टि कर रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं का दावा है कि कम से कम 14 लोगों की जान जा चुकी है। तमाम हंगामे के बावजूद प्रशासनिक अधिकारियों का रवैया बेहद गोपनीयता से भरा हुआ है। मौके पर पहुंचे कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक केवल मौतों का आंकड़ा बता रहे हैं, लेकिन अब तक मृतकों की आधिकारिक सूची जारी नहीं की गई है। प्रशासनिक अमला पूरी जानकारी को सार्वजनिक करने से बचता नजर आ रहा है।

छात्रों का आंदोलन पूरे 'सिस्टम' से टूटे भरोसे का नतीजा : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में छात्र आंदोलन को लेकर कहा है कि हजारों छात्र शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर हैं और इसकी वजह सिर्फ एक परीक्षा या भर्ती नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम से उनका टूट चुका भरोसा है। श्री गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि केंद्र हो या राज्य, भाजपा सरकार से हर छात्र त्रस्त है। पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियां, शिक्षा की बढ़ती लागत, छात्रावासों में अमानवीय हालात, खराब भोजन और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण में धोखाधड़ी जैसी समस्याओं से छात्र परेशान हैं। उन्होंने कहा कि अब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर कब्जा कर उसकी विश्वसनीयता भी बर्बाद कर दी गई है। कांग्रेस नेता ने कहा, अपने सफल भविष्य के लिए छात्रों की हर मांग जायज है। सरकार उनकी आवाज सुनकर तुरंत कार्रवाई करे, वरना न्याय मिलने तक 'छात्रों की गूंज' बढ़ती ही जाएगी। दरअसल, महाराष्ट्र के छह मंडल मुख्यालयों पर ड्रग इंस्पेक्टर के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा 22 मार्च को ऑफलाइन हुई थी, और इसका रिजल्ट 12 जून को घोषित किया गया था। शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि कुछ उम्मीदवारों को परीक्षा से पहले, 20 मार्च को प्रश्न पत्र या सवाल मिले थे, और बाद में उन्हें सोशल मीडिया या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम सर्कुलेट किया गया था।

छात्रों की सभी मांगे जायज

राहुल गांधी ने आगे कहा कि, छात्रों की उनके सफल भविष्य के लिए हर मांग जायज है। सरकार को उनकी आवाज सुननी चाहिए और तुरंत एक्शन लेना चाहिए- नहीं तो, छात्रों की यह आवाज तब तक और तेज होती जाएगी जब तक इंसाफ नहीं मिल जाता। राहुल गांधी का यह बयान महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन इंस्पेक्टर परीक्षा के प्रश्न पत्र के कथित लीक मामले में मुंबई पुलिस की जांच के बीच आई है।

स्वच्छता के बाद स्वच्छ-हवा में भी इंदौर ने मारी बाजी

इंदौर। स्वच्छता के बाद अब स्वच्छ वायु के मामले में भी इंदौर ने देशभर में अपनी पहचान कायम रखी है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 के परिणामों में इंदौर को देश के टॉप-3 शहरों में जगह मिली है। हालांकि आधिकारिक रैंकिंग की घोषणा 7 सितंबर को नई दिल्ली में होगी। सूत्रों के मुताबिक, इंदौर ने सर्वेक्षण में दूसरा स्थान हासिल किया है। नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन के गंगा ऑडिटोरियम में होने वाले स्वच्छ वायु दिवस समारोह में इंदौर को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

नक्सलवाद के बाद नशा भी खत्म करेंगे

नॉर्थईस्ट में 10 हजार युवाओं का आत्मसमर्पण

पणजी।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में कहा कि सरकार ने नक्सलवाद खत्म कर दिया है। अब नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि, नक्सलवाद के बाद नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे। जिन्होंने तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर की कल्पना की थी, उन्होंने अब अपने

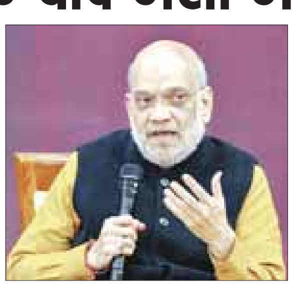

हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। दरअसल, अमित शाह गोवा के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए ये बयान दिया। अमित शाह ने कहा- पूरा देश नशा मुक्त भारत के तीन साल के अभियान का समर्थन करेगा। आज आपसे बात करने का उद्देश्य गोवा के पूरे मीडिया से यह अनुरोध करना भी है कि भारत को नशा मुक्त बनाने के इस लक्ष्य को हासिल करने में हमारी मदद करें। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान, 26 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। जबकि, 2014 और 2026 के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ 19 लाख किलोग्राम से अधिक हो गया। गृह मंत्री ने कहा कि अभियान 50 करोड़ नागरिकों तक पहुंचेगा। अभी हाल ही में, प्रधानमंत्री ने एक ही कार्यक्रम में 1 करोड़ युवाओं के साथ बातचीत की। हम 1 लाख नशामुक्ति मित्रों को प्रशिक्षित करने जा रहे हैं।

नाकामियां छिपाने के लिए दिए जा रहे नए-नए नाम

मोदी के नाराज फूफा वाले बयान पर खड़गे का पलटवार

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी द्वारा दिए गए भाषण के बाद सत्ता के गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जहां बीजेपी पीएम मोदी के भाषण को प्रेरणादायक बता रही है, वहीं विपक्ष इस पर लगातार निशाना साध रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे

ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मोदी जी कल दिल्ली यूनिवर्सिटी गए थे। यह देश के युवाओं से जुड़ने और शिक्षा व उनके भविष्य पर चर्चा करने का मौका था। लेकिन दुर्भाग्य से, युवाओं के सवालों का सामना करने के बजाय, भाषण एक बार फिर राजनीतिक अभियान में बदल गया। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में, सवालों को दबाने के लिए विपक्ष को हर साल एक नया नाम देना, ताकि उनकी अपनी नाकामियां छिपी रहें। नाराज फूफा, दिमागी नक्सल, अर्बन नक्सल, खान मार्केट गैंग, आंदोलन-जीवी, परजीवी। नाम बदलते रहते हैं, लेकिन मोदी सरकार की जन-विरोधी नीतियां नहीं बदलतीं। कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी को छात्रों की बात सुनने की सलाह देते हुए कहा कि मोदी जी, लोगों तक पहुंचने की जरूरत तभी पड़ती है जब आप लोगों की पहुंच से दूर हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाया। देश के युवा भी अपने रिपोर्ट कार्ड के साथ खड़े हैं। छात्रों की गूंज सुनें, इधर-उधर की बातें करने से समाधान नहीं निकलेगा।

क्या था पूरा मामला

आपको बता दें कि पीएम मोदी शनिवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में शामिल हुए थे। समारोह में पीएम मोदी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं जानता हूं, सच की हुंकार के आगे झूठ की गूंज टिक नहीं सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन इस कैंपस के बाहर आपको एक नई दुनिया मिलेगी। आपको दो तरह के लोग मिलेंगे। एक तरह के वे लोग होते हैं जो समाज की ताकत को सकारात्मक रूप से देश की ताकत में बदलते हैं। दूसरी तरह के वे लोग होते हैं जो कोई भी काम शुरू होने पर नाराज़ फूफा बन जाते हैं।

दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने ली शपथ

भोपाल। दतिया विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक कुंवर घनश्याम सिंह ने रविवार को मध्यप्रदेश विधानसभा भवन में विधायक पद की शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें विधानसभा सदस्य के रूप में पद और दायित्व की शपथ दिलाई। इसके साथ ही घनश्याम सिंह की नई जिम्मेदारी की औपचारिक शुरुआत हुई। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, प्रियव्रत सिंह, जयवर्धन सिंह, महेंद्र बौद्ध, प्रभू सिंह ठाकुर और विधायक फूल सिंह बरैया सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

मप्र में दुष्कर्म-पॉक्सो के 10628 मामले लंबित

अब हर महीने 14 केस निपटाने का लक्ष्य

भोपाल।

मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और पॉक्सो के मामलों के जल्द निपटारे के लिए अब फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की रफ्तार बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। प्रदेश में 67 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट संचालित होने के बावजूद 31 मार्च 2026 तक 10,628 मामले लंबित हैं। इनमें 9,278 मामले ऐसे हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल हुए दो महीने से ज्यादा समय बीत चुका है। अब प्रत्येक फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट में हर महीने औसतन करीब 14 दुष्कर्म-पॉक्सो मामलों के निपटारे के लक्ष्य के अनुसार काम कराने और कोर्टवार स्थिति की निगरानी की तैयारी है। यह कवायद मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में दुष्कर्म-पॉक्सो मामलों के त्वरित निस्तारण को लेकर दिए गए निर्देशों के बाद तेज हुई है। मध्यप्रदेश में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के लिए स्वीकृत सभी 67 कोर्ट ही संचालित हैं। जनवरी से मार्च 2026 के बीच इन अदालतों में 10,533 नए मामले आए, जबकि इस अवधि में केवल 1,323 मामलों का निपटारा हो सका। इनमें महज 88 मामले ऐसे रहे, जिनका फैसला चार्जशीट दाखिल होने के दो महीने के भीतर हुआ। यानी निर्धारित समय-सीमा में निपटारे का प्रतिशत सिर्फ 7.16 फीसदी रहा।

फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के लिए तय मानक के मुताबिक प्रत्येक कोर्ट को साल में 165 दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों का निपटारा करना है। इसका मासिक औसत 13.75 मामले, यानी करीब 14 मामले प्रति माह बैठता है। इसके मुकाबले मध्यप्रदेश में जनवरी से दिसंबर 2025 के दौरान फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट का औसत निस्तारण 6.11 मामले प्रति कोर्ट प्रति माह रहा। यानी निर्धारित औसत लक्ष्य की तुलना में कोर्टों की मौजूदा रफ्तार काफी कम है। लंबित मामलों की उम्र का विश्लेषण भी स्थिति की गंभीरता बताता है। मध्यप्रदेश में 31 मार्च 2026 तक लंबित 10,628 मामलों में 1,350 मामले दो महीने से कम पुराने, 4,026 मामले 2 से 12 महीने पुराने, 4,936 मामले 1 से 5 साल पुराने और 316 मामले पांच साल से ज्यादा पुराने हैं। यानी लंबित मामलों का बड़ा हिस्सा एक साल से अधिक पुराना है। रिपोर्ट में वर्ष 2025 की दोषसिद्धि दर भी दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और पॉक्सो से जुड़े मामलों में दोषसिद्धि दर 23.32 फीसदी रही। मध्य क्षेत्र की औसत दर 23.97 फीसदी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 17.43 फीसदी रही।

जिलों से मांगी जाएगी कोर्टवार जानकारी

मध्यप्रदेश लोक अभियोजन संचालनालय ने सभी जिला अभियोजन कार्यालयों से फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट और पॉक्सो कोर्ट की अद्यतन जानकारी निर्धारित प्रारूप में जुटाने को कहा है। इसमें स्वीकृत और संचालित फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की संख्या के साथ लंबित मामलों की स्थिति, जनवरी से आगे प्राप्त नए मामले, निस्तारित मामलों की संख्या, दो महीने के भीतर हुए निस्तारण, मामलों की उम्र के अनुसार लंबित प्रकरण, दोषसिद्धि दर और डीएनए जांच की स्थिति की जानकारी शामिल की जा रही है। खास तौर पर पांच साल से ज्यादा पुराने लंबित मामलों के कारण, डीएनए सैंपल लिए जाने और रिपोर्ट आने की स्थिति तथा डीएनए जांच में देरी के लिए जिम्मेदारी तय होने की जानकारी भी मांगी गई है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि पुराने मामलों के लंबित रहने की वजह कोर्ट स्तर पर है, जांच प्रक्रिया में है या किसी अन्य स्तर पर।

मटकी फोड़कर कांग्रेसियों ने किया महापौर के खिलाफ जमकर प्रदर्शन

शहर की जनता को मूलभूत सुविधाएं ना देने का लगाया आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कांग्रेस पार्षद दल ने रविवार को महापौर के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्षद दल ने बताया कि शहर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है, जबकि महापौर जनता के टैक्स के पैसों का दुरुपयोग कर झूठे प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं। इसी के विरोध में कांग्रेस पार्षद दल ने इनकम टैक्स चौराहे पर महापौर के कथित भ्रष्टाचार की मटकी फोड़कर जोरदार प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उप नेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी एवं सचेतक अयोध्या तिवारी ने बताया कि जबलपुर की जनता ने नगर निगम के बजट और संसाधनों का ऐसा दुरुपयोग पहले कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि शहर में विकास के दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड के अंतर्गत आने वाले इनकमटैक्स चौराहे से रसल चौक तक एवं रसल चौक से चौथा पुल तक का रोड पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है तथा शहर की सभी मुख्य सड़कों से लेकर वार्डों की आंतरिक सड़कें तक गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं शहर की सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह चरमरा गई है। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच रही हैं, जिसके कारण जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं।

भुगतान ना होने पर कई विकास कार्य हुए प्रभावित

कांग्रेस पार्षद दल ने आरोप लगाया कि शहर की गौशालाओं की स्थिति भी बदहाल है और बेजुबान मवेशियों की समुचित देखभाल नहीं हो पा रही है। नगर निगम द्वारा ठेकेदारों के बकाया भुगतान में देरी के चलते कई वार्डों में विकास कार्य प्रभावित हुए हैं और ठेकेदारों ने काम बंद कर दिया है। इससे पार्षदों के साथ-साथ क्षेत्र की जनता भी परेशान है। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने महापौर पर आरोप लगाते हुए कहा कि अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने और झूठी वाहवाही लूटने के लिए जनता की गाढ़ी कमाई का इस्तेमाल विज्ञापनों और प्रचार-प्रसार में किया जा रहा है। नगर निगम के लगभग 1200 करोड़ रुपये के बजट के बावजूद यदि शहर की सड़कें, सफाई और मूलभूत सुविधाएं बदहाल हैं, तो यह नगर निगम की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि शहरभर में लगाए गए पोस्टर और बैनर जनता के पैसों की बर्बादी का उदाहरण हैं। जगह-जगह लगाए गए ये होर्डिंग्स यह भी दर्शाते हैं कि महापौर अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उनके पक्ष में खड़े दिखाई दे रहे हैं।

पौधारोपण के दावों पर भी उठाए सवाल

महापौर द्वारा शहर में लाखों पौधे लगाए जाने के दावों को भी नेता प्रतिपक्ष ने सवालों के घेरे में लेते हुए कहा कि लाखों पौधे लगाने का दावा महज कागजी छलावा है। उन्होंने दावा किया कि जमीनी हकीकत में पूरी संस्कारधानी में 3,000 से अधिक पौधे भी नहीं लगाए गए हैं। इन सब मुद्दो को लेकर इनकमटैक्स चौराहे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस पार्षद दल ने मांग की कि जनता के पैसे को विज्ञापनों और प्रचार-प्रसार में खर्च करने के बजाय शहर के गड्ढे भरने, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने, गौशालाओं की स्थिति सुधारने तथा वार्डों में बंद पड़े विकास कार्यों को पुनः शुरू कराने में खर्च किया जाए। प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उप नेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी, पार्षद रितु राजेश यादव, पार्षद अदिति अतुल बाजपेई, पार्षद हर्षित यादव, पार्षद अख्तर अंसारी, पार्षद प्रमोद पटेल, विवेक अवस्थी, रितेश गुप्ता खुर्शीदा अंसारी आदि उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सम्मानित होंगे महापौर और निगमायुक्त

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में नगर निगम ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में नगर निगम ने पूरे देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आज दिनांक 7 सितम्बर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार को केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। नगर निगम द्वारा वर्ष भर वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया। शहर भर में धूल रहित फुटपाथों का निर्माण, प्रमुख चैराहों एवं खाली स्थानों पर छोटे उद्यानों का विकास, नाला-नालियों व कंजरवेंसियों की धूल-मुक्त सफाई, तथा उन्नत डी-फॉगर मशीनों से हवा में मौजूद धूल कणों को दबाने जैसे निरंतर प्रयासों से वायु गुणवत्ता में व्यापक सुधार दर्ज हुआ है।निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बताया कि आंकड़ों के अनुसार, जबलपुर का औसत एक्यूआई वर्ष 2023-24 में 109, वर्ष 2024-25 में 92 और वर्ष 2025-26 में 88 एवं वर्ष 2026-27 (अभी तक) 77 दर्ज किया गया। इन शानदार परिणामों ने जबलपुर को देश के सबसे रहने योग्य और स्वच्छ आबोहवा वाले शहरों की श्रेणी में मजबूती से स्थापित किया है। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि आगे एक्यूआई लेवल को और अच्छा किया जायेगा।

5 माह में पमरे ने की सैंकड़ों वैगनों और कोचों की ओवरहॉलिंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल द्वारा महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन के साथ-साथ अनुरक्षण कार्यों, उत्पादन क्षमता तथा स्वदेशी नवाचारों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में पश्चिम मध्य रेल के भोपाल एवं कोटा स्थित रेल कारखानों में कोचों एवं वैगनों के अनुरक्षण कार्य उच्च गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप निरंतर किए जा रहे हैं। मुख्य कारखाना प्रबंधकों के निर्देशन में चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह में दोनों कारखानों द्वारा कुल 3398 कोचों एवं वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग (पीओएच) किया गया। इनमें सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 473 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 2925 वैगनों का अनुरक्षण शामिल है। अकेले अगस्त माह में पश्चिम मध्य रेल के दोनों कारखानों में कुल 677 कोचों एवं वैगनों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग किया गया। इसमें सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल द्वारा 101 कोचों तथा डब्ल्यूआरएस, कोटा द्वारा 576 वैगनों का पीओएच किया गया।

डॉ प्रशांत मिश्र को मिला अंतरराष्ट्रीय प्रज्ञानंद सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्वामी प्रज्ञानंद सम्मान समारोह 2026 में खेल के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए मध्य प्रदेश जबलपुर के डॉ. प्रशांत मिश्र को प्रदान किया गया। यह सम्मान श्री माँ साध्वी विभानंद गिरि महाराज के कर-कमलों से प्राप्त हुआ। डॉ प्रशांत मिश्रा ने इस सम्मान को मप्र के खेल जगत, खिलाड़ियों, खेल संघो, खेल प्रशिक्षकों के विश्वास, सहयोग एवं आशीर्वाद तथा खेलों के प्रति हमारे सामूहिक संकल्प को समर्पित कर दिया। आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

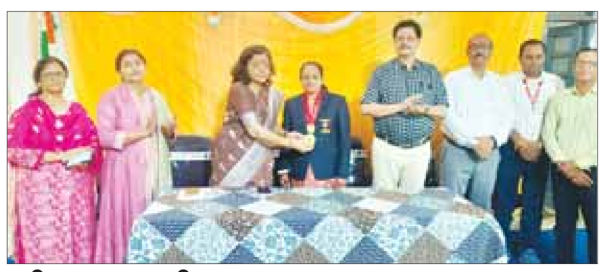

बीना रजनीश यादव का हुआ सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

खेल दिवस के अवसर पर महाकौशल क्रीडा परिषद द्वारा बिना रजनीश यादव को महाकौशल खेल रत्न से सम्मानित होने पर शाला के प्राचार्य अन्विता सिंह, कृष्ण किशोर पांडे, मोहम्मद नसीम खान, मनोज गुप्ता, नरेंद्र साहू, सोनम शुक्ला आदि ने सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साप्ताहिक जैविक हाट बाजार में उमड़ी खरीददारों की भीड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कृषि उपज मंडी में साप्ताहिक जैविक हाट बाजार का रविवार को सफल आयोजन किया गया। जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने तथा किसानों और उपभोक्ताओं को सीधे जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित इस हाट बाजार में स्थानीय किसानों द्वारा उत्पादित विभिन्न जैविक उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। जैविक हाट बाजार में किसानों द्वारा उत्पादित जैविक अनाजए दालें, सब्जियां, मसाले, मोटे अनाज एवं अन्य प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद उपलब्ध रहे। उपभोक्ताओं को जैविक खेती से उत्पादित खाद्य पदार्थों की गुणवत्ताए उपयोगिता एवं स्वास्थ्यवर्धक विशेषताओं की जानकारी भी दी गई। हाट बाजार में उपभोक्ताओं को स्थानीय किसानों से सीधे जैविक उत्पाद खरीदने का अवसर मिला। साप्ताहिक जैविक हाट बाजार सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रत्येक रविवार को आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य जैविक खेती करने वाले किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध करानाए उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाना तथा आमजन में जैविक उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

हिरन नदी के किनारे बैठा दिखा मगरमच्छ, मचा हड़कंप

सिहोरा के खागामऊ गांव का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सिहोरा के खागामऊ गांव में रविवार को हिरन नदी के किनारे एक मगरमच्छ दिखने से हलचल मच गई। मगरमच्छ लगभग एक घंटे तक नदी के 50 मीटर के दायरे में बैठा रहा। उसे देखने के लिए गांव के लोग जमा हो गए। ग्रामीणों के मुताबिक मगरमच्छ नदी किनारे बैठा दिखाई दिया था। यह खबर फैलते ही कई लोग उसे देखने पहुंच गए। कुछ ग्रामीण तो काफी नजदीक तक पहुंचकर उसके फोटो और वीडियो बनाने लगे। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम मौके के लिए निकली, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही मगरमच्छ वापस नदी में चला गया। हिरन नदी में पहले भी मगरमच्छ दिखाई देने के मामले सामने आए हैं। इससे पहले भी गांव में पहुंचे एक मगरमच्छ को वन विभाग ने जबलपुर से आई टीम की मदद से पकड़ा था और उसे सुरक्षित जगह पर छोड़ा था।इस मामले में रेंजर सिहोरा अजय मिश्रा ने बताया कि जानकारी मिलने पर कर्मचारियों को भेजा गया था। हालांकि वन विभाग की टीम के पहुंचने से पहले मगरमच्छ नदी में जा चुका था। ग्रामीणों को नदी किनारे नहीं जाने और सतर्क रहने के लिए समझाया गया है। उन्हें यह भी कहा गया है कि अगर मगरमच्छ दोबारा दिखे तो तुरंत वन विभाग को जानकारी दें।

ससुराल पक्ष के खिलाफ महिला ने दर्ज कराई एफआईआर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाने में नेहा विश्वकर्मा उम्र 34 वर्ष निवासी हरदुली बरगीनगर वर्तमान पता ग्राम सुंद्रादेही थाना बेलखेड़ा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसकी शादी दिनांक 30 अप्रैल को ग्राम हरदुली बरगीनगर निवासी सुमित राजोरिया के साथ हिन्दू रीति रिवाज से हुयी थी। शादी के 10-15 दिन बाद से पति सुमित राजोरिया, सास प्रेमिला राजोरिया व ससुर शेलेष राजोरिया आये दिन बोलते थे कि शादी में तुम्हारे मायके वालों ने दहेज में कुछ नहीं दिये तुम घर का काम नहीं करती हो कहते हुये उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे, पति मायके से 20 लाख रूपये नगदी व फोर व्हीलर गाड़ी लेकर आओ तभी तुम्हें रखेगें नहीं तो यहां नहीं रहने देगें की धमकी देकर गाली गलोज कर मारपीट करते थे। उसने घटना की बात अपने मायके में बतायी थी। सुसराल आकर समझाईस दिये फिर भी पति सुमित व ससुराल वाले उसे अपने साथ नहीं रख रहे हैं। विगत दिवस उसे जबरन गाड़ी में बैठाकर उसके मामा के घर सुंद्रादेही छोड़कर चले गये हैं। ससुराल वाले 20 लाख रूपये तथा 4 पहिया गाड़ी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

सर्किट हाउस का होगा अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन: राकेश सिंह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन किया जाएगा। रीडेंसिफिकेशन योजना के अंतर्गत मप्र बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा 75 कक्षीय नवीन सर्किट हाउस का निर्माण किया जाएगा। नवीन भवन को 5 स्टार ग्रीन रेटिंग के अनुरूप विकसित किया जाएगा, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने यह जानकारी मंत्री निवास पर जबलपुर सर्किट हाउस की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक के उपरांत दी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर प्रदेश के सभी सर्किट हाउस एवं शासकीय विश्राम गृहों के उन्नयन की योजना तैयार की गई है। प्रथम चरण में जबलपुर एवं भोपाल के सर्किट हाउस का अत्याधुनिक स्वरूप में उन्नयन किया जाएगा। इसी कार्ययोजना के संबंध में मंत्री निवास पर आयोजित बैठक में एमपीआरडीसी के एमडी भरत यादव, बीडीसी एमडी सी.बी. चक्रवर्ती, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि जबलपुर सर्किट हाउस में आधुनिक अतिथि आवास सुविधाओं के साथ वीवीआईपी, वीआईपी एवं शासकीय अतिथियों के लिए बेहतर आवास व्यवस्था उपलब्ध होगी। साथ ही उच्च स्तरीय बैठकों एवं सम्मेलनों के लिए 100 सीटों वाला सम्मेलन कक्ष भी निर्मित किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने बतया नए स्वरुप में बनने वाले सर्किट हाउस में कुल 75 कमरे होंगे, जिनमें 55 मानक कमरे, 18 वीआईपी कमरे एवं 2 वीवीआईपी कमरे शामिल हैं। इन सुविधाओं का उपयोग शासकीय अतिथियों के साथ-साथ आमजन भी कर सकेंगे। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग की जा सकेगी।

सिहोरा जिला की मांग पर सौंपा स्मरण पत्र, याद दिलाया वादा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा को जिला बनाने की मांग को लेकर चल रहे लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के अभियान के तहत रविवार को जनपद पंचायत सिहोरा की अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री के निवास पर स्मरण पत्र सौंपा गया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष ने भी वही बात दोहराई जो हाल ही में नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा कही गई थी। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत सिहोरा में नवंबर 2024 में ही सिहोरा को जिला बनाने का प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा जा चुका है। समिति ने कहा कि सिहोरा जिला की मांग को लेकर क्षेत्र के लगभग सभी राजनीतिक और जनप्रतिनिधि नेता समर्थन की बात तो करते हैं, लेकिन धरातल पर सिहोरा को जिला बनाने के लिए कोई ठोस और प्रभावी प्रयास करता हुआ दिखाई नहीं देता। समिति सदस्यों ने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है जब नेताओं से सिहोरा जिला के मुद्दे पर सवाल किया जा रहा है। इससे पूर्व भी

समिति द्वारा प्रत्येक सत्ता समर्थक नेता के घर घंटा बजाकर उन्हें सिहोरा जिला के वादे की याद दिलाई गई थी। उस समय भी नेताओं ने सिहोरा जिला के लिए हरसंभव सहयोग और प्रयास का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।समिति ने सवाल उठाया कि जब स्थानीय निकायों ने प्रस्ताव पारित कर शासन को भेज दिया है और सभी नेता सिहोरा जिला के साथ होने की बात कहते हैं, तो फिर शासन स्तर पर प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक नेतृत्व प्रभावी प्रयास क्यों नहीं कर रहा है। रविवार को स्मरण पत्र सौंपते समय समिति के कृष्ण कुमार कुररिया, अनिल जैन, विकास दुबे, रामजी शुक्ला, संतोष वर्मा, संजय पाठक आदि उपस्थित रहे।

व्यक्ति के जीवन में गुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है: कलेक्टर

शिक्षक दिवस पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारीए जबलपुर द्वारा पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह रहे। संयुक्त संचालकए लोक शिक्षण घनश्याम सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजनए दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक दिवस हमारे जीवन में गुरुओं की भूमिका को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। व्यक्ति जीवन में जिस स्तर और मुकाम पर पहुंचता हैए उसमें उसके गुरुओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह अवसर हमें अपने जीवन में शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और संस्कारों को याद करने का भी अवसर देता है।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि समय के साथ शिक्षा व्यवस्था और समाज में अनेक बदलाव आए हैं। पहले की गुरुकुल परंपरा और शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन तथा गुरु के प्रति सम्मान का विशेष महत्व था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय विद्यालयों में प्रधानाध्यापकए प्राचार्य और शिक्षकों के प्रति विद्यार्थियों के मन में विशेष सम्मान और अनुशासन की भावना होती थी।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को याद कर मनाया शिक्षक दिवस

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा स्काउट डेन में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जबलपुर जिला संघ, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा स्काउट डेन, जबलपुर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन बड़े उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। समारोह में जिला सचिव अनिल कुमार चौबे, सहायक जिला सचिव संजीव तिवारी, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) विमलेश तिवारी एवं जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) आशीष कुमार सोनकर उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण एवं सेवा भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे समारोह का वातावरण उत्साहपूर्ण एवं आकर्षक हो गया।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने शिक्षकों को किया सम्मानित

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट जिला कटनी/सिहोरा तहसील टीम द्वारा शास. एकीकृत माध्यमिक शाला ग्राम धनगवां में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम आईएचआरसीटी नीतू शर्मा जबलपुर संभाग अध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ। इसमें कटनी जिला से सुरेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष, आनंद जायसवाल जिला प्रभारी, अनिल हल्दकार जिला संयोजक, श्रीमती पुष्पलता काछी जिला उपाध्यक्ष, सिहोरा तहसील से मोहम्मद सईद तहसील अध्यक्ष, सुजीत महोबिया सह प्रभारी, नवल किशोर यादव, विजय तिवारी मीडिया प्रभारी, नवल सिंह राजपूत तहसील संरक्षक, शिवकुमार रजक उपाध्यक्ष, मनेंद्र झरिया प्रभारी, कार्यकारिणी सदस्य सविता हल्दकार, विकास काछी और नितिन सोनी उपस्थित रहे। विद्यालय के शिक्षकगण बी.आर. दीपंकर, अंकुश झरिया, पुजारी प्रसाद, कुमारी पुष्पा डेहरिया, पूजा कुशवाहा, विमलेश खम्परिया और हलीमा झरिया का गिफ्ट देकर सम्मान किया गया।

अंग्रेजी: वैश्विक संवाद से करियर तक की मजबूत कड़ी

आज अंग्रेजी केवल एक विदेशी भाषा नहीं, बल्कि दुनिया के अलग-अलग देशों और भाषाओं के लोगों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण वैश्विक भाषा बन चुकी है। दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग अंग्रेजी का इस्तेमाल मातृभाषा या दूसरी भाषा के रूप में करते हैं। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, व्यापार और इंटरनेट के विस्तार के साथ अंग्रेजी का महत्व लगातार बढ़ रहा है। विशाल शब्द भंडार, अंग्रेजी की सबसे बड़ी विशेषताओं में एक है। इसका व्यापक शब्द भंडार शामिल है। इस भाषा ने समय के साथ लैटिन, फ्रेंच, जर्मन सहित कई भाषाओं के शब्दों को अपनाया है। यही कारण है कि अंग्रेजी की शब्द-संपदा लगातार समृद्ध होती रही है। विद्यार्थियों के लिए नए शब्द सीखना उनकी भाषा और संचार क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करता है।

सरल व्याकरण और निश्चित शब्द क्रम इसका दूसरा महत्वपूर्ण गुण है। अंग्रेजी में शब्दों के रूप अपेक्षाकृत कम बदलते हैं। वाक्य में सामान्यत: कर्ता-क्रिया-कर्म का क्रम अपनाया जाता है। इससे शुरुआती विद्यार्थियों के लिए वाक्य समझना और बनाना आसान हो जाता है। हालांकि सही अभ्यास जरूरी है। अंग्रेजी में लिंग के प्रयोग में सरलता है। हिंदी और संस्कृत की तुलना में अंग्रेजी में संज्ञाओं के व्याकरणिक लिंग का प्रभाव सीमित है। निर्जीव वस्तुओं के लिए सामान्यत: इट का प्रयोग किया जाता है। इससे भाषा सीखने वालों को कई स्तरों पर सुविधा मिलती है।

उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक शोध, तकनीकी पाठ्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन सामग्री का बड़ा हिस्सा अंग्रेजी में उपलब्ध है। विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी की समझ उच्च शिक्षा और नई जानकारी तक पहुंच आसान बना सकती है। तकनीक और इंटरनेट में अंग्रेजी की भूमिका महत्वपूर्ण है। डिजिटल युग में अंग्रेजी का महत्व और बढ़ गया है। कंप्यूटर, प्रोग्रामिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और इंटरनेट की बड़ी मात्रा में सामग्री अंग्रेजी में उपलब्ध है। इसलिए अंग्रेजी का ज्ञान विद्यार्थियों को तकनीकी दुनिया से जुड़ने में मदद करता है। वैश्विक कंपनियों और बहुराष्ट्रीय संस्थानों में अंग्रेजी संचार कौशल को महत्वपूर्ण माना जाता है। अच्छी अंग्रेजी युवाओं को देश-विदेश में शिक्षा, रोजगार और व्यावसायिक अवसरों तक पहुंच बनाने में मदद कर सकती है। अंग्रेजी बोलते समय आवाज का उतार-चढ़ाव भी महत्वपूर्ण है। युवाओं के लिए जरूरी कौशल है अंग्रेजी भाषा। अंग्रेजी सीखने का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं होना चाहिए। पढ़ना, लिखना, सुनना और बोलना, चारों कौशलों का नियमित अभ्यास युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाता है। वैश्विक शिक्षा, तकनीक और रोजगार के दौर में अंग्रेजी का ज्ञान युवाओं के लिए नए अवसरों के दरवाजे खोल सकता है।

संगीता यादव
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, डुमना रोड, जबलपुर।

बोलियों की विविधता ने हिंदी को बनाया समृद्ध और जीवंत

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि अनेक बोलियों और स्थानीय भाषाई रूपों की समृद्ध दुनिया है। अलग-अलग क्षेत्रों में हिंदी का उच्चारण, शब्दावली और बोलने का अंदाज बदल जाता है। यही विविधता हिंदी को जीवंत और व्यापक बनाती है। मध्य प्रदेश में बुंदेली, मालवी, निमाड़ी और बघेली जैसी बोलियों का अपना विशिष्ट महत्व है।

बुंदेली की अपनी मिठास

बुंदेली मुख्य रूप से बुंदेलखंड क्षेत्र में बोली जाती है। मध्य प्रदेश के सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह और पन्ना सहित आसपास के क्षेत्रों में इसका व्यापक प्रभाव दिखाई देता है। बुंदेली की भाषा शैली सहज, प्रभावशाली और लोकजीवन से जुड़ी हुई है। लोकगीतों, कहावतों और लोककथाओं में बुंदेली की विशेष पहचान देखने को मिलती है।

मालवी की अलग पहचान

मालवी मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में बोली जाती है। इंदौर, उज्जैन, देवास, मंदसौर, रतलाम और आसपास के क्षेत्रों में इसके अलग-अलग स्थानीय रूप सुनने को मिलते हैं। मालवी के शब्दों और उच्चारण में स्थानीय संस्कृति तथा लोकजीवन की स्पष्ट झलक मिलती है। मालवी लोकगीत और लोकनाट्य इसकी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करते हैं।

बघेली और निमाड़ी का महत्व

मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बघेली तथा नर्मदा घाटी और निमाड़ क्षेत्र में निमाड़ी का प्रभाव है। दोनों बोलियों में स्थानीय इतिहास, परंपराओं और जनजीवन की झलक मिलती है। इनके लोकगीत, कहावतें और कथाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक परंपरा के माध्यम से आगे बढ़ी हैं।

बोलियां भाषा की ताकत

बोलियों को केवल क्षेत्रीय बोलचाल का माध्यम मानना उचित नहीं है। इनमें किसी क्षेत्र का इतिहास, संस्कृति, लोकस्मृति और जीवनशैली सुरक्षित रहती है। हिंदी साहित्य को भी विभिन्न बोलियों से अनेक शब्द, मुहावरे और अभिव्यक्तियां मिली हैं।

नई पीढ़ी की जिम्मेदारी

आधुनिक शिक्षा, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में स्थानीय बोलियों का प्रयोग कुछ क्षेत्रों में कम हो रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को अपनी स्थानीय बोली बोलने और उसके साहित्य, लोकगीतों तथा कहावतों को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। हिंदी की विविध बोलियां हमारी भाषाई विरासत हैं। इनका संरक्षण हिंदी को कमजोर नहीं, बल्कि और अधिक समृद्ध बनाता है।

1. खोज करोगे ज्ञान की
या जरूरत विद्वान की
राह में ही दिखाती हूँ।
समेट कर के संसार
रख भांति भांति का परिवार
मैं जीवन दर्शन सिखाती हूँ।

2. बड़ी ही स्वादिष्ट हूँ मैं
फल से लेकर पकवान तक।
बड़ी ही कड़वी हूँ मैं
करेले से लेकर नीम तक
बताओ कौन हूँ मैं।
जब तक मौन हूँ मैं।

3. इंसान की ऐसी चीज जो उसकी है पर इस्तेमाल पूरी दुनिया करती है, बूझो तो जाने?

4. वो कौन है जो बिना पर के उड़ता है और बिना हाथ के लड़ता है?

5. छोटी सी छोकरी,
लालबाई नाम है,
हने है घाघरा
एक पैसा दाम है।

जवाब : 1. किताब 2. जुबान 3. नाम 4. पतंग 5. लाल मिर्च

संस्कृत: धातु रूप याद करने के आसान तरीके

संस्कृत विषय में धातु रूप विद्यार्थियों के लिए अक्सर कठिन माने जाते हैं। एक ही धातु के अलग-अलग लकारों और पुरुष-वचनों के अनुसार रूप बदलने से इन्हें याद करना चुनौतीपूर्ण लगता है। लेकिन यदि धातु रूपों को रटने के बजाय उनके पैटर्न और क्रम को समझकर पढ़ा जाए, तो इन्हें आसानी से याद किया जा सकता है।

पहले धातु का अर्थ समझें- किसी भी धातु रूप को याद करने से पहले उसका मूल अर्थ जानना जरूरी है। जैसे 'पठ्' का अर्थ पढ़ना, 'गम' का अर्थ जाना और 'लिख' का अर्थ लिखना है। अर्थ याद रहने पर धातु से बने रूपों को समझना आसान हो जाता है।

तीनों पुरुष और तीनों वचन का क्रम रखें- संस्कृत में रूप याद करते समय प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष और उत्तम पुरुष का क्रम बनाए रखें। इसी तरह एकवचन, द्विवचन और बहुवचन को साथ-साथ पढ़ें। रोज एक ही क्रम में अभ्यास करने से रूपों की संरचना दिमाग में बैठने लगती है।

एक साथ कई धातु न पढ़ें- शुरुआत में एक दिन में केवल एक या दो धातुओं का अभ्यास करें। पहले वर्तमान काल के रूप अच्छी तरह याद करें, फिर धीरे-धीरे दूसरे लकारों की ओर बढ़ें। इससे भ्रम कम होगा और याददाश्त पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा।

लिखकर याद करने की आदत- केवल पढ़ने के बजाय धातु रूपों को कॉपी में लिखना अधिक प्रभावी तरीका है। पहले देखकर लिखें, फिर बिना देखे लिखने का प्रयास करें। जहां गलती हो, उसे अलग से दोहराएं।

तालिका बनाकर करें अभ्यास- प्रत्येक धातु के लिए नौ खानों की तालिका बनाएं और उसमें तीनों पुरुष तथा तीनों वचनों के रूप लिखें। रंगों या अलग-अलग निशानों से कठिन रूपों को चिन्हित किया जा सकता है।

रोज करें छोटा अभ्यास- एक साथ कई घंटे पढ़ने के बजाय रोज 10 से 15 मिनट धातु रूपों का अभ्यास करें। सुबह पढ़े गए रूपों को शाम को और अगले दिन दोबारा दोहराने से वे लंबे समय तक याद रहते हैं।

याद रखने का मंत्र- धातु रूपों में सफ लता का सबसे अच्छा तरीका है अर्थ समझें, क्रम पहचानें, लिखकर अभ्यास करें और नियमित दोहराएं। परीक्षा के समय नए रूप रटने के बजाय पहले से अभ्यास किए गए रूपों का पुनरावर्तन करना अधिक उपयोगी रहता है।

हरिवंश राय बच्चन: जीवन और साहित्य का मधुर स्वर

प्रारंभिक जीवन

हरिवंश राय बच्चन का जन्म 27 नवंबर 1907 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के निकट बाबूपट्टी गांव में हुआ था। उनका वास्तविक उपनाम श्रीवास्तव था, लेकिन साहित्य की दुनिया में वे 'बच्चन' नाम से प्रसिद्ध हुए। बचपन से ही उनकी रुचि साहित्य और कविता में थी। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और आगे चलकर अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन किया।

साहित्यिक पहचान

बच्चन जी की कविताओं में आम जीवन की भावनाओं को सहज और प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत किया गया है। उनकी रचनाओं में प्रेम, पीड़ा, अकेलापन, संघर्ष, निराशा और जीवन के प्रति उम्मीद जैसे विषय प्रमुखता से दिखाई देते हैं। उनकी भाषा सरल होने के कारण उनकी कविताएं आम पाठकों के बीच भी बेहद लोकप्रिय हुईं।

'मधुशाला' से मिली प्रसिद्धि

1935 में प्रकाशित 'मधुशाला' उनकी सबसे चर्चित कृति मानी जाती है। इसमें 'मधु', 'मधुशाला', 'प्याला' और 'मधुबाला' जैसे प्रतीकों के माध्यम से कवि ने जीवन और उसके विभिन्न अनुभवों को अभिव्यक्त किया। 'मधुशाला' की लोकप्रियता ने बच्चन जी को हिंदी कविता का प्रमुख स्वर बना दिया।

प्रमुख रचनाएं

उनकी प्रमुख कृतियों में 'मधुशाला', 'मधुबाला', 'मधुकलश', 'निशा निमंत्रण', 'एकांत संगीत', 'आकुल अंतर' और 'सतरंगिनी' शामिल हैं। उनकी आत्मकथा चार खंडों में प्रकाशित हुई, जिसका पहला भाग 'क्या भूलूं क्या याद करूं' है।

सम्मान और योगदान

हरिवंश राय बच्चन को हिंदी साहित्य में उनके महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी साहित्यिक प्रतिभा और हिंदी कविता को नई ऊंचाई देने में उनके योगदान को व्यापक रूप से सराहा गया। वर्ष 1976 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। बच्चन जी ने अपनी सरल, सहज और भावपूर्ण भाषा के माध्यम से हिंदी साहित्य को आम पाठकों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी कविताओं में जीवन के संघर्ष, आशा, निराशा, प्रेम और मानवीय संवेदनाओं का प्रभावशाली चित्रण मिलता है। विशेष रूप से 'मधुशाला' ने उन्हें देशभर में लोकप्रिय बनाया और हिंदी कविता को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी रचनाएं आज भी पाठकों को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

अंतिम समय

हरिवंश राय बच्चन का निधन 18 जनवरी 2003 को मुंबई में हुआ। हालांकि वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कविताएं और साहित्यिक कृतियां आज भी पाठकों को जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की प्रेरणा देती हैं।

शब्द पहेली - 8968

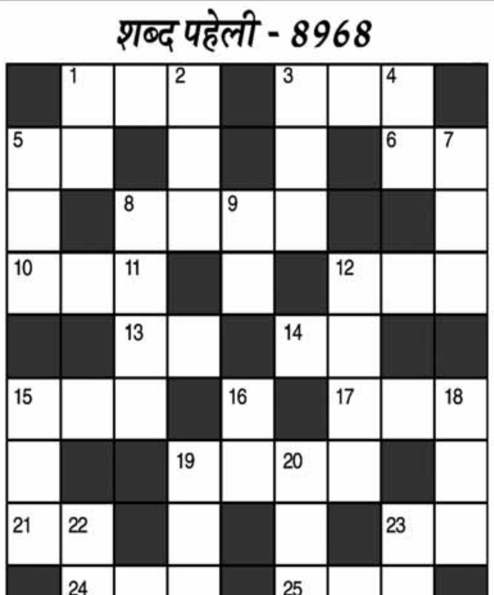

बाएँ से दाएँ

1. तरंग,हिलोर-3
3. झगड़ा,द्वेष,कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा,थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया,पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन,प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान,रब,करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण,जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया,करुणा-3
3. शर्ट,बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र,कुलीन-3
7. बड़ा भवन,कोठी-3
8. हमेशा,हर पल-4
9. यात्री,पथिक,राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज,तहजीब-3
16. रात्रि,रजनी-2
18. शोषण करना,दबाना-3
19. आसान,सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान,रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8967 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रु	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

परसवाड़ा क्षेत्र में तीन बाघ की मूवमेंट, बढ़ाई गश्त

वन विभाग और कान्हा की टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की दी समझाइश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

परसवाड़ा तहसील क्षेत्र में वन्यप्राणी बाघ की मूवमेंट लगातार सामने आने के बाद वन विभाग और कान्हा नेशनल पार्क की टीम सक्रिय हो गई है। शेरपार और सिलगी क्षेत्र में मवेशियों का शिकार किए जाने तथा लिंगा-चीनी रोड पर बाघ दिखाई देने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। बाघों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अलग-अलग स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में दो से तीन वयस्क बाघों की मौजूदगी की संभावना जताई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम शेरपार में 3 सितंबर को बाघ ने दो मवेशियों का शिकार किया था। इसके बाद 4 सितंबर को सिलगी के कन्हारटोला क्षेत्र में भी बाघ ने दो मवेशियों को अपना शिकार बनाया। वहीं, 5 सितंबर की सुबह परसवाड़ा मुख्यालय से करीब दो किलोमीटर दूर चीनी से लिंगा रोड के समीप ग्रामीणों ने बाघ को जाते हुए देखा। ग्रामीणों ने बाघ की तस्वीर अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर ली। इसके बाद से क्षेत्र में बाघ की दहशत बनी हुई है।

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों द्वारा इसकी सूचना वन विभाग बालाघाट तथा कान्हा नेशनल पार्क की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही 5 सितंबर की दोपहर टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में गश्त शुरू कर दी। 6 सितंबर की सुबह भी कान्हा और वन विभाग की टीम ने लिंगा, पोंडी, धुर्वा और सिलगी सहित आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण कर बाघ की गतिविधियों का जायजा लिया।

वन विभाग के अनुसार, क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से बाघों की मूवमेंट पर लगातार निगरानी की जा रही है। विभाग का प्रयास है कि बाघों को रहवासी क्षेत्र से सुरक्षित रूप से जंगल की ओर ले जाया जाए। मौसम साफ रहने पर ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की जाएगी।

वन विभाग की टीम ग्रामीणों को लगातार समझाइश दे रही है कि सुबह सूर्योदय से पहले और शाम सूर्यास्त के बाद अकेले खेत या जंगल की ओर न जाएं। आवश्यक होने पर समूह में जाएं और आवाज करते हुए आवागमन करें। वन विकास निगम, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय भी गश्त की जाएगी।

लघु वनोपज संघ के जिलाध्यक्ष अशोक मंडलेकर ने बताया कि उनके गांव से लगे क्षेत्र में भी बाघ की मूवमेंट देखी जा रही है। धुर्वा, सिलगी, खरपड़िया सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार बाघ की गतिविधियां सामने आ रही हैं।

पहले ऐसा लग रहा था कि क्षेत्र में एक ही बाघ है, जो भोजन की तलाश में मवेशियों का शिकार कर रहा है, लेकिन पिछले दो-तीन दिनों में अलग-अलग स्थानों पर बाघ की मूवमेंट सामने आने से उन्होंने इसकी जानकारी डीएफओ और सीसीएफ को दी। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से स्कूल के बच्चे भी आवागमन करते हैं, जिसे देखते हुए अब संयुक्त रूप से गश्त शुरू की गई है।

डीएफओ रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से अलग-अलग क्षेत्रों में बाघ की लगातार मूवमेंट देखी जा रही है। कान्हा की टीम के साथ गांवों में भ्रमण कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है और गश्त बढ़ा दी गई है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि सूर्यास्त के बाद अकेले बाहर न निकलें। यदि जाना जरूरी हो तो समूह में जाएं और आवाज करते हुए जाएं। उन्होंने शेरपार सहित अन्य क्षेत्रों में दो से तीन बाघ होने की संभावना जताई है।

कान्हा-पेंच कॉरिडोर से लगे हैं क्षेत्र

गौरतलब है कि परसवाड़ा तहसील क्षेत्र कान्हा नेशनल पार्क के बफर क्षेत्र से लगा हुआ है। यही वजह है कि इन क्षेत्रों में अक्सर वन्यप्राणियों की आवाजाही देखी जाती है। पूर्व में कान्हा नेशनल पार्क से लगे पर्रापुर गांव में बाघ के घर में घुसने की घटना सामने आई थी, जिसमें एक महिला की मौत हुई थी। इसी क्षेत्र में खेत गए एक किसान पर भी बाघ ने हमला कर उसे घायल किया था। ऐसे में वन विभाग द्वारा वर्तमान में सामने आ रही बाघों की मूवमेंट को गंभीरता से लेते हुए निगरानी और गश्त बढ़ा दी गई है।

जब शिष्य बने चरण सेवक तो छलक पड़ी गुरुओं की आँखें

उकवा(स्वतंत्र मत)।

जहाँ आज गुरु-शिष्य का रिश्ता व्हाट्सएप मोबाइल या बहुत हद तक औपचारिकता के एक मैसेज तक सिमट गया है, वहीं खनिज नगरी उकवा की सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्यों ने सच्ची गुरु सेवा या सम्मान क्या होती है, ये बताया समिति ने मंच, माला और माइक का रास्ता छोड़कर वो रास्ता चुना जो सबसे कठिन था - गुरु के द्वार तक जाने का रास्ता।

समिति के सदस्य उन गलियों और गांवों में पहुंचे, जहां देश के भविष्य को गढ़ने वाले वयोवृद्ध गुरु अब वो स्कूल और बच्चों के शोर से दूर बीते समय की धुंधली यादों में समय व्यतीत कर रहे हैं। 85 वर्षीय एम.एस. रोकड़े, 88 वर्षीय फागूराम घुले, सी.एस. बिसेन, एस.एन. राहंगडाले, नामदेव येरपुड़े, ए. उजगांवनकर मैडम, मार्को मैडम, डी.एस. ठाकरे और उइके सर जैसे अनेक वयोवृद्ध गुरुजन, और कुछ अस्सी वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ गुरुजन जो अस्वस्थता के कारण बिस्तर से भी नहीं उठ पाते, उनके घर पहुंचकर समिति ने जो किया उसने सबकी आंखें नम कर दीं। लोटे में जल, थाली में कुमकुम और हाथों में आस्था लेकर युवाओं ने अपने गुरुओं के चरण पखारे, साल-

श्रीफल और लेखनी भेंट की और आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स भावुक हो उठा।इस पूरे भावुक और भव्य कार्यक्रम को और भी अविस्मरणीय बनाया उकवा के प्रसिद्ध फोटोग्राफर एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रतीक हरदे ने। उन्होंने अपनी कला से हर एक आंसू, हर एक मुस्कान और हर एक आशीर्वाद को अपने कैमरे में इस खूबसूरती से कैद किया कि ये पल हमेशा के लिए इतिहास बन गए। इस अवसर पर सर्व धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष जेम्स बारीक, सचिव संतोष सोनी, नितिन कुमार, अखिल घरड़े, सचिन पद्ममें, संदीप गजभिए, राहुल मेश्राम, राकेश सर्पा, आशीष नाग, सुमित नांदेश्वर, प्रदीप धनकड़े, मोनीस साहू, प्रमोद सहित समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेडिकल स्टोर में अनाधिकृत गतिविधियों पर होगी सख्ती

उमरिया (स्वतंत्रमत)। औषधि निरीक्षक द्वारा जिले के समस्त मेडिकल स्टोर संचालकों को अनाधिकृत गतिविधियों के संबंध में निर्देश दिए गए है कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम अनुसार औषधि विक्रय प्रतिष्ठान में किसी भी प्रकार की अवैध, अनाधिकृत अथवा नियम-विरुद्ध गतिविधि, प्रैक्टिस पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसी गतिविधियां पाए जाने पर संबंधित मेडिकल स्टोर के विरुद्ध प्रचलित नियमों एवं अधिनियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सभी मेडिकल स्टोर संचालकों से अपने प्रतिष्ठानों में नियमों का पालन करने की अपील की गई है ताकि जिले में अनाधिकृत गतिविधियों को रोका जा सके।

शिक्षक दिवस पर रिटायर्ड शिक्षक ने पेश की पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

100 पौधों का रोपण कर लगाए ट्रीगार्ड, संरक्षण का लिया संकल्प

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत मजगांव अंतर्गत ग्राम तीरगांव में सेवानिवृत्त शिक्षक जयपालसिंह धुमकेती ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए 100 पौधों का वृक्षारोपण किया। उन्होंने न केवल पौधे लगाए, बल्कि प्रत्येक पौधे की सुरक्षा के लिए ट्रीगार्ड भी लगाए, जिससे पौधों को मवेशियों एवं अन्य नुकसान से सुरक्षित रखा जा सके।रिटायर्ड शिक्षक जयपालसिंह धुमकेती ने शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण के निर्धारित लक्ष्य को पूरा किया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने भी वृक्षारोपण की इस पहल की सराहना की। 100 पौधों का रोपण एवं ट्रीगार्ड लगाने के साथ लक्ष्य पूरा होने पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता का संदेश भी पहुंचा। शिक्षक दिवस पर एक सेवानिवृत्त शिक्षक द्वारा शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण के लिए उठाया गया यह कदम क्षेत्रवासियों के लिए प्रेरणादायी है। यदि लगाए गए पौधों की नियमित देखरेख और सिंचाई की जाती रही तो आने वाले वर्षों में यह स्थान हरियाली से आच्छादित होकर पर्यावरण संरक्षण की एक सुंदर मिसाल बन सकता है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे, रिटायर्ड शिक्षक जयपालसिंह धुमकेती, संरपच धनेश्वरी धुमकेती, रुपझर थाना प्रभारी कामेश धुमकेती , तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम, सहित ग्रामीण रहे मौजूद।

बच्चों की मौत के बीच चार दिन में बदला सीएमएचओ, अब डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया संभालेंगे कमान

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। बैगा आदिवासी अंचल में मासूम बच्चों की मौतों के बीच बालाघाट के स्वास्थ्य विभाग में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है। महज चार दिन में सीएमएचओ की पदस्थापना का आदेश बदल दिया गया। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने 2 सितंबर को डिंडोरी में पदस्थ डॉ. मनोज पांडे को बालाघाट का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नियुक्त किया था। अब 6 सितंबर को जारी दूसरी सूची में जिला चिकित्सालय जबलपुर में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को बालाघाट का नया सीएमएचओ बनाया गया है। डॉ. दाहिया अब जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन,की जिम्मेदारी संभालेंगे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी परीक्षा आदिवासी अंचलों की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारना होगी। बैगा क्षेत्रों में बच्चों की मौत का मामला पहले ही गंभीर सवाल खड़े कर चुका है। मलेरिया, मिजल्स, कुपोषण और अन्य बीमारियों के बीच बच्चों की मौतों को लेकर सरकारी और राजनीतिक दावों में बड़ा अंतर सामने आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग जहां 12 बच्चों की मौत का आंकड़ा बता रहा है, वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पोस्ट और अन्य दावों में मौतों की संख्या 30 से 31 तक बताई जा रही है।

थाने में हुई शिकायत, पुलिस ने वन रक्षक को किया तलब

वन रक्षक पर साजिश रचकर झूठा वन अपराध दर्ज कराने का आरोप

कटंगी(स्वतंत्र मत)। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के सीतापठोर वृत के कोयलारी बीट के वन रक्षक पर कथित तौर पर साजिश के तहत ग्रामीणों से जंगल में लकड़ी कटवाकर फिर उन्हीं पर वन अपराध दर्ज करने और बाद में झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 45 हजार रुपये की मांग करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ितों की शिकायत पर तिरोड़ी पुलिस ने वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम को थाने तलब कर बयान दर्ज किए हैं। मामले की जांच शुरू हो गई है। वही वन विभाग के अधिकारी (रेंजर) अपने कर्मचारी को बचाने की कोशिश में जुटे हुए है। जिससे इस पूरे मामले में उनकी भूमिका पर भी संदेह के दायरे में है। 04 सितंबर को ग्रामीणों ने वन रक्षक की थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवी प्रसाद कारसर्पे और श्रीचंद उइके दोनों ग्राम दुल्हापुर के निवासी है जिन्होंने तिरोड़ी थाने में दिए आवेदन में बताया कि अक्टूबर 2025 में वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम ने देवी प्रसाद के मोबाइल पर फोन कर जंगल से लकड़ी काटने का काम बताया था। देवी प्रसाद के अनुसार उन्होंने वन रक्षक से मिले काम को वन विभाग का शासकीय कार्य समझकर कोयलारी और दुल्हापुर के बीच जंगल में खैर प्रजाति के करीब 7 पेड़ काटे थे। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, पेड़ कटाई का काम चल ही रहा था कि अचानक वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम, चौकीदार नंदलाल ठाकरे, मारोती गंगारे सहित अन्य स्टाफ के लोग मौके पर पहुंच गया और पेड़ काट रहे मजदूरों को रंगे हाथों पकड़ने का नाटक किया। मौके से दो मजदूर काशीराम मड़ावी और चुन्नी लाल ठाकरे, दोनों निवासी दुल्हापुर को पकड़ लिया गया और कहा गया कि तुम अवैध रूप से जंगल से लकड़ी काट रहे हो। उन पर तत्काल वन अपराध का मामला दर्ज कर दिया गया। 29 अक्टूबर को आरोपी कांशीराम मड़ावी को महसूल की 25 हजार से अधिक की राशि जमा करने का नोटिस भी थमा दिया। कांशीराम ने यह राशि नहीं दी तो एक माह बाद फिर से दूसरा नोटिस जारी किया और इस बार 44 हजार से अधिक की राशि का नोटिस थमाया गया जबकि मामला एक ही है।

शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इस दौरान वन रक्षक ने मजदूर चुन्नी लाल ठाकरे से 5 हजार रुपये नकद भी वसूल लिए और इन मजदूरों से अन्य मजदूरों के नाम भी पूछे गए तब जाकर देवी प्रसाद कारसर्पे को समझ आया कि वन रक्षक ने जानबूझकर झूठा प्रकरण बनाने के लिए ही उनसे लकड़ी कटवाई। देवीप्रसाद के अनुसार वह और उनके मजदूर इस साजिश से पूरी तरह अनभिज्ञ थे। आवेदकों ने बताया कि इस पूरी घटना के बाद मामला शांत हो गया था किंतु अभी करीब 3 माह पहले से वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम लगातार उन्हें झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर 45 हजार रुपये की मांग कर रहा है। 3 सितंबर को वन रक्षक ने देवी प्रसाद को फोन कर पैसों की मांग की थी।

बांधवगढ़ में तृतीय बैच के 28 गाइड्स का दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

फील्ड भ्रमण के दौरान पेड़ की डाल पर बैठा हुआ दिखा कोतवाल

उमरिया (स्वतंत्रमत) - बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पर्यटन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय बैच का दो दिवसीय प्रशिक्षण रविवार 6 सितंबर को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में कुल 28 गाइड्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रशिक्षण के दौरान गाइड्स को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की जैव विविधता, वन्यजीवों, सरीसृपों, पक्षियों, वनस्पतियों, कीटों तथा वन्यजीवों के विभिन्न अनुकूलनों से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा जानकारी दी गई। साथ ही गाइड की व्यक्तित्व विकास, ग्रूमिंग, भूमिका एवं दायित्व तथा ईको-टूरिज्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सत्र आयोजित किए गए।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन ताला पर्यटन क्षेत्र में फील्ड विजिट आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक आवास का मैदानी स्तर पर अवलोकन कराया गया तथा प्रकृति व्याख्या के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया। विभिन्न पक्षियों के साथ साथ ड्रोन्गो नामक पक्षी, जिसे कोतवाल भी कहा जाता है, को देख प्रशिक्षु गाइड्स रोमांचित हुए।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के श्री जितेंद्र अवासे, रेंज ऑफिसर खितौली स्वस्ति श्री जैन एवं उमंग उपाधयाय, वन रक्षक, खितौली के द्वारा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, पर्यटन गतिविधियों तथा वन विभाग द्वारा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों पर जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया गया एवं क्षेत्र में वन एवं वन्यजीव प्रबंधन तथा विभागीय गतिविधियों के संबंध में गाइड्स को विस्तृत जानकारी दी गई।

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान सभी निर्धारित सत्र एवं व्याख्यान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। प्रशिक्षण में शामिल 28 गाइड्स ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे अपने ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाने की दिशा में उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर गाइड्स द्वारा सभी प्रशिक्षकों (विषय विशेषज्ञों, वन अधिकारियों) के प्रति आभार व्यक्त किया गया एवं प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु बाँधवगढ़ प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गए फीडबैक फॉर्म में अपने अपने सुझाव भी दिए गए।प्रशिक्षण का उद्देश्य गाइड्स को केवल पर्यटकों को वन्यजीव दिखाने तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्रकृति, वन्यजीव संरक्षण और बांधवगढ़ की समृद्ध जैव विविधता के प्रभावी व्याख्याकार के रूप में और अधिक सक्षम बनाना रहा।

11 हजार केवी लाइन टूटी, चपेट मे आने से युवक की मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। चंदिया थाना क्षेत्र के ग्राम रोझिन में हलफल नदी के बगल से रविवार 6 सितंबर को सुबह करीब 11.30 बजे दर्दनाक हादसे में आदिवासी युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक रोझिन गांव से गुजर रही 11 हजार केवी विद्युत लाइन वर्ष 1983 में स्थापित हुई थी,यानी करीब 43 वर्ष पुरानी है।ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों पुरानी इस लाइन में समय-समय पर मेंटेनेंस के दौरान तारों में जोड़ लगाए जाते रहे,जिसके चलते लाइन पर कई जगह जोड़ बन गए हैं।ग्रामीणों का दावा है कि घटना वाले दिन भी 11 हजार केवी लाइन का एक जोड़ टूट गया और उसी दौरान दुर्भाग्य से उसके नीचे कृषि कार्य कर रहा आदिवासी मजदूर चपेट में आ गया और दर्दनाक मौत हुई है।हादसे का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा,लेकिन ग्रामीणों द्वारा लाइन की जर्जर स्थिति और बार-बार और जगह जगह किए गए जोड़ को लेकर लगाए जा रहे आरोप विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते है। घटना की सूचना मिलते ही चंदिया पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ली है,और शव को पोस्टमार्टम के लिए चंदिया ले गई। पीएम की कार्रवाई उपरांत शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

बिरसिंहपुर में सजा कृष्ण लीलाओं का रंग, गीत-संगीत और नृत्य नाटक ने मोहा मन

उमरिया (स्वतंत्रमत) - श्री कृष्ण पाथेय न्यास, मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं प्रशासन के सहयोग से आयोजित श्री कृष्ण पर्वकृ' श्री कृष्ण आख्यान की कला अभिव्यक्तियाँ' का आयोजन माँ बिरासिनी क्रिकेट ग्राउंड बिरसिंहपुर पाली में संपन्न हुआ। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्रीकृष्ण की कथा केवल धर्म और आस्था की कथा नहीं, बल्कि भारतीय कला, संगीत और लोकजीवन की भी समृद्ध विरासत है। इसी विरासत को कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के लिए श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, उमरिया सहयोग से 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन माँ बिरासिनी क्रिकेट ग्राउंड, बिरसिंहपुर पाली में किया गया। कार्यक्रम में शर्मिष्ठा रानी पांडा एवं उनके साथी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा श्रीकृष्ण-केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।वहीं, दीन भगत एवं अखिलेश राजा, जबलपुर एवं साथी, भक्ति गायन से वातावरण को गीत-संगीत के माध्यम से जीवंत कर दिया। शर्मिष्ठा रानी पांडा एवं उनके साथीने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं पर केंद्रित मनमोहक रागों और पारंपरिक ओडिसी अभिनय से सुसज्जित 'राग अनुराग' में मीरा का समर्पण और राधा का अनुराग की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। वहीं दीन भगत, अखिलेश राजा एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई तथा सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और उपस्थित दर्शक झूम उठे।

पोषण पुनर्वास केंद्र की मेहनत से कुपोषित बालक को मिली नई जिंदगी

6.7 किलो वजन के साथ भर्ती हुआ 2 वर्षीय बालक उपचार के बाद 7.3 किलो वजन पर हुआ डिस्चार्ज

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला अस्पताल उमरिया के पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समर्पित मेहनत से एक कुपोषित दो वर्षीय बालक के सफल उपचार की सुखद कहानी सामने आई है। चंदिया निवासी दो वर्षीय आशुम बाबा फकीर, पिता तारीफ शाह एवं माता शरूब बी को गंभीर कुपोषण के साथ सांस लेने में तकलीफ, खांसी और बुखार सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते 23 अगस्त 2026 को जिला चिकित्सालय उमरिया के पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया था। भर्ती के समय बालक का वजन महज 6.7 किलोग्राम था। उसकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए एनआरसी में चिकित्सकीय उपचार के साथ-साथ उसके पोषण स्तर में सुधार के लिए विशेष देखभाल शुरू की गई। चिकित्सकों एवं एनआरसी के स्टाफ द्वारा बालक के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की गई तथा उसकी आवश्यकता के अनुसार उपचार एवं पोषण आहार उपलब्ध कराया गया।इस दौरान डॉ. एस.के. निपाने, नर्सिंग ऑफिसर प्रिया महार, फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर आकांक्षा तिवारी सहित समस्त एनआरसी स्टाफ ने पूरी लगन और समर्पण के साथ बालक की देखभाल की। नियमित उपचार, संतुलित पोषण आहार, फीडिंग संबंधी आवश्यक प्रशिक्षण और निरंतर निगरानी के परिणामस्वरूप बालक के स्वास्थ्य में धीरे-धीरे उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। अस्पताल प्रशासन की ओर से सिविल सर्जन डॉ. के.सी. सोनी एवं आरएमओ डॉ. संदीप सिंह द्वारा भी बालक के उपचार एवं पोषण की स्थिति की लगातार निगरानी की गई। उनके मार्गदर्शन एवं सतत समझाइश से एनआरसी की टीम को बेहतर उपचार

एवं पोषण प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिला।लगातार उपचार और पोषण देखभाल के बाद बालक के स्वास्थ्य में सुधार हुआ और उसका वजन भी बढ़ा। 6 सितंबर 2026 को बालक को 7.3 किलोग्राम वजन के साथ सफलतापूर्वक अस्पताल से छुट्टी दी गई। भर्ती के समय 6.7 किलोग्राम वजन वाले बालक का वजन उपचार के दौरान बढ़कर 7.3 किलोग्राम होना एनआरसी की टीम के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है।इस सफल उपचार में महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारी श्रीमती दिव्या गुप्ता एवं क्षेत्रीय अमले का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से बालक को बेहतर स्वास्थ्य की ओर ले जाने में मदद मिली।

माता-पिता को दी गई आवश्यक समझाइश-बालक को डिस्चार्ज करते समय उसके माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों को बच्चे की आगे की देखभाल, पोषण आहार, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाइश दी गई। साथ ही बच्चे के स्वास्थ्य एवं वजन की नियमित निगरानी तथा निर्धारित समय पर फॉलोअप कराने की सलाह दी गई, ताकि दोबारा कुपोषण की स्थिति उत्पन्न न हो। जिला अस्पताल प्रशासन ने कहा कि बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालने के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र में उपचार के साथ-साथ पोषण संबंधी व्यवहार एवं परिवार को आवश्यक मार्गदर्शन देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। जिला अस्पताल प्रशासन एवं एनआरसी की टीम ने कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कुपोषित बच्चों के उपचार एवं पोषण सुधार के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

भव्यता से मनाया जन्मोत्सव

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर विकासखंड मोहगांव में भव्य एवं रैली का आयोजन किया गया इस रैली में मोहगांव एवं आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया महिला पुरुष एवं बच्चों ने मोटरसाइकिल चार पहिया वाहनों तथा अन्य वाहनों के साथ रैली में शामिल होकर जय श्रीकृष्ण के जयघोष से पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया रैली मोहगांव बस स्टैंड से प्रारंभ होकर ग्राम चाबी तक निकाली गई श्रृद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था ग्राम चाबी स्थित भगवान श्रीकृष्ण मंदिर में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया गया।

जागरूकता सत्र आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मिशन पोषण गतिविधियों एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र मोहगांव विकासखंड मवई तहसील बिछिया में जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से उपलब्ध कराई जाने वाली छह प्रकार की सहायता सेवाओं की जानकारी दी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय द्वारा माहिष्मती घाट में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में रोगियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने नागरिकों को वर्षा ऋतु में होने वाली मलेरिया डायरिया सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए।

कानूनी अधिकारों की जानकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आंगनवाड़ी केन्द्र जामुन टोला पंचायत जामगांव एवं आंगनवाड़ी केन्द्र पटेल टोला, ग्राम पंचायत ईश्वरपुर विकासखंड नैनपुर में हब एवं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत मिशन पोषण गतिविधियों के तहत जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विनोद परस्ते के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों, विभिन्न प्रकार की भाजियों फलों अनाज मोटे अनाज एवं दालों के पोषण महत्व की जानकारी दी।

बाल-बाल बचा युवक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महाराजपुर दादा धनीराम आश्रम के पास एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक ट्रक के पिछले पहिए में मोटरसाइकिल घुस गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक सुरक्षित बच गया उसे हल्की चोटें आई हैं। हालांकि मोटरसाइकिल पूरी तरह टूट गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक और बाइक दोनों महाराजपुर से पुल की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बाइक बेकाबू होकर ट्रक के पीछे से उसके पिछले पहिए में जा घुसी। ट्रक के रुकने तक उसके पहिए बाइक के ऊपर से निकल गए जिससे मोटरसाइकिल पूरी तरह टूट गई।

एसडीएम ने किया भ्रमण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार ग्राम गौंझीमाल स्थित चुटका परियोजना विस्थापित परिवारों की कॉलोनी का अनुविभागीय अधिकारी शैलेन्द्र चौधरी द्वारा भ्रमण किया गया। इस दौरान तहसीलदार हिमांशु भलावी भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी ने कॉलोनी में निवासरत विस्थापित परिवारों से भेंट कर उनका कुशल-क्षेम जाना तथा उनकी समस्याओं की जानकारी ली कॉलोनीवासियों द्वारा स्ट्रीट लाइट एवं विद्युत संबंधी समस्याओं से अवगत कराया गया।

शिक्षा को लेकर सरकार गंभीर : मंत्री

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला में शिक्षक दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने शिक्षकों और शिक्षा व्यवस्था को लेकर बयान दिया उन्होंने कहा कि अतिथि शिक्षकों की भर्ती निर्धारित क्राइटेरिया के आधार पर पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ की जा रही है मंत्री ने कहा कि अतिथि शिक्षकों को समय पर मानदेय मिले इसके लिए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समय-सीमा में भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है शिक्षकों की उपस्थिति के लिए ऑनलाइन व्यवस्था और थंब अटेंडेंस सिस्टम लागू किया गया है उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के शिक्षा स्तर को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षक प्रशिक्षण लेकर बच्चों को तकनीकी ज्ञान के साथ मातृभाषा में भी शिक्षा दे रहे हैं शिक्षक दिवस पर मंत्री संपतिया उईके ने सभी गुरुजनों को कोटि-कोटि नमन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री का शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार जताया।

कहीं पे निगाहें-कहीं पे निशाना...की तर्ज पर जिले में चल रहे निर्माण कार्य

लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे सांसद का वाहन दलदल में फंसा

मण्डला (स्वतंत्रमत)

जिले में होने वाले निर्माण कार्यो की ड्राईंग स्टीमेंट और स्थल चयन में काफी समय से जबावदारों के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। अधिकांश बड़ी परियोजना विवादों के साये में दिखाई दे रही हैं तो छोटे मोटे कामों में भी लापरवाही की हदें पार की जा रही हैं। स्कूल बनाते हैं तो मैदान गायब, भवन बनाते हैं तो सड़क गायब और आंगनबाड़ी हॉस्पीटल बनाते हैं तो बिजली पानी गायब हो जाती है। जिसके चलते अधिकांश भवनों का सही तरीके से उपयोग नही हो पाता है ऐसा ही एक मामला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के गृहग्राम क्षेत्र से जुड़े चकदेही ग्राम का सामने आया है। जहां पर भवन के लोकार्पण समारोह में पहुंचे सांसद के वाहन का वाहन दलदल में फंस गया। जैसे तैसे वाहन को निकाला गया जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। विकास कार्यों की तस्वीर तब सवाल बन जाती है जब लाखों रुपये खर्च कर इमारत तो खड़ी कर दी जाए लेकिन उस इमारत तक पहुंचने के लिए रास्ता ही न बनाया जाए। नारायणगंज विकासखंड की ग्राम

पंचायत चकदेही में कुछ ऐसा ही नजारा सामने आया। यहां जनमन योजना के तहत करीब 60 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण तो कर दिया गया लेकिन भवन तक पहुंचने वाला करीब 200 मीटर का पहुंच मार्ग जिम्मेदारों की नजर से गायब हो गया। बारिश ने इस अधूरे विकास की पोल पूरी तरह खोल दी। सामुदायिक भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और जनपद पंचायत के सीईओ के वाहनों को भवन तक पहुंचने के दौरान कीचड़ ने ऐसा रोका कि सरकारी तंत्र की जमीनी हकीकत सामने आ गई। वाहन कीचड़ में फंस गए। काफी मशक्कत के बाद भी जब वाहन बाहर नहीं निकले तो आखिरकार ग्रामीणों को मोर्चा संभालना पड़ा। ट्रैक्टर से वाहनों को टोचन कर कीचड़ से बाहर निकाला गया। चकदेही ग्राम पंचायत में जनमन योजना के तहत सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया। भवन पर करीब 60 लाख रुपये खर्च किए गए। निर्माण पूरा होने के बाद इसके लोकार्पण की तैयारी की गई लेकिन लोकार्पण के दिन जो तस्वीर सामने आई उसने पूरे विकास कार्य की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। भवन तक पहुंचने के लिए करीब 200 मीटर का रास्ता पक्का नहीं होने के कारण बारिश में पूरा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया। हालात यह रहे कि चार पहिया वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। यानी जिस भवन के निर्माण पर लाखों रुपये खर्च कर दिए गए वहां तक पहुंचने के लिए लोगों को आज भी मौसम और कीचड़ से जूझना पड़ रहा है। लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते और जनपद पंचायत के सीईओ जब सामुदायिक भवन की ओर रवाना हुए तो रास्ते की बदहाली का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण रास्ते में कीचड़ जमा था। जैसे ही वाहन इस हिस्से से गुजरे वे कीचड़ में फंस गए। वाहनों को निकालने के लिए पहले प्रयास किए गए लेकिन कीचड़ इतना ज्यादा था कि वाहन बाहर नहीं निकल सके। इसके बाद ग्रामीण आगे आए। ट्रैक्टर की मदद से रस्सी बांधकर वाहनों को टोचन किया गया और काफी मशक्कत के बाद उन्हें कीचड़ से बाहर निकाला गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में ग्रामीण ट्रैक्टर की मदद से वाहनों को कीचड़ से बाहर निकालते दिखाई दे रहे हैं। लोकार्पण जैसे सरकारी कार्यक्रम में सामने आई यह तस्वीर अब चर्चा का विषय बनी हुई है। व्यवस्था की इस स्थिति को देखकर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने भी नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने भी भवन तक पहुंचने वाले रास्ते की समस्या उनके सामने रखी। ग्रामीणों का कहना था कि भवन का निर्माण तो कर दिया गया लेकिन पहुंच मार्ग नहीं बनाया गया। बारिश के दिनों में समस्या इतनी गंभीर हो जाती है कि भवन तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सांसद ने मौके पर ही अधिकारियों से भवन तक पहुंच मार्ग निर्माण के लिए ग्राम पंचायत से प्रस्ताव तैयार कराने को कहा। उन्होंने आवश्यक राशि उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया। अब सवाल यह है कि प्रस्ताव कब तैयार होगा स्वीकृति कब मिलेगी और करीब 200 मीटर के इस पहुंच मार्ग का निर्माण कब शुरू होगा चकदेही की यह तस्वीर सिर्फ एक खराब सड़क की कहानी नहीं है बल्कि यह सवाल भी खड़ा करती है कि विकास कार्यों की योजना बनाते समय क्या जरूरी सुविधाओं का ध्यान रखा गया था जब किसी सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से वहां तक पहुंचने वाले मार्ग की जरूरत सबसे पहले मानी जाती है। लेकिन यहां भवन पहले बना दिया गया और रास्ता बाद के लिए छोड़ दिया गया।

स्वयं सिद्ध पैरामेडिकल में शिक्षक दिवस

मण्डला/मोहगांव

स्वयं सिद्ध इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल टेक्नोलॉजी में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं आनंद के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शरद नारायण खरे प्राचार्य जग.मु.चौ. महिला महाविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नीलम खरे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. शरद नारायण खरे द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं सरस्वती पूजन के साथ किया। संस्था की ओर से डॉ. समीर साहू द्वारा मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ शॉल श्रीफल एवं सम्मान-पत्र भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं

श्रीमती वंदना तिवारी ने विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीलम खरे का पुष्पगुच्छ शॉल एवं श्रीफल देकर स्वागत किया। इस अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में उपहार भेंट किए गए। विद्यार्थियों ने विभिन्न कविताओं एवं गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि डॉ. शरद नारायण खरे ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षक की भूमिका महत्व एवं जिम्मेदारियों से अवगत कराया तथा अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अनुशासन का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों के आग्रह पर डॉ. शरद नारायण खरे एवं श्रीमती नीलम खरे ने भी गायन प्रस्तुति दी जिससे कार्यक्रम का माहौल और अधिक आनंदमय हो गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में श्रीमती वर्षा तिवारी ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य सुरेंद्र यादव, शीतल उइके अमीषा विश्वकर्मा, राजकुमारी सलाम, श्रीमती वंदना तिवारी, सुश्री पलक चंद्रोल, सुश्री मोना यादव, दुर्गेश, राजू सहित संस्था के शिक्षकगण एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति पर अवेयरनेस प्रोग्राम

मण्डला(स्वतंत्रमत)

माँ रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नशा मुक्ति अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में संकल्प रहा। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय संस्थान से आए। मीना चौरसिया, सरिता चौरसिया, ममता साहू और प्रकाश राय ने नशे से होने वाले शारीरिक मानसिक और सामाजिक नुकसान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जीवन में कभी भी नशे का सेवन न करने बात कही। इसके पश्चात सभी विद्यार्थियों शिक्षकों और प्राध्यापकों ने मिलकर नशा मुक्ति की सामूहिक शपथ ली यह कार्यक्रम संचालक डॉ. अभिषेक चौबे एवं प्राचार्य डॉ. कनिका खरे के कुशल मार्गदर्शन और निर्देशन में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम का आयोजन डॉ. कविता भावसार द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण एवं रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा अंत में सभी ने इस नेक मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अधूरी सड़क बनी मुसीबत, ग्रामीण परेशान

मण्डला/मवई

जिले के मवई विकासखंड में सेदा-मजगांव मार्ग की बदहाली अब ग्रामीणों के लिए परेशानी से आगे बढ़कर जान का जोखिम बनती नजर आ रही है। बारिश के बीच छुई नाला में मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस का डायवर्सन पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण रास्ते में ही फंस गई। एंबुलेंस के आगे नहीं बढ़ पाने के बाद मरीज को दूसरी गाड़ी से मंडला अस्पताल ले जाना पड़ा। इस

घटना ने निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता निर्माण की धीमी रफ्तार और विभागीय निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि सेदा-मजगांव सड़क का निर्माण कार्य एक साल से अधिक समय से जारी है लेकिन अब तक सड़क का काम पूरा नहीं हो सका है। बारिश के मौसम में निर्माणाधीन सड़क और उस पर बनाए गए डायवर्सन की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। छुई नाला में बना डायवर्सन बारिश के पानी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गया जिससे वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। सेदा-मजगांव मार्ग का निर्माण कार्य लंबे समय से चल रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क निर्माण की धीमी गति के कारण उन्हें रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो गई है। कहीं सड़क पर कीचड़ जमा है तो कहीं गड्ढों के कारण वाहन चालकों को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है।

रील के लिए जान जोखिम में

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)

निवास विकासखंड के प्रसिद्ध घुघरा जलप्रपात से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक घुघरा वाटरफॉल के बेहद खतरनाक मुहाने पर खड़ा नजर आ रहा है। इसी दौरान गीली और फिसलन भरी चट्टान पर अचानक उसका पैर फिसल जाता है और उसकी चप्पल भी नीचे गिर जाती है। पैर फिसलते ही युवक कुछ क्षण के लिए अपना संतुलन खो देता है। गनीमत रही कि उसने किसी तरह खुद को संभाल लिया और बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गया। यदि कुछ सेकंड के लिए भी उसका संतुलन बिगड़ जाता तो वह सैकड़ों फीट नीचे गहरी खाई में गिर सकता था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद अब सोशल मीडिया पर इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। बारिश के मौसम में घुघरा जलप्रपात की चट्टानें बेहद फिसलन भरी हो जाती हैं और यहां पानी का बहाव भी काफी तेज रहता है। इसके बावजूद कई लोग रील फोटो और सोशल मीडिया कंटेंट बनाने के चक्कर में अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

गरिमामय वातावरण में मनाया शिक्षक दिवस

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। सांदीपनि विद्यालय निवास में भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियो शिक्षको जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते तथा विशिष्ट अतिथि विधायक चैन सिंह बरकड़े रहे। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती मंजूलता कुलस्ते सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही। इस अवसर पर आकाश पांडे , राकेश रजक, अशोक बड़गैया, विनोद दुबे, वीरेंद्रधर द्विवेदी, विधायक प्रतिनिधि इलियास खान, संजय जायसवाल, कैलाश साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, प्रभारी प्राचार्य प्रेम किशोर तिवारी, डीके गुप्ता एवं अनुराग जैन, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक नवीन व्यौहार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस की महत्ता को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, भाषण, कविता पाठ एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं।

दो वर्ष से अधिक पुराने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए भटक रहे हितग्राही

लोकसेवा केंद्र से तहसील कार्यालय तक काट रहे चक्कर

प्रक्रिया स्पष्ट न होने से बढ़ी परेशानी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

जन्म एवं मृत्यु के विलंबित पंजीयन को लेकर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कई नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर दो वर्ष से अधिक पुराने जन्म अथवा मृत्यु के मामलों में प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को लेकर हितग्राहियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आवश्यक दस्तावेज जमा करने और निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बावजूद आवेदन निरस्त होने की शिकायतें सामने आने से आवेदक लोकसेवा केंद्र और तहसील कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

हितग्राहियों के अनुसार, दो वर्ष से अधिक पुराने जन्म अथवा मृत्यु के पंजीयन के लिए लोकसेवा केंद्र के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज जमा किए जाते हैं। इसके बाद प्रकरण तहसील कार्यालय की प्रक्रिया में जाता है। कई मामलों में आवेदकों द्वारा मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद भी आवेदन निरस्त कर दिए जाने से उन्हें दोबारा प्रक्रिया शुरू करनी पड़ रही है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत हो रही है।

6 अगस्त को बदला विलंबित पंजीयन का प्रावधान- इसी बीच केंद्र सरकार ने 6 अगस्त 2026 को रजिस्ट्रेशन ऑफ बर्थ एंड डेथ एमण्डमेंट एक्ट 2026 के माध्यम से जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीयन से संबंधित प्रावधानों में बदलाव किया है। संशोधित कानून के अनुसार, जन्म या मृत्यु की सूचना एक वर्ष से अधिक लेकिन दो वर्ष के भीतर दी जाती है तो संबंधित क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट, अनुविभागीय मजिस्ट्रेट अथवा जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत कार्यपालक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद पंजीयन किया जा सकेगा। इसके लिए जन्म अथवा मृत्यु की जानकारी की सत्यता का सत्यापन और निर्धारित शुल्क का भुगतान आवश्यक होगा। वहीं, दो वर्ष से अधिक समय बाद जन्म या मृत्यु की सूचना दिए जाने पर पंजीयन के लिए उस क्षेत्र के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश आवश्यक होगा, जहां जन्म या मृत्यु हुई है। इसमें भी संबंधित जानकारी की सत्यता का सत्यापन तथा निर्धारित शुल्क का भुगतान किया जाना है।

हितग्राहियों ने मांगी स्पष्ट प्रक्रिया- वर्तमान स्थिति में हितग्राहियों का कहना है कि उन्हें यह स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए कि उनके प्रकरण में कौन-सी प्रक्रिया लागू होगी, किस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना है और किस स्तर पर आदेश की आवश्यकता है। जानकारी के अभाव में लोग एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय तक चक्कर लगा रहे हैं। हितग्राहियों ने प्रशासन से मांग की है कि जन्म एवं मृत्यु के विलंबित पंजीयन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश, आवश्यक दस्तावेजों की सूची और संबंधित अधिकारी की जानकारी लोकसेवा केंद्र एवं संबंधित कार्यालयों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाए, ताकि आवेदकों को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

नागरिकों का कहना है- जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। इनके अभाव में शिक्षा, आधार, पेंशन, संपत्ति, उत्तराधिकार सहित कई आवश्यक कार्य प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है।

संपादकीय

चुनाव आयोग चुप क्यों?

एक बार फिर चुनाव आयोग और एसआईआर सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं।

दिल्ली में फरवरी-मार्च 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवत: उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी 'फर्जी' जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है? महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, 'फर्जी' करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है?

एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें मिची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है। कमोबेश सर्वोच्च अदालत तो निर्णायक हस्तक्षेप करे और नागरिकों को इस 'संवैधानिक आघात' से बचाए। यहां पश्चिम बंगाल का उल्लेख करना भी प्रासंगिक है। वहां कुल 91 फीसदी मतदाता सही पाए गए, जिनके नाम काट दिए गए थे, लेकिन विडंबना है कि करीब 7 लाख लोगों ने ही आपत्तियां और अपने दावे दर्ज कराए हैं। शेष 20 लाख कथित मतदाता कौन हैं, वे कहां हैं, आपत्तियां दर्ज क्यों नहीं कराईं? गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग इतना खुदमुख्तार है कि 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दे और यह देश के सामने स्पष्ट न हो कि इतने व्यापक स्तर पर संवैधानिक मताधिकार क्यों छीन लिए गए? बिंदुवार जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। विपक्ष की कई पार्टियां इस मसले पर सवाल उठा रही हैं। लोकतंत्र में बेहतर यही होता है कि विपक्ष की आवाज को भी सुना जाए।

एआई युग में नौकरी मिलने-खोने के यक्ष प्रश्न

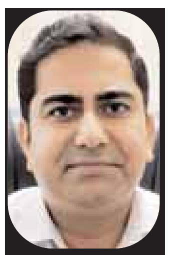

डॉ. शशांक द्विवेदी
परियोजना प्रबंधक
टीएसएससी

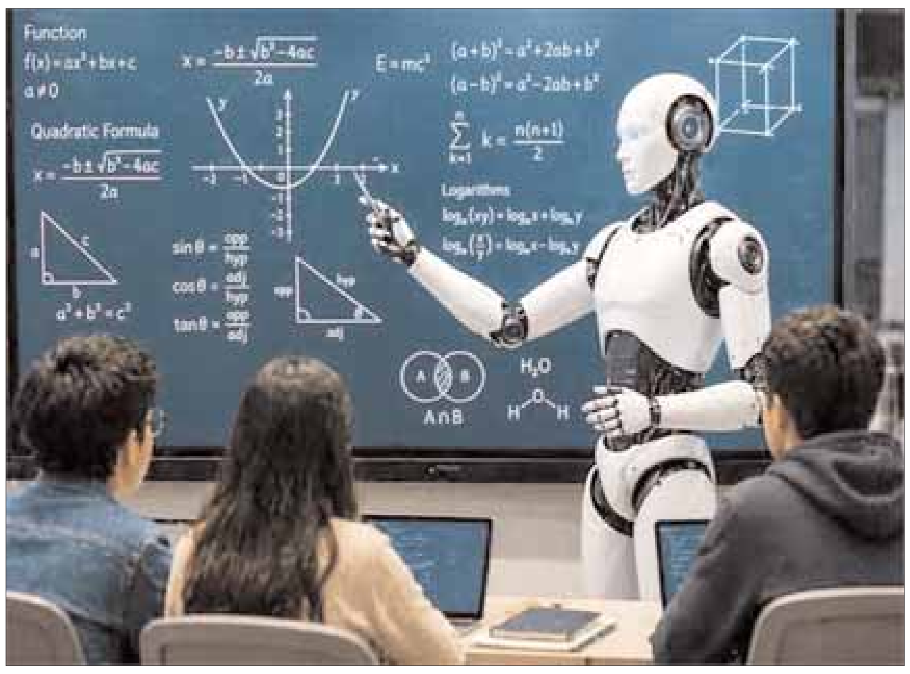

एआई को लेकर में सबसे बड़ा डर यही रहा है कि मशीनें इंसानों की नौकरियां छीन लेंगी। चैटबॉट से लेकर जनरेटिव एआई तक, तकनीक जिस तेजी से विकसित हुई है, उसने इस आशंका को और गहरा किया है। वैश्विक वित्तीय संस्था नोमुरा की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 से अगस्त, 2026 के बीच भारत में एआई से संबंधित करीब 83,100 नौकरियां पैदा हुईं, जबकि एआई से जुड़ी 31,921 नौकरियां छंटनी या कर्मचारियों की कमी के रूप में प्रभावित हुईं। अर्थात, हर एक प्रभावित नौकरी के मुकाबले लगभग 2.6 नई एआई-संबंधित नौकरियां बनीं। मगर यह निष्कर्ष निकालना खतरनाक होगा कि एआई रोजगार की समस्या समाप्त कर रहा है। एआई नई नौकरियां जरूर बना रहा है, लेकिन जरूरी नहीं कि जिन लोगों की पुरानी नौकरियां जा रही हैं, वही लोग नई नौकरियों में प्रवेश कर पा रहे हों। यही भारत के सामने उभरती सबसे बड़ी रोजगार चुनौती है। नोमुरा के अनुसार, भारत में एआई अपनाने से एक 'दो-स्तरीय रोजगार बाजार' उभर रहा है। एक तरफ अनुभवी कर्मचारियों की मांग बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ फ्रेशर्स के लिए अवसर अपेक्षाकृत कम हो रहे हैं। भारतीय आईटी क्षेत्र की 651 कंपनियों पर किए गए आईसीआरआईईआर के सर्वेक्षण में 55 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनकी एंट्री-लेवल भर्ती में कमी आई है। इसके मुकाबले मिड-लेवल भर्ती में कमी बताने वाली कंपनियों का अनुपात 25 प्रतिशत और वरिष्ठ स्तर पर केवल 14 प्रतिशत था।

भारत की आर्थिक ताकत का एक बड़ा आधार हर वर्ष कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलने वाली विशाल युवा आबादी है। यदि कंपनियां पहले की तरह बड़ी संख्या में फ्रेशर्स को नियुक्त नहीं करतीं तो समस्या केवल बेरोजगारी की नहीं होगी, बल्कि 'करिअर की पहली सीढ़ी' के कमजोर पड़ने की होगी। दरअसल, पारंपरिक कॉर्पोरेट व्यवस्था में एक युवा कर्मचारी सामान्य काम से शुरुआत करता था। वह डेटा तैयार करता था, रिपोर्ट बनाता था, बेसिक कोड लिखता था, गुणवत्ता जांच करता था, ग्राहक सेवा संभालता था और धीरे-धीरे अनुभव हासिल करके जिम्मेदार पदों तक पहुंचता था। एआई इन शुरुआती कार्यों का एक बड़ा हिस्सा तेजी से करने लगा है।

नोमुरा ने स्टाफिंग फर्म स्फेनो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारतीय आईटी कंपनियों की नेट हायरिंग वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग छह लाख थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर करीब 1.40 लाख रह गई। कंपनियां बड़े पैमाने पर कैंपस भर्ती करने के बजाय कम, लेकिन कुशल कर्मियों को प्राथमिकता दे रही हैं। यहां एआई को अकेला दोषी मानना भी उचित नहीं होगा। वैश्विक मांग, आईटी उद्योग का पुनर्गठन, लागत नियंत्रण और ऑटोमेशन जैसे कई कारक इस बदलाव के पीछे हैं। लेकिन एआई ने इस परिवर्तन की गति निश्चित रूप से बढ़ा दी है।

लेकिन अगर एआई नई नौकरियां बना रहा है तो वे नौकरियां किसके लिए हैं? एआई मॉडल विकसित करने वाले इंजीनियर, डेटा विशेषज्ञ, मशीन लर्निंग विशेषज्ञ, एआई ट्रेनर, डेटा एनोटेटर, भाषा विशेषज्ञ, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एआई सिस्टम को व्यवसाय से जोड़ने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। नोमुरा के एशियाई अध्ययन में एआई से संबंधित नई नौकरियों का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में केंद्रित था। इसका अर्थ यह है कि भारत के सामने अब केवल 'कितनी नौकरियां?' का सवाल नहीं है। महत्वपूर्ण प्रश्न है-'किस कौशल वाली कितनी नौकरियां?'

आने वाले वर्षों में एआई का असली मुकाबला उन कर्मचारियों के बीच होगा जो एआई का इस्तेमाल करना जानते हैं और उन कर्मचारियों के बीच जो इसे केवल अपने रोजगार के लिए खतरा मानते हैं। एक अकाउंटेंट जो एआई आधारित विश्लेषण, ऑटोमेशन और डेटा टूल का उपयोग कर सकता है, उसकी उपयोगिता उस अकाउंटेंट से अधिक हो सकती है जो केवल पारंपरिक तरीके से काम करता है। इसी तरह एक पत्रकार जो शोध, डेटा विश्लेषण और प्रारंभिक ड्राफ्टिंग के लिए एआई का प्रभावी इस्तेमाल कर सकता है, वह तकनीक से प्रतिस्थापित होने के बजाय तकनीक की उत्पादकता बढ़ाने वाला पेशेवर बन सकता है। इसलिए भारत को 'एआई के साथ रोजगार' की रणनीति बनानी होगी।

नि:संदेह, एआई युग में रोजगार का स्वरूप बदलने जा रहा है। संभव है कि भविष्य में एक कर्मचारी वही काम करे जो आज तीन लोग करते हैं, लेकिन साथ ही ऐसे नए काम भी पैदा हों जिनकी आज कल्पना तक नहीं की गई है। आज देश के पास विशाल युवा आबादी, मजबूत आईटी उद्योग, अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं की क्षमता और दुनिया के लिए डिजिटल सेवाएं देने का अनुभव है। यदि इन ताकतों को एआई कौशल के साथ जोड़ा जाए तो भारत एआई-आधारित रोजगार का वैश्विक केंद्र बन सकता है।

कायम है प्याज का जलवा और रौब

आलोक पुराणिक

ये हेडलाइंस शाश्वत हैं, एक नियमित अंतराल के बाद फिर-फिर आती रहती हैं। प्याज फिर महंगा हुआ, कब शादी करेंगे सलमान खान, पाकिस्तान पर फिर आर्मी का कब्जा।

देश में प्याज फिर महंगा हो गया है। रसोई की सबसे मामूली सब्जी गाहे-बगाहे सबसे बड़ी हेडलाइन बन जाती है, और सरकारें बदल जाती हैं, पर प्याज का रौब कभी कम नहीं होता। प्याज की खासियत यह है कि इसके भाव बढ़ने पर आंसू सिर्फ काटने से नहीं, बाजार से भी आते हैं। हर बार जब प्याज सौ के पार जाता है, अर्थशास्त्री मंडी की सप्लाई-चेन समझाते हैं, नेता किसानों को कोसते हैं, किसान मौसम को कोसते हैं, और गृहिणी सबको कोसती है। यानी प्याज वह इकलौती चीज है जिसकी महंगाई पर पूरा देश एकमत हो जाता है।

उधर, पाक में इमरान खान का हाल किसी सस्पेंस थ्रिलर से कम नहीं। कभी जेल तो कभी अस्पताल से खबर आती है। आम आदमी हकीकत नहीं समझता है। हर हफ्ते नई कहानी, कभी तबीयत बिगड़ने की, कभी मुलाकात न होने देने की। मगर सच सबसे आखिर में पहुंचता है, अफवाहें पहले पहुंच जाती हैं। इमरान खान का जेल-अस्पताल के बीच का यह सफर पाकिस्तानी राजनीति का वह स्थायी भाव बन चुका है। जिसमें नेता कभी सत्ता की कुर्सी पर, कभी जेल की कोठरी में दिखता है।

इधर अमेरिका में ट्रंप साहब का ईरान को लेकर पुराना फ्रस्ट्रेशन एक बार फिर उभर आया है। ईरान अमेरिका की हर धमकी को पहले सुनता है, फिर मुस्कुराकर अपनी राह पर चलता रहता है। ट्रंप को शायद यही सबसे ज्यादा नागवार गुजरता है। अमेरिका जैसी महाशक्ति के लिए ईरान जैसा किरदार पचाना मुश्किल होता है, जो न धमकी से डरता है, न तारीफ से पिघलता है।

तीनों कहानियों में एक अजीब समानता है-प्याज अपनी मर्जी से महंगा होता है, इमरान अपनी मर्जी से चल रहे हैं पाक सेना की नहीं सुन रहे, और ईरान अपनी मर्जी से अमेरिका को नज़रअंदाज़ करता है। यानी दुनिया में जो चीज सबसे कम बची है, वह है नियंत्रण-न सरकारों का प्याज पर, न पाकिस्तानी संस्थाओं का अपने पूर्व प्रधानमंत्री पर, न अमेरिका का ईरान की ज़िद पर। हर बड़ी ताकत यही सीखने से बचती है कि दुनिया रिमोट कंट्रोल से नहीं चलती, बस कंट्रोल का भ्रम बेचा जा सकता है, और भ्रम बेचने का काम फिलहाल दुनिया भर में जोरों पर है। मगर तीनों मामलों में चैनलों की भूमिका लगभग एक जैसी है। प्याज का भाव बढ़े तो चैनल मंडी पहुंच जाते हैं, इमरान की तबीयत बिगड़े तो अस्पताल के गेट पर कैमरे लगते हैं, ट्रंप गुस्सा दिखाएं तो हर हेडलाइन में 'तनाव चरम पर' लिख दिया जाता है। असल खबर कम, नाटकीयता ज्यादा बिकती है।

चंदे का लोकतंत्र: जेब आपकी, पुण्य हमारा

देव प्रकाश चौधरी

इन दिनों चंदा बहुत चर्चा में है। चंदा वैसे बड़ा सुंदर शब्द है। एक चंदा आसमान में होता है और दूसरा जमीन पर। आसमान वाला चंदा में चांदनी की ठंडक है और जमीन वाले चंदे में पैसे की गर्मी। आसमान वाला चंदा किसी से कुछ मांगता नहीं। वह चुपचाप निकलता है, अपनी रोशनी करता है और चला जाता है। कवि उसे देखकर कविता लिखते हैं और बच्चे उसे देखकर दूध-भात खाते हैं। लेकिन जमीन वाला चंदा बड़ा कर्मठ है। वह मौसम-बेमौसम आ पहुंचता है। कभी पर्ची लेकर, कभी रसीद लेकर, कभी मुस्कान लेकर और कभी ऐसी आत्मीयता लेकर कि आदमी अपनी जेब टटोलने से पहले अपना अपराधबोध टटोलने लगता है। चंदा मांगने वाला आदमी दरअसल आदमी नहीं रहता, संस्था हो जाता है। उसके हाथ में रसीद आते ही उसकी आवाज में संविधान का अधिकार और चेहरे पर पंचायत का आत्मविश्वास आ जाता है। वह आपको इस तरह देखता है, जैसे आपके पास पैसा नहीं, समाज का कोई अधूरा कर्तव्य रखा हुआ हो। हर शहर, हर कस्बे, यहां तक कि हर गांव में कुछ चंदा वीर लोग पाए जाते हैं। यह आपके इलाके की आबादी पर निर्भर करता है कि वहां कितने चंदा वीर होंगे। हालांकि चंदा मांगना एक कला है। गुणीजन कहते हैं कि चंदा मांगने की कला में सबसे जरूरी है कि आप मांगते हुए ऐसे दिखें, जैसे सामने वाला दे नहीं रहा, बल्कि आपको देने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा है और आप कह रहे हैं, आपका सहयोग इस पुण्य कार्य को नई ऊंचाई देगा। चंदा पर जब भी चर्चा होती है, मुझे अपने गांव मोतिया के महान चंदा वीर गुजरी गुरु याद आते हैं। चंदा मांगने की कला के पुरोधा। अपनी सक्रिय जिंदगी के सात दशक में शायद ही कोई ऐसा काम हो, जिसके लिए उन्होंने चंदा न जुटाया हो। कुछ दिन पहले जब चारो तरफ चंदे का शोर कुछ ज्यादा ही था, तब मैंने फोन पर उनसे पूछा था कि एक अच्छा चंदा मांगने वाले में क्या-क्या गुण होने चाहिए? गुजरी गुरु सवाल सुनकर खुश हो गए और आजकल टीवी की खबरों में जैसे एक जुमला दूसरे जुमले पर चढ़ बैठता है, ठीक उसी तरह वे शुरू हो गए। गुजरी गुरु बोले- हर आदमी चंदा नहीं ले सकता। सबसे महत्वपूर्ण है, रकम बताने की कला। इतनी कम बताओ कि सामने वाला खुद कहे कि और कुछ रख लीजिए। यही असली सफलता है। पहुंचे हुए चंदा कर्ता कभी रकम नहीं बताते। वे सामने वाले की सामाजिक प्रतिष्ठा को धीरे-से याद दिलाते हैं, जैसे कि आप जैसे लोगों के सहयोग से ही तो यह काम चलता है। इस तरह के वाक्य सुनते ही आदमी अपनी जेब नहीं, अपना कद देखने लगता है और कद के हिसाब से चंदा निकाल देता है। असली कलाकार वही है, जो दो हजार मांगकर पांच हजार की रसीद कटवा दे और जाते-जाते दाता को यह विश्वास भी दिला दे कि उसने सिर्फ पांच हजार नहीं दिए, समाज की इज्जत बचाई है। सामने वाला समझ जाता है कि आयोजन ऐतिहासिक होने वाला है और इतिहास में उसका पैसा भी दर्ज होने वाला है। चंदे में सबसे बड़ी बात यह है कि यह कभी अपने को चंदा नहीं कहता। वह सहयोग है, योगदान है, समर्पण है, सहभागिता है, जनभागीदारी है। पैसा वही है, लेकिन उसके नाम बदलते रहते हैं। लेकिन गुजरी गुरु हिदायत भी देते हैं कि चंदे की अपनी नैतिकता होती है, जिससे चंदा लो, उससे कहो कि यह आपके ही कार्यक्रम के लिए है। यह हमारे देश की सबसे सफल आर्थिक व्यवस्था है। इसमें कोई असफल नहीं होता। इसका एक बड़ा फॉर्मूला भी है- कोई बात नहीं, जितना बन पड़े। यह 'जितना बन पड़े' भी बड़ा रहस्यमयी वाक्य है। इसमें पांच रुपये से लेकर पांच लाख तक की संभावनाएं छिपी रहती हैं। एक समय था, चंदा लेने वाले रसीद बुक लेकर आते थे। अब उनके पास मोबाइल है और वे कहते हैं, क्यूआर कोड स्कैन कर लीजिए।

डिजिटल श्रद्धा का दौर

श्रद्धा अब डिजिटल हो गई है। रसीद की जगह अब मैसेज आता है, आपका ट्रांजेक्शन सफल रहा। चंदा देने वाले को पहली बार मालूम पड़ता है कि वह भी सफल हो गया है। चंदे की एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि इसने सामाजिक संबंधों को भी मजबूत किया है। आपके मोहल्ले में जो आदमी पिछले एक साल से आपको नमस्ते नहीं करता था, वह चंदे के मौसम में आपके घर का रास्ता खोज लेता है, पहचाना नहीं? आप पहचान जाते हैं, अरे, आप! वह मुस्कुराता है। आप भी मुस्कुराते हैं। फिर वह अपने मोबाइल में क्यूआर कोड निकालता है। आपकी श्रद्धा स्कैन हो जाती है। आपकी मुस्कान थोड़ी कम हो जाती है। उसकी मुस्कान थोड़ी बढ़ जाती है। यहीं से समाज चलता है। चंदा विश्वास पर चलता है और जहां विश्वास होता है, वहां हिसाब अपने आप छोटा हो जाता है। चंदा हमारे समाज की उन संस्थाओं में है, जिनकी उपयोगिता पर कोई सवाल नहीं उठाता, क्योंकि सवाल उठाने वाले से अगली बार चंदा मांगा जा सकता है। वैसे चंदा लेने वालों की भी अपनी राजनीति होती है। किसके घर पहले जाना है, किसके यहां कितनी रकम मांगी जा सकती है, किससे पुराना हिसाब है और किससे भविष्य में काम पड़ सकता है, चंदे की सफलता के लिए इन सबका हिसाब अधिक महत्वपूर्ण होता है।

नए चंदा जीवियों को सीख

चंदे का एक और लाभ है। इससे स्थानीय नेतृत्व की पहचान होती है। जिसने सबसे अधिक चंदा दिया, उसे मंच पर आगे की कुर्सी मिलती है। जिसने उससे थोड़ा कम दिया, उसे पीछे की कुर्सी। जिसने कुछ नहीं दिया, वह कार्यक्रम में भीड़ के साथ खड़ा रहता है। इस व्यवस्था को लोकतंत्र कहा जा सकता है, इसलिए चंदा केवल किसी आयोजन का आर्थिक साधन नहीं, सामाजिक जीवन का एक महत्वपूर्ण बहाना भी है। चंदा देने वाले और लेने वाले के बीच एक मौन समझौता रहता है। देने वाला जानता है कि उसकी रकम पूरी तरह उसी काम में नहीं जाएगी, जिसके नाम पर ली गई है। लेने वाला जानता है कि देने वाला यह जानता है। फिर भी दोनों इस ज्ञान को सार्वजनिक नहीं करते। गुजरी गुरु नए चंदा जीवियों को एक सीख भी देते हैं, आकस्मिक व्यय के लिए एक अलग खाता बनाकर हमेशा जगह-जगह इस बात को दोहराना होता है कि पाई-पाई का हिसाब रखा जा रहा है। बस हिसाब देखने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। और जिसने इस हिसाब को साध लिया, वह चंदा कला का सफल कलाकार है। जिस दिन आप किसी कंजूस से चंदा लेकर लौट आएं और वह आपको धन्यवाद दे, समझिए आपने चंदा मांगना सीख लिया है और जिस दिन वही कंजूस अगली बार आपको दूर से देखकर रास्ता बदल ले, समझिए कि आप इस कला में निपुण हो चुके हैं।

कागजों की जांच-पड़ताल से बड़ा है मताधिकार

विवेक शर्मा

मतदाता सूची को सही रखना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। मृत लोगों के नाम हटने चाहिए। जो लोग कहीं और चले गए हैं, उनका रिकॉर्ड ठीक होना चाहिए। एक व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज है तो उसे भी सुधारा जाना चाहिए। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सही और भरोसेमंद बनाना है। लेकिन इस काम के बीच आम मतदाता इतना न उलझ जाए कि उसे अपने ही मताधिकार को लेकर चिंता होने लगे।

हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली में एसआईआर को लेकर गहमागहमी है। सभी जगह इसकी प्रक्रिया एक साथ नहीं चल रही। पुराने मतदाता रिकॉर्ड का इस्तेमाल सत्यापन के लिए किया जा रहा है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 2002 की मतदाता सूची महत्वपूर्ण है, जबकि पंजाब में 2003 की सूची को आधार बनाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में यह प्रक्रिया बाद के चरण में होगी।

मुश्किल यह है कि 2002 या 2003 आज से करीब ढाई दशक पुरानी बात है। उस समय की हर जानकारी हर परिवार के पास सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं। इतने वर्षों में लोग घर और शहर बदल चुके हैं। कई परिवार दूसरे राज्यों में जाकर बस गए हैं। पुराने सरकारी रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी, उम्र या पते में अंतर भी हो सकता है। ऐसे में पुराने और मौजूदा रिकॉर्ड का पूरी तरह मेल न खाना अपने आप में किसी मतदाता को गलत साबित नहीं करता।

दिल्ली में करीब 33 लाख मतदाताओं के रिकॉर्ड में विसंगतियां सामने आई हैं। इनमें करीब 14 लाख मतदाताओं का विवरण 2002 की एसआईआर सूची से नहीं जुड़ पाया, जबकि करीब 19 लाख मामलों में अन्य विसंगतियां मिली हैं। इनमें मौजूदा और पुराने रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी अलग होने जैसे मामले भी शामिल हैं। इन मतदाताओं को अपनी पात्रता स्पष्ट करने का अवसर दिया जाएगा।

पंजाब के पूर्व राजनयिक नवदीप सूरी का मामला इस परेशानी को समझने का एक उदाहरण है। वर्ष 2003 में वह भारत में नहीं थे, बल्कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में तैनात थे। पंजाब में एसआईआर के दौरान उनका मौजूदा विवरण 2003 के पुराने मतदाता रिकॉर्ड से नहीं मिल पाया। उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने का नोटिस मिला। हालांकि उनका नाम मतदाता सूची से हटाया नहीं गया था। बाद में यह मामला सुलझ गया। फिर भी सवाल महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति उस समय देश में ही नहीं था, उससे उस समय की मतदाता सूची में अपने नाम का मिलान कैसे कराया जाए? प्रक्रिया में ऐसी परिस्थितियों के लिए स्पष्ट और आसान रास्ता होना चाहिए।

यह परेशानी केवल किसी पूर्व राजनयिक की नहीं है। देश में लाखों लोग नौकरी, कारोबार या दूसरे कारणों से वर्षों तक एक जगह से दूसरी जगह जाते रहे हैं। कई परिवारों ने पुराने घर छोड़ दिए। कई लोग दूसरे राज्यों में बस गए। ऐसे में करीब 24 साल पुराने रिकॉर्ड को आज की पहचान से जोड़ना हमेशा आसान नहीं हो सकता।

सरकारी रिकॉर्ड में भी गलतियां हो सकती हैं। नाम की वर्तनी बदल सकती है। पते में अंतर हो सकता है। इसलिए जहां नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपनी जानकारी सही दे और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत करे, वहीं सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी भी है कि वह अपने पास मौजूद रिकॉर्ड से तथ्यों की पुष्टि करे।

एसआईआर का विरोध करना समाधान नहीं है। साफ और सही मतदाता सूची हर चुनाव की पहली जरूरत है। लेकिन सही सूची बनाने का अर्थ यह भी है कि कोई पात्र मतदाता केवल इसलिए बाहर न रह जाए क्योंकि 2002 या 2003 के रिकॉर्ड में उसका नाम नहीं मिला या उसकी जानकारी में मामूली अंतर था। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अपना नाम मतदाता सूची में जांचना चाहिए। कोई गलती या कमी हो तो तय समय में दावा या आपत्ति दर्ज करनी चाहिए। लेकिन प्रशासन को भी यह प्रक्रिया इतनी सरल रखनी होगी कि आम आदमी उसे आसानी से समझ सके और पूरा कर सके। पुराने रिकॉर्ड की जानकारी न होने को केवल नागरिक की गलती मान लेना उचित नहीं होगा।

मतदाता सूची में एक गलत नाम रह जाना समस्या है, लेकिन एक सही मतदाता का नाम गलती से बाहर हो जाना उससे बड़ी समस्या है। इसलिए एसआईआर में दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। जांच कड़ी हो, लेकिन तरीका मानवीय हो। दस्तावेज मांगे जाएं, लेकिन उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड की भी मदद ली जाए। लोकतंत्र में मतदाता किसी फाइल का एक नंबर नहीं है। वह उस व्यवस्था का केंद्र है। उसके वोट से सरकार बनती है और उसकी भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होता है। इसलिए मतदाता सूची को साफ करने की कोशिश में यह ध्यान रखना होगा कि कागजों की कमी या पुराने रिकॉर्ड की विसंगति के बीच असली मतदाता कहीं पीछे न छूट जाए।

एसआईआर की असली सफलता केवल नामों की छंटाई में नहीं, बल्कि इस भरोसे में होगी कि सही मतदाता का नाम सुरक्षित है। पुराने कागज जांच का आधार हो सकते हैं, लेकिन नागरिक का मताधिकार उनसे बड़ा है।

गरबा-डांडिया में मुस्लिमों की एंट्री बैन

विश्व हिंदू परिषद ने जारी की नई गाइडलाइंस

मुंबई। विश्व हिंदू परिषद ने महाराष्ट्र में अगले महीने होने वाले नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा और डांडिया आयोजनों में मुस्लिमों के शामिल होने पर रोक लगाने का ऐलान किया है। साथ ही विहिप ने आयोजकों के लिए कुछ गाइडलाइन भी तय की हैं, जिनके जरिए कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों की हिंदू पहचान की जांच करने को कहा गया है। विहिप की ओर से तय किए गए कई उपायों में कार्यक्रम में आने वाले लोगों के आधार कार्ड की जांच करना और उनके माथे पर तिलक लगाना भी शामिल है। नवरात्रि उत्सव 11 अक्टूबर से शुरू होगा।

विहिप के इस निर्देश को लेकर विपक्ष ने इसे असंवैधानिक बताया है और सवाल उठाया है कि क्या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने विहिप के इस निर्देश को मंजूरी दी है। विहिप के प्रवक्ता और संयुक्त सचिव श्रीराज नायर ने कहा कि नवरात्रि देवी की पूजा का पर्व है। उन्होंने सवाल किया, मूर्ति पूजा के खिलाफ रहने वाले मुस्लिम इस त्योहार में क्यों शामिल हों?

संजय राउत ने साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने विहिप की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विहिप को न्यूयॉर्क में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के हालिया भाषण को सुनना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में मुसलमानों से नफरत करने वाले हिंदू सच्चे हिंदू नहीं हो सकते। राउत ने सवाल किया कि क्या विहिप भागवत की इन टिप्पणियों से सहमत नहीं है। कांग्रेस ने भी इस रोक को असंवैधानिक बताया। विधायक अमीन पटेल ने कहा कि त्योहार सामुदायिक सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अक्सर सद्भावना के तौर पर डांडिया और नवरात्रि कार्यक्रमों में बुलाया जाता है। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से भी ईद और रमजान के मौके पर दूसरे समुदायों के सदस्यों को बुलाया जाता है।

एनसीपी (एसपी) भी आक्रामक

एनसीपी (एसपी) के प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने कहा कि विहिप का यह निर्देश शांति और सद्भाव को प्रभावित करेगा। उन्होंने सवाल किया कि राज्य में बीजेपी सरकार इस पर क्या करेगी। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार चुप रहेगी और विहिप को राज्य में कानून-व्यवस्था चलाने देगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों को यह साबित किया जाना चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने धर्म के त्योहार मनाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कई संगठन मुस्लिमों को भी आमंत्रित करते हैं। उनके मुताबिक, त्योहार लोगों को जोड़ते हैं, बांटते नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कोई किसी को नहीं बुलाना चाहता तो न बुलाए, कोई जबरदस्ती वहां नहीं जाता। लोग तभी जाते हैं जब उन्हें प्यार से बुलाया जाता है।

अमेरिका युद्ध में उलझा रहा, उधर चीन ने किया ऐसा खेल

होर्मुज का काम होगा तमाम

बीजिंग

पश्चिम एशिया में महीनों से जंग चलने के कारण पैदा हुआ एनर्जी क्राइसिस खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ईरान जंग की वजह से होर्मुज स्ट्रेट से एलपीजी और तेल से लदे टैंकर्स का आना-जाना सुचारू नहीं हो पा रहा है। जब लगने लगता है कि स्थिति सामान्य होगी, तभी ईरान और अमेरिका फिर से एक-दूसरे पर अटैक करने लगते हैं। होर्मुज में एक बार फिर से ऐसी ही स्थिति पैदा हो गई है। वॉशिंगटन और तेहरान की तरफ से एक-दूसरे के जहाजों पर अटैक करने के दावे किए जा रहे हैं। अमेरिका जहां युद्ध में उलझा हुआ है, वहीं चीन ने बड़ा खेल कर दिया है। चीन धीरे-धीरे लैंड रूट के जरिये ईरान और पश्चिम एशिया के करीब पहुंच रहा है। बीजिंग फिलहाल किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान तक रेलवे कॉरिडोर बना रहा है। चीन ने किर्गिस्तान सेक्शन में पहली सुरंग बनाने का काम पूरा कर लिया है। जानकारी के अनुसार, चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेलवे प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य ने एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। किर्गिस्तान सेक्शन में नंबर-2 नॉर्थ कोश्तोबे सुरंग को सफलतापूर्वक आर-पार कर दिया गया है। चीन-किर्गिस्तान-उज्बेकिस्तान रेलवे कंपनी के मुताबिक, यह किर्गिस्तान खंड में पूरी होने वाली पहली सुरंग है। इसके साथ ही प्रोजेक्ट के कई अन्य महत्वपूर्ण हिस्सों में भी निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार, नॉर्थ कोश्तोबे नंबर-2 सुरंग की लंबाई 209।6 मीटर है और इसकी अधिकतम गहराई 41 मीटर तक है। इसे सिंगल-ट्रैक रेलवे सुरंग के तौर पर डिजाइन किया गया है। निर्माण टीम ने सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए इसका निर्माण पूरा किया।

27 सुरंगों, 43 पुलों पर काम शुरू - मीडिया रिपोर्ट को मानें तो इस परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। रेलवे मार्ग को इस तरह तैयार किया गया है कि साइमैल्यु-ताश नेशनल पार्क और अन्य पर्यावरण रूप से संवेदनशील क्षेत्रों से बचा जा सके। वन्यजीवों की आवाजाही और स्थानीय पशुपालकों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए मार्ग में कलवर्ट भी बनाए जा रहे हैं। किर्गिस्तान खंड में निर्माण के लिए जरूरी प्रमुख अस्थायी सड़कें और बिजली सुविधाएं तैयार कर चालू की जा चुकी हैं। रेलवे के निर्माण के तहत अब तक 27 सुरंगों, 43 पुलों और 88 रोडबेड सेक्शन पर काम शुरू हो चुका है। इनमें एक सुरंग पूरी हो चुकी है। इसके अलावा 20 स्टेशनों के लिए नींव का काम भी चल रहा है।

तुर्कमेनिस्तान के बाद ईरान-दिलचस्प बात है कि किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के बाद ईरान है, ऐसे में चीन भविष्य में तुर्कमेनिस्तान के रास्ते ईरान तक अपनी पहुंच बना सकता है। यदि चीन का यह प्रोजेक्ट सफल होता है तो चीन को ईरान समेत पश्चिम एशिया के अन्य देशों से तेल और गैस लाने के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज या फिर बाब अल-मंदेब का जरूरत नहीं होगी। ईरान जंग और समुद्री लुटेरों की वजह से ये दोनों एनर्जी कॉरिडोर बेहद संवेदनशील हो चुके हैं।

चीन की रणनीति-अफ्रीका से मिली सीख के बाद चीन सेंट्रल एशिया में लोकल सेंटिमेंट का खास ख्याल रख रहा है, ताकि स्थानीय स्तर पर उसके प्रोजेक्ट के खिलाफ असंतोष न हो। इसलिए परियोजना में स्थानीय स्तर पर खरीदारी पर भी जोर दिया जा रहा है। अब तक 10 अरब सोम मूल्य की सामग्री और उपकरण स्थानीय स्तर से खरीदे गए हैं। परियोजना के लिए पूरा ईंधन किर्गिस्तान से खरीदा जा रहा है, जबकि सीमेंट समेत प्रमुख निर्माण सामग्री का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा स्थानीय स्रोतों से लिया जा रहा है।

40 डॉलर पर आ जाएंगी तेल की कीमतें: बेसेंट

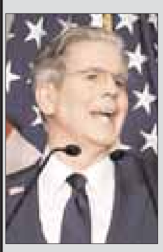

वाशिंगटन। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट का मानना है कि ईरान के साथ जंग समाप्त होने के बाद तेल की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। ये कीमत गिरक 40 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती हैं। उनका यह भी मानना है कि इस गिरावट से महंगाई का दबाव कम हो सकता है और हाल ही में हुई बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में भी भारी गिरावट आ सकती है। बेसेंट ने कहा कि ईरान संघर्ष के समाधान के बाद तेल बाजार में काफी अधिक आपूर्ति हो सकती है। हम इस ईरान संघर्ष के दूसरे पक्ष में पहुंच जाएंगे और मुझे उमी है कि तेल की कीमतों में गिरावट आएगी। उन्होंने आगे कहाकि उत्पादन में बढ़ोतरी से कच्चे तेल की कीमतें 50 डॉलर या यहां तक कि 40 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। हालांकि उन्होंने यह भी नहीं बताया कि जंग कब खत्म हो सकती है। यह बयान ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव का असर ऊर्जा बाजारों पर लगातार पड़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य हमलों के बाद हाल के हफ्तों में तेल की कीमतों में तेजी आई है। इस बढ़ोतरी ने महंगाई को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है, क्योंकि ऊर्जा की बढ़ती लागत कंज्यूमर कीमतों को प्रभावित कर सकती है। महंगाई की बढ़ती उम्मीदों ने सरकारी बॉन्ड यील्ड में भी बढ़ोतरी की है। बेसेंट ने कहा कि तेल की कीमतों, महंगाई और ब्याज दरों के बीच संबंध अब स्पष्ट हो चुका है। ईरान के साथ जंग खत्म होते ही तेल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी और महंगाई कम होगी। हालांकि, तेल की कीमतों में गिरावट कब होगी ये स्पष्ट नहीं है।

दुनिया के वो 64 देश, जहां सिकुड़ रहा आबादी का नक्शा!

नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र और आवर वर्ल्ड इन डेट के आधिकारिक आंकड़े हैरान कर देने वाली तस्वीर पेश कर रहे हैं। दुनिया के 64 देश और क्षेत्र अपनी आबादी के उच्चतम स्तर यानी पीक पॉपुलेशन को पार कर चुके हैं। इसका मतलब है कि इन देशों की जनसंख्या अपने चरम पर पहुंचकर अब नीचे की ओर ढलने लगी है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस 64 देशों की फेहरिस्त में केवल छोटे या युद्धग्रस्त देश शामिल नहीं हैं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर अर्थव्यवस्थाएं खड़ी हैं। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश चीन अपने पीक को पार कर चुका है और वहां की जनसंख्या अब हर साल घट रही है। दक्षिण कोरिया में फर्टिलिटी रेट दुनिया में सबसे कम यानी लगभग 0.72 रह गई है, जिससे अनुमान है कि इस सदी के अंत तक वहां की आबादी आधी से भी कम रह जाएगी। जापान और थाईलैंड जैसे एशियाई देश भी इसी ढलान पर तेजी से नीचे जा रहे हैं। अगर महादेशों के लेवल से देखा जाए तो पूर्वी और पूर्वी-दक्षिण एशिया में चीन, हांगकांग, ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड इस लेवल पर आ चुके हैं। यूरोप में इटली, जर्मनी, स्पेन, पोलैंड, यूक्रेन, रूस, ऑस्ट्रिया हैं। कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में क्यूबा, प्यूर्टो रिको, जमैका, उरुग्वे, डोमिनिका, मार्टिनिक, गुआदेलूप, कुराकाओ, मोंटसेराट, सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट मार्टिन, सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडींस, यूएस वर्जिन आइलैंड्स और फॉकलैंड आइलैंड्स जैसे इलाके हैं। यूरोप और जापान तो इस दौर में एक दशक से भी पहले दाखिल हो चुके थे। जापान में अब हर साल बच्चों के खिलौनों और डायपर के मुकाबले बुजुर्गों के डायपर ज्यादा बिकते हैं। हजारों स्कूल बच्चे न होने के कारण हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। वहीं पोलैंड, रोमानिया और बुल्गारिया जैसे पूर्वी यूरोपीय देशों में कम जन्मदर के साथ-साथ युवाओं का दूसरे देशों में पलायन आबादी घटने का बड़ा कारण बना है। और हैरान करने वाली बात ये है कि यह गिरावट किसी महामारी, युद्ध या कुदरती आफत की वजह से नहीं आई है, बल्कि इंसानी समाज के रहन-सहन और सोच में आए बुनियादी बदलावों का नतीजा है।

बाकी दुनिया के लिए क्या मैसेज है - 64 देशों का यह सिकुड़ता नक्शा उन सभी देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी है, जहां अभी आबादी बढ़ रही है। यूएन के ताजा प्रोजेक्शंस बताते हैं कि-2050 का दशक आते-आते ब्राजील, मैक्सिको और अर्जेंटीना जैसे दक्षिण अमेरिकी देश अपनी आबादी के पीक को छू लेंगे। 2060 का दशक आते आते भारत का नंबर भी आ जाएगा। आज दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश भारत 2060 के दशक में अपने उच्चतम स्तर यानी लगभग 170 करोड़ तक पहुंचेगा। इसके बाद भारत में भी आबादी घटने का दौर शुरू हो जाएगा। 2084 में वैश्विक पीक दिखेगा। यानी दुनिया की आबादी साल 2084 के आसपास लगभग 10.3 अरब पर अपना उच्चतम स्तर छुएगी। तब मानव इतिहास में पहली बार पूरी दुनिया की कुल जनसंख्या का ग्राफ हमेशा के लिए नीचे गिरना शुरू होगा।

अचानक टूट गया बांध, 25 गांव डूबे

पटना। छपरा में मही नदी पर स्थित घोरहू कोठिया बांध पानी के दबाव के कारण अचानक टूट गया. बांध टूटते ही नदी का पानी तेजी से आसपास के इलाकों में फैलने लगा. खेतों और निचले इलाकों में पानी पहुंचने के बाद करीब 25 गांव बाढ़ के पानी से डूब गए. अचानक पानी फैलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. बेगूसराय में एक तरफ जहां लगातार गंगा के जलस्तर में वृद्धि के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं तो वहीं स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह भी स्वयं पूरे हालात की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से रूबरू होकर उनके निवारण का उपाय कर रहे हैं. इसी कड़ी में आज केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बलिया पहुंचे थे. जहां उन्होंने बाढ़ पीड़ित लोगों से मुलाकात की।

राजनीतिक दलों ने हाइजैक किया जेन-जी आंदोलन

लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने रविवार को जेन-जी युवाओं और बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर चल रहे आंदोलनों पर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल ऐसे आंदोलनों को हाइजैक कर रहे हैं, जिससे युवाओं और छात्रों के बीच गंभीर संदेह पैदा हुआ है। मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश में ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे लोगों को यह मानने की वजह मिली है कि युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों के ज्वलंत मुद्दों से जुड़ा सीजेपी का जेन-जी आंदोलन अब स्वतंत्र रहने के बजाय धीरे-धीरे राजनीतिक हो गया है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान जिन युवाओं और छात्रों को बड़े सपने दिखाए गए थे, वे अब गंभीर संदेह का सामना कर रहे हैं, क्योंकि विभिन्न राजनीतिक दलों ने कथित तौर पर ऐसे आंदोलनों को अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि, मायावती ने कहा कि बसपा हमेशा जेन-जी और जेन-अल्फा की जायज मांगों के प्रति सहानुभूति रखती रही है और उनकी चिंताओं को लेकर गंभीर रही है। उन्होंने कहा कि सभी बसपा राज्य इकाइयों को अपने-अपने राज्यों और क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मिलने और युवाओं की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में मदद के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। मायावती ने साथ ही कहा कि बसपा कार्यकर्ताओं को पार्टी अनुशासन के अनुसार धरने, प्रदर्शन या आंदोलन में शामिल नहीं होना चाहिए। इसके बजाय उन्हें चुनावों के लिए अपनी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक ताकत और ऊर्जा बचाकर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्सक का उद्देश्य सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर आधारित सरकार बनाना और जेन-जी और जेन-अल्फा समेत समाज के सभी वर्गों की समस्याओं का स्थायी समाधान देना है। बसपा प्रमुख ने दावा किया कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश में चार बार सत्ता में रहते हुए इसे साबित किया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'बाप पर मत जाना'

मनोज तिवारी की बेटी को सलमान खान ने दी वॉर्निंग

इंतजार की घड़ियां खत्म हुईं। 6 सितंबर को टेलीविजन पर बिग बॉस के नए सीजन का आगाज हो गया है। फैन्स सलमान खान के शो को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। चर्चा थी कि शो में मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी शो में हिस्सा लेने वाली हैं। अब शो के प्रोमो से ये कंफर्म हो गया है। प्रोमो में मनोज तिवारी अपने बेटी को सपोर्ट करने शो पर पहुंचे, जहां सलमान खान ने उनकी जमकर खिंचाई की। बिग बॉस 20 के प्रोमो ने फैन्स का ध्यान खींचा है। वीडियो में मनोज तिवारी अपना फेमस रिंकिया के पापा गाना स्टेज पर एंट्री लेते हैं। शो के होस्ट सलमान खान हंसकर उनका वेलकम करते हैं। सलमान उनसे कहते हैं कि ऐसा तो नहीं कि हमने ताथस्तु बोला और आपने सोचा कि बिग बॉस में 2-2 बार आ सकते हैं। मनोज तिवारी कहते हैं कि अपनी बेटी को आज बिग बॉस के दरवाजे छोड़ने आया हूं। मनोज तिवारी की बेटी रीति सिंगिंग करते हुए स्टेज पर आती हैं। सलमान उनसे कहते हैं कि घर में अंडे को लेकर कभी फाइट मत करना। बाप पर मत जाना। ये सुनकर मनोज तिवारी शरमा जाते हैं। बता दें कि मनोज तिवारी बिग बॉस के चौथे सीजन में कंटेस्टेंट बनकर आए थे। इस सीजन में डॉली बिंद्रा भी थीं। दोनों के बीच अंडे को लेकर लड़ाई हुई थी। मनोज तिवारी और डॉली बिंद्रा की ये फाइट शो के आइकॉनिक किस्सों में गिनी जाती है। चौथे सीजन की विनर श्वेता तिवारी थीं। रीति तिवारी, मनोज तिवारी और उनकी पहली पत्नी रानी तिवारी (प्रतीमा पांडे) की बेटी हैं। 23 जून 2001 को जन्मी रीति इस समय 25 साल की हैं और उन्होंने फिल्मी दुनिया से परे अपनी अलग पहचान बनाई है। रीति 'रीति स्पोर्ट्स' की डायरेक्टर हैं और साथ ही जूनी कंपनी नाम की जूलरी फर्म की को-फाउंडर भी हैं। वह एक सिंगर, सॉन्गराइटर, कंपोजर और प्रोड्यूसर भी हैं। मनोज तिवारी ने बेटी रीति के लिए अपना पूरा सपोर्ट जताया है। हालांकि, उनकी पहली पत्नी रानी तिवारी से उनका रिश्ता टूट चुका है, लेकिन बेटी के लिए वे आज भी खड़े हैं। रीति तिवारी का शो में आना टीआरपी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। सलमान खान की वॉर्निंग के बाद अब देखना दिलचस्प होगा कि रीति शो में कैसे खेलती हैं और क्या वे अपने दम पर दर्शकों का दिल जीत पाती हैं।

निरहुआ के मंथरा वाले कमेंट पर भड़की रानी चटर्जी

राम मत बनो शकुनि

रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' भले ही खत्म हो रहा हो, लेकिन इसके मंच से शुरू हुआ विवाद अब सोशल मीडिया पर बुरी तरह भड़क चुका है। ग्रैंड फिनाले एपिसोड के दौरान दिनेश लाल यादव निरहुआ और रानी चटर्जी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। निरहुआ ने शो में रानी चटर्जी को मंथरा कह दिया था, जिसके बाद रानी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने एक वीडियो शेयर कर निरहुआ को करारा जवाब दिया है। ग्रैंड फिनाले एपिसोड में जब रानी चटर्जी नजर नहीं आईं, तो निरहुआ ने स्टैंडअप कॉमेडी करते हुए मजाकिया अंदाज में काजल राघवानी से कह दिया कि असली मंथरा तो रानी जी ही हैं जो लड़ाई लगवाकर गायब हो गईं।

इससे भड़की रानी ने अपनी कार से एक वीडियो जारी कर निरहुआ पर सीधा तंज कसा। रानी ने कहा कि अगर दिनेश जी खुद को राम समझते हैं और उनके साथ बैठी हीरोइनें सीता स्वरूप हैं, तो फिर वो खुशी से मंथरा बनने को तैयार हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शो के अंदर सब एक दूसरे को गालियां देते हैं और बाहर आकर सोफिस्टिकेटेड बनने का नाटक करते हैं। रानी ने निरहुआ को शकुनी मामा कहते हुए लिखा कि यहां सब सती सावित्री बनने का नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिनेश जी से इस तरह के बचकाने कमेंट की बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी।

कोई मुझे गाली नहीं देगा

जब अमिताभ बच्चन ने फिल्म के लिए रखी शर्त

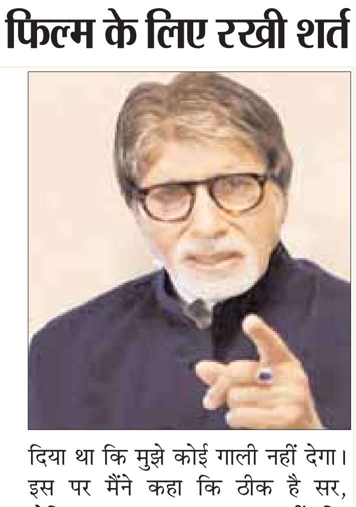

साल 2002 में एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'कांटे' रिलीज हुई थी। इस मूवी में अमिताभ बच्चन, संजय दत्त, सुनील शेट्टी और महेश मांजरेकर जैसे सितारे अहम किरदारों में थे। अब डायरेक्टर संजय गुप्ता ने अपनी इस फिल्म को लेकर मजेदार किस्सा बताया है। संजय गुप्ता ने खुलासा किया कि ओरिजिनल स्क्रिप्ट में गाली-गलौज लिखी गई थी, लेकिन अमिताभ बच्चन ने साफ कर दिया था कि उनका किरदार ऐसी भाषा नहीं बोलेगा और न ही कोई उन्हें अपशब्द कहेगा। डायरेक्टर संजय गुप्ता ने बताया कि उन्होंने बिग बी की इस शर्त को तुरंत मान लिया था लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि इससे बाकी किरदारों के आपस में गाली देने पर उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। निर्देशक ने यह भी बताया कि सेंसर बोर्ड की प्रक्रिया के दौरान बाद में कुछ आपत्तिजनक शब्दों और डायलॉग्स में बदलाव भी किए गए थे। संजय गुप्ता ने बताया, 'स्क्रिप्ट में गालियां लिखी जरूर गई थीं, लेकिन हमने उनका इस्तेमाल नहीं किया। अमित जी ने साफ कह दिया था कि मुझे कोई गाली नहीं देगा। इस पर मैंने कहा कि ठीक है सर, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि बाकी किरदार आपस में एक-दूसरे को गालियां नहीं देंगे।' आगे चलकर सेंसर बोर्ड की स्क्रीनिंग के वक्त भी हमने उन हिस्सों में कुछ फेरबदल किए थे। संजय गुप्ता के मुताबिक, अमिताभ बच्चन ने उनसे कहा था, 'संजय, मैं ऑनस्क्रीन गाली-गलौज नहीं करूंगा। यह एक ऐसी चीज है जो मैंने अपने पूरे करियर में कभी नहीं की, इसलिए मैं अब भी ऐसा नहीं करने वाला हूं।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 07 सितंबर 2026

शिक्षक दिवस पर गुरु-शिष्य परंपरा की जीवंत झलक

सांदीपनि, उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर और शासकीय हाईस्कूल नयाखेड़ा में शिक्षकों का सम्मान, विद्यार्थियों ने जताया कृतज्ञता भाव

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत

महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षक दिवस श्रद्धा, सम्मान और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर तथा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा-गरगटा में विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों का अभिनंदन कर गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को जीवंत किया।

सांदीपनि विद्यालय में भावपूर्ण आयोजनसांदीपनि विद्यालय में कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। छात्राओं ने शिक्षकों का रोली-तिलक एवं पुष्पों से अभिनंदन किया। सहयोग मल्टी स्टेट क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर श्री नीतेश त्रिपाठी, श्री ओपी साहू, श्री अनिल विश्वकर्मा एवं सहयोगियों ने भी शिक्षकों का पुष्पमाला, तिलक, पेन एवं पुष्प भेंट कर सम्मान किया। विद्यार्थियों में आद्या सोनी, जान्हवी सोनी, दिशा मेहरा, रिहान अली एवं सैयदा अक्सा ने शिक्षक दिवस और गुरु की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षकों की ओर से श्री उदय राज पांडे एवं श्री मनोज वैष्णव ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। मंच संचालन श्री ठाकुर महेंद्र सिंह लोधी ने तथा आभार प्रदर्शन श्री अभिनव लखेरा ने किया।

उत्कृष्ट विद्यालय में वैदिक परंपरा के अनुरुप अतिथि सम्मान

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन तथा प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव एवं डॉ. अशोक कुमार उदेनिया के नेतृत्व में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री जीडी गढ़ेवाल, डॉ. बीएस शर्मा, सेवानिवृत्त उच्च श्रेणी शिक्षक श्री योगेश शर्मा, श्री लखनलाल श्रीवास्तव एवं श्री बीएन पांडे ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना के बाद अतिथियों का वैदिक परंपरा के अनुरूप सम्मान किया गया। अतिथियों ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थी को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक एवं संस्कारदाता भी होता है। प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन, संस्कार और निरंतर परिश्रम के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। मंच संचालन डॉ. अशोक कुमार उदेनिया ने किया।

नयाखेड़ा में शिक्षकों को स्मृति भेंट, विद्यार्थियों को बांटी टॉफियां

एकीकृत शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा-गरगटा में प्राचार्य श्रीमती विनीता पांडे एवं शाला परिवार की उपस्थिति में शिक्षक दिवस मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। प्राचार्य श्रीमती पांडे ने सभी शिक्षकों को स्मृति भेंट एवं श्रीफल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को टॉफियों का वितरण भी किया गया। तीनों विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों ने यह संदेश दिया कि गुरु का सम्मान केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कार, संस्कृति और जीवन मूल्यों की महत्वपूर्ण परंपरा है। विद्यार्थियों द्वारा गुरुजनों के प्रति व्यक्त श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता ने शिक्षक दिवस के आयोजनों को भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी बना दिया।

नगरीय निकायों में स्वच्छता अभियान जारी, मच्छररोधी दवा का किया छिड़काव

पार्क, बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों की हो रही सफाई

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से जिले की नगरीय निकायों में निरंतर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नगरीय क्षेत्रों में पार्क, बाजार, गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर कचरे एवं गंदगी को हटाया जा रहा है। नगर परिषद चीचली द्वारा नगरीय क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर पार्क एवं बाजार क्षेत्र में साफ-सफाई की गई तथा एकत्रित कचरे का व्यवस्थित निष्पादन किया गया। साथ ही मच्छरों की रोकथाम एवं जनस्वास्थ्य की दृष्टि से विभिन्न स्थानों पर मच्छररोधी दवा का छिड़काव भी किया गया। नगर पालिका नरसिंहपुर द्वारा भी नगर के विभिन्न वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सफाई कार्य किया जा रहा है। वार्डों की गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों से एकत्रित कचरे को व्यवस्थित रूप से हटाकर उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले की अन्य नगरीय निकायों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान संचालित कर सार्वजनिक स्थलों की सफाई, कचरे का उचित निष्पादन तथा मच्छर नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों से भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की ।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बम्होरी में हुआ पौधरोपण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सुदर्शन जन कल्याण समिति ग्राम बम्होरी के तत्वाधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आम, जामुन, नींबू, कटहल, अनार एवं आँवला सहित विभिन्न फलदार एवं उपयोगी पौधों का रोपण किया गया। पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता श्री अंकित पटेल, नवांकुर संस्था के उपाध्यक्ष श्री नन्हा जी लोधी सहित नवांकुर संस्था एवं ग्रामीण विकास प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधियों तथा स्थानीय ग्रामीणों और आमजनों ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत काशी तीर्थ यात्रा के लिए 196 सीटें आवंटित

आवेदन की अंतिम तिथि 18 सितम्बर 2026

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 29 सितम्बर से 4 अक्टूबर 2026 तक काशी (वाराणसी) तीर्थ यात्रा प्रस्तावित है। यात्रा मार्ग सीहोर, नर्मदापुरम, जबलपुर, काशी (वाराणसी), गया, जबलपुर, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम एवं सीहोर निर्धारित किया गया है। इस यात्रा के लिए जिले को कुल 196 सीटें आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत शासन द्वारा आयोजित की जाने वाली सभी तीर्थ यात्राओं के लिए आवेदन-पत्रों का पंजीयन ई-गवर्नेंस द्वारा निर्मित पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। काशी (वाराणसी) तीर्थ यात्रा के लिए पात्र इच्छुक नागरिकों के आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 18 सितम्बर 2026 निर्धारित की गई है। योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में लाउडस्पीकर के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित कार्यालयों में फ्लेक्स बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें तीर्थदर्शन योजना के आवेदन प्राप्त करने वाले अधिकारी/कर्मचारी का नाम एवं मोबाइल नम्बर प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि इच्छुक पात्र नागरिकों को आवेदन करने में सुविधा हो। जिले में निर्धारित सीटों के विरुद्ध अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आवेदन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले के लिए आवंटित सीटों की पूर्ति नहीं होने की स्थिति में संबंधित अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। जिला प्रशासन ने पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत काशी (वाराणसी) तीर्थ यात्रा के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत कर योजना का लाभ उठाएं। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि पात्र हितग्राहियों से तीर्थ यात्रा के लिए अपना आवेदन नगर पालिका परिषद नरसिंहपुर के कार्यालय के योजना शाखा में 16 सितम्बर की शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं और यहीं से योजना के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

104 मरीजों का हुआ निशुल्क उपचार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 85 वें कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 104 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी। मेडीकल कैम्प में डाक्टर स्वाती कुरचानिया, डाक्टर अरूण दोहरे उपस्थित थे।

तहसीलदार ने किया गिरदावरी कार्य का निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा गिरदावरी कार्य का सतत निरीक्षण कर इसकी गुणवत्ता और प्रगति सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में तहसील साईंखेड़ा के तहसीलदार श्री इमरान मंसूरी ने ग्राम गुजरझिरिया, पटवारी हल्का क्रमांक 41 में पहुंचकर गिरदावरी कार्य का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर फसलों का भौतिक सत्यापन करते हुए ऑनलाइन गिरदावरी की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया।

हल्का पटवारी श्री सौरभ कौरव स्वयं मौके पर पहुंचकर गिरदावरी कार्य संपादित कर रहे हैं। तहसीलदार श्री मंसूरी ने गिरदावरी कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अमले को कार्य पूरी गंभीरता, सावधानी और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा गिरदावरी कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि फसलों एवं कृषि संबंधी आंकड़ों का वास्तविक और सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जा सके।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद ने शिक्षक सम्मान दिवस मनाया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन जिला अध्यक्ष श्रीमती विवेक पांडे, संरक्षक सरला पांडे, जिला उपाध्यक्ष अरुणा दुबे एवं पूर्णिमा शुक्ला , जिला सचिव ज्योति तिवारी एवं नगर अध्यक्ष सुनंदा भट्ट के मार्गदर्शन में किया गया। अतिथियों एवं शिक्षकों का पारंपरिक रूप से पट्का पहना कर स्वागत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थी के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माता होता है। सरस्वती वंदना सुषमा तिवारी द्वारा एवं कार्यक्रम का संचालन नंदिता चौबे, सपना शर्मा एवं प्रियंका गोस्वामी ने किया।समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उर्मिला भाटली , मंजू लता पांडे, रजनी त्रिपाठी , शैलजा चौबे, आराधना दुबे, संचिता दुबे, प्रीति तिवारी, शक्ति दुबे , सोमजया मिश्रा, सुषमा शर्मा, सीमा दुबे, नितिशा शर्मा, मीनाक्षी पुरोहित , सुभावना पांडे, मीना शर्मा , अल्पना पाठक , मनीषा पुरोहित एवं योगिता चौबे को सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें शील्ड एवं पेन सेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों से उनके जीवन में उनके शिक्षक की सीख और प्रेरणा के संस्मरण सुने। परिषद की पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है।

रोटरी क्लब ने किया शिक्षकों का सम्मान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। शनिवार को रोटरी क्लब ऑफ़ गाडरवारा द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्माननीय गुरुजनों का सम्मान स्थानीय शासकीय कन्या उ मा विद्यालय में किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त बीईओ प्रतापनारायण, मुमताज़ खान, सुशील शर्मा, यू एस सोनी सहित सम्पूर्ण कन्या शाला स्टॉफ के अलावा उपस्थित शिक्षकों का तिलक, आरती, पुष्प वर्षा के साथ शॉल, मिष्ठान्न एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं रोटरी क्लब के सदस्यों द्वारा माँ सरस्वती एवं पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र का पूजन कर किया गया। इस दौरान शिक्षक राजेश गुप्ता एवं छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण का कार्य करते है।

शिक्षक दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

शिक्षक दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत ज्ञान दर्शन स्कूल लिंगा (पिपरिया) में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद करेली के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश के महान शिक्षाविद् एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पौधारोपण के माध्यम से शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं संस्कारों के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कहा गया कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, मातृभूमि के प्रति कर्तव्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

मनीष तिवारी को मिला राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। सांदीपनि विद्यालय साईंखेड़ा के माध्यमिक शिक्षक मनीष तिवारी को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान वर्ष 2026 से अलंकृत किया गया है। राज्यपाल पुरस्कार समारोह में सम्मान प्राप्त करने के बाद नगर आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया।सम्मान प्राप्त कर वापस लौटने के दौरान सांदीपनि विद्यालय साईंखेड़ा में रात्रि आठ बजे एक सादे समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा के कुशल निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में भानु प्रताप राजपूत, अखिलेश मेहरा, भैयाराम अहिरवार, सरदार सिंह राजपूत और रूप सिंह कुशवाहा सहित विद्यालय परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने शिक्षक मनीष तिवारी को इस सर्वोच्च सम्मान की प्राप्ति पर बधाई दी।

शिक्षक दिवस पर 65 शिक्षकों का सम्मान, हिंडालको महान ने बढ़ाया शिक्षकों का मान

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव : हिंडालको महान के अधिकारी

सिंगरौली। शिक्षक दिवस के अवसर पर हिंडालको महान की ओर से संदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल, बरगवां में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बरगवां क्षेत्र के 65 शिक्षकों को श्रीफल, अंगवस्त्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में शिक्षकों के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी बताया गया।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में हिंडालको महान के स्मेल्टर हेड एस. शशि कुमार, वित्त प्रमुख रोहित मतेती एवं सी.एस.आर. प्रमुख संजय सिंह उपस्थित रहे।समारोह को संबोधित करते हुए एस. शशि कुमार ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को विषय का ज्ञान देने तक सीमित नहीं होते, बल्कि उनके चरित्र, सोच और भविष्य का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक नहीं रहता, बल्कि उसके माध्यम से पूरे समाज पर पड़ता है।वित्त प्रमुख रोहित मतेती ने कहा कि व्यक्ति जीवन में चाहे कितनी भी ऊंचाई हासिल कर ले, उसकी सफलता के पीछे किसी न किसी शिक्षक की सीख और मार्गदर्शन जरूर होता है। शिक्षक किताबों के ज्ञान के साथ-साथ जीवन में सही निर्णय लेने और आगे बढ़ने की समझ भी देते हैं।

सी.एस.आर. प्रमुख संजय सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की मजबूत नींव है और शिक्षक इस नींव को मजबूती देने वाले प्रमुख स्तंभ हैं। शिक्षकों का सम्मान महज औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के निर्माण में उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

शिक्षक दिवस पर महिला शक्ति ने संवारा 'हरित आंगन', 151 पौधों से हरियाली का संकल्प

हिंडालको महान की महिला इंजीनियरों एवं महिला स्टाफ ने की पहल, शीर्ष प्रबंधन ने भी लगाए पौधे

सिंगरौली। शिक्षक दिवस पर हिंडालको महान में गुरुजनों के प्रति सम्मान को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी से जोड़ते हुए एक अनूठी पहल की गई। 5 सितंबर को हिंडालको महान की आवासीय कॉलोनी में स्थित रिक्त परिसर को 'हरित आंगन' के रूप में विकसित करने की दिशा में कंपनी में कार्यरत महिला इंजीनियरों एवं महिला स्टाफ ने 151 पौधों का पौधरोपण किया। इस पहल में कंपनी के शीर्ष प्रबंधन ने भी महिला कर्मियों के साथ पौधे लगाकर उनका उत्साह बढ़ाया। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित इस पहल का संदेश स्पष्ट था कि शिक्षक जिस तरह ज्ञान और संस्कारों से आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवारते हैं, उसी तरह आज लगाए गए पौधे आने वाले वर्षों में स्वच्छ हवा, छाया और हरियाली देकर जीवन को संवारेंगे। इसी सोच के साथ कॉलोनी के एक खाली पड़े परिसर को हरित एवं सुंदर क्षेत्र में विकसित करने की शुरुआत की गई।

इस आयोजन में महिला कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। पहल में प्रियंका शर्मा, रीना चौहान, पुष्पा कुमारी, रीना श्रीवास्तव, सपना, प्रांशी मिश्रा, सौम्या सिंह, निधि द्विवेदी, अंकिता, साधना भट्ट, भार्गवी बोप्पा, नैना, निधि कुमारी, विधि इंगले, श्वेता सिंह, जेनी जाल्क्सो, अर्चना कुमारी, आशा राव, कोपल श्रीवास्तव, प्रियंका अग्रवाल, वैष्णवी पाण्डेय, मोहना भट्टाचार्जी, निलांजना डे, दीक्षा चचौड़िया, स्नेहा, कशिश गुप्ता, शालिनी सिंह एवं सौम्या श्रीवास्तव ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में हिंडालको महान के इकाई प्रमुख लिनु पंचमन, स्मेल्टर हेड एस. शशि कुमार, पावर प्लांट हेड प्रांजल पाठक, वित्त प्रमुख रोहित मतेती सहित आदर्श, गौरव वर्मा, निर्दोष कुमार, रंधीर वत्स, प्रणव सोनी, संजय सिंह, प्रतीक बाजपेयी, राम जतन गुप्ता, सुनील चौबे, दीपक तिवारी, अम्ब्रीश त्रिपाठी, अनिल सिंह, सूर्यकांत नायक, पी. के. बोष ,दीपक सोनी, अभिषेक उर्मलिया एवं नीरज गुप्ता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। शीर्ष प्रबंधन ने महिला कर्मियों के साथ पौधरोपण कर महिला नेतृत्व और पर्यावरण संरक्षण की इस पहल को अपना समर्थन दिया। इस दौरान यह संदेश भी सामने आया कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने इस पहल को विशेष स्वरूप दिया। कार्यक्रम सीटीएस विभाग की पहल पर आयोजित किया गया। आयोजन को स्वरूप देने और इसे सफल बनाने में सतेंद्र पाठक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हिंडालको महान की आवासीय कॉलोनी में शुरू हुई यह पहल एक खाली परिसर को 'हरित आंगन' में बदलने की दिशा में पहला कदम है। शिक्षक दिवस पर लगाए गए 151 पौधे आने वाले समय में इस परिसर को हरियाली से भरने के साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक कार्य संस्कृति का संदेश भी देंगे।

बिना रॉयल्टी खनिज परिवहन पर निरस्त हो जाएगा पंजीयन

अगस्त तक 47.80 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त,अवैध परिवहन के 97 मामलों में 73.28 लाख का अर्थदंड वसूला

कटनी, स्वतंत्र मत।

जिले में खनिज राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने को लेकर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने खनिज विभाग की राजस्व प्राप्ति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन को देय राजस्व की वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। बकायादार खदान संचालकों से निर्धारित समय-सीमा में राशि जमा कराने के साथ ही जरूरत पड़ने पर भू-राजस्व संहिता के तहत आरआरसी जारी कर प्रभावी वसूली की जाए।

कलेक्टर श्री तिवारी ने वित्तीय वर्ष में शत-प्रतिशत राजस्व वसूली के लिए विभाग द्वारा तैयार कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन खदान संचालकों द्वारा अनुमत्य मात्रा के अनुरूप खनिज उत्पादन एवं प्रेषण नहीं किया जा रहा है अथवा देय रॉयल्टी जमा नहीं की जा रही है, उनके क्षेत्रों का मौके पर भौतिक सत्यापन कराया जाए और राजस्व जमा नहीं करने के वास्तविक कारणों की पड़ताल की जाए।

बकायादार खदान संचालकों पर होगी सख्ती

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विगत वर्षों की असंचालित खदानों और बकाया डेड रेंट वाले खदान धारकों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा में बकाया राशि जमा नहीं करने वालों के विरुद्ध आरआरसी जारी कर वसूली की कार्रवाई की जाए। साथ ही स्वीकृत खदानों का अनुमोदित मात्रा के अनुरूप शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खनिज के अवैध परिवहन को लेकर भी कलेक्टर श्री तिवारी ने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना वैध रॉयल्टी के खनिज परिवहन पाए जाने पर संबंधित प्रकरणों में खनिज पंजीयन निरस्त करने के साथ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागीय अमले को नियमित निगरानी और प्रभावी जांच के निर्देश देते हुए कहा कि अवैध खनन एवं परिवहन के माध्यम से शासन को होने वाली राजस्व क्षति को हर हाल में रोका जाए।

119 मुख्य और 77 गौण खदानें संचालित

बैठक में बताया गया कि जिले में वर्तमान में मुख्य खनिज की 119 तथा गौण खनिज की 77 खदानें संचालित हैं। इन खदानों से चालू वित्तीय वर्ष में अगस्त माह के अंत तक 47 करोड़ 80 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त किया जा चुका है। कलेक्टर ने राजस्व वसूली में और तेजी लाते हुए वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अवैध खनन-परिवहन पर कार्रवाई

खनिज विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया गया कि अगस्त माह तक अवैध खनिज उत्खनन के 4 प्रकरणों में 7 लाख 89 हजार रुपए अर्थदंड वसूल किया गया है। वहीं अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध 97 प्रकरण दर्ज कर 73 लाख 28 हजार 223 रुपए का अर्थदंड वसूला गया है। इस प्रकार अवैध उत्खनन और परिवहन के मामलों में अब तक 81 लाख 17 हजार 223 रुपए का अर्थदंड वसूल किया जा चुका है। कलेक्टर श्री तिवारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खनिज संपदा के अवैध दोहन पर प्रभावी नियंत्रण के साथ शासन के राजस्व की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में लापरवाही करने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वाले खदान संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

छह गांवों में अवैध मदिरा के ठिकानों पर एक साथ दबिश

5 प्रकरण दर्ज, अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध जारी रहेगा अभियान

कटनी। जनसुनवाई में मिली अवैध मदिरा विक्रय की शिकायत पर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वृत्त कटनी क्रमांक-03 एवं स्लीमनाबाद क्षेत्र में अवैध शराब के ठिकानों पर व्यापक दबिश दी। अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई में 17 हजार रुपए से अधिक मूल्य की देशी मदिरा एवं बीयर जब्त की गई, जबकि आबकारी अधिनियम के तहत 5 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय और परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत की जांच के लिए आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी श्री मंशा राम उइके के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

आबकारी अमले ने भानपुरा नंबर-1, हरदुआ, भटिया मोहल्ला बिछुआ, लालपुर, बिचपुरा और शाहपुर में अवैध मदिरा विक्रय के संदिग्ध ठिकानों पर विधिवत तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान 197 पाव देशी मदिरा, प्रत्येक 180 एमएल तथा 13 बोतल बीयर, प्रत्येक 650 एमएल बरामद की गई। जब्त मदिरा को विधिवत कब्जे में लेकर संबंधित मामलों में वैधानिक कार्रवाई शुरू की गई।

5 मामलों में आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई

अवैध मदिरा विक्रय के मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) के तहत कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। विभाग द्वारा मामलों में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

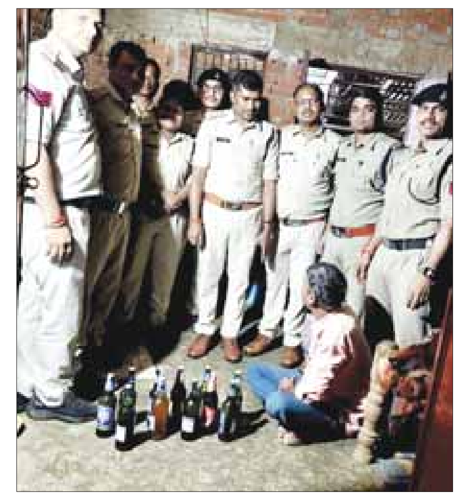

शिकायत पर संज्ञान, मौके पर पहुंचा अमला

जनसुनवाई में आम नागरिकों द्वारा दी जाने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर श्री तिवारी द्वारा अधिकारियों को दिए गए हैं। इसी का परिणाम है कि अवैध मदिरा विक्रय की शिकायत सामने आते ही आबकारी अमले ने संबंधित क्षेत्रों में पहुंचकर जांच की और कार्रवाई की।

जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों की सूचना मिलने पर जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री सूर्यभान कोरी एवं श्री प्रवीण रतन वरकड़े, आबकारी उपनिरीक्षक श्री अतुल कुटार एवं श्रीमती सीमा देवी कोल सहित आबकारी विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जेपीवी डीएवी विद्यालय के छात्रों ने मनाया हर्षोल्लास पूर्ण शिक्षक दिवस

कटनी, स्वतंत्र मत।

जमुना प्रसाद विश्वकर्मा डी ए वी विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस बहुत धूमधाम के साथ मनाया गया । यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य श्री एस के सिन्हा जी की अध्यक्षता में पूर्ण हुआ सर्वप्रथम सुसज्जित प्रांगण में हेड ब्वॉय धीर कलवानी एवं हैड गर्ल अर्पिता पुरूषवानी द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को विधिवत मंत्र उच्चारण करते हुए पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया । तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा देश के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान दूरदर्शी शिक्षाविद डॉक्टर एस. राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्पांजलि समर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।तत्पश्चात कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं की छात्राओं द्वारा गणेश वंदना की मनमोहक प्रस्तुति की गई । इसी अवसर पर शिक्षकों को मनोरंजन करवाने हेतु कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक शिक्षिकाओं को आकर्षक खेल खिलाए गए । ग्यारहवीं की छात्राओं द्वारा सुंदर आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी गई । इसी अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा सुंदर एवं मनोरंजक कविताएं, मधुर गीत, हास्यास्पद चुटकुले एवं आकर्षक चित्र कला प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मान प्रदान करते हुए प्राचार्य महोदय द्वारा उन्हें उपहार भेंट किए गए । विद्यार्थियों ने अपने मनमोहक कार्यक्रमों के द्वारा शिक्षकों को भाव विभोर कर दिया इस अवसर पर शिक्षकों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए प्राचार्य ने शिक्षक को जौहरी बताते हुए विद्यार्थियों को किसी भी स्थिति में हार ना मानने एवं अपने हुनर को निखारते रहने का प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

अंत में छात्र परिषद के प्रमुख छात्र एवं छात्रा द्वारा समस्त शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया स्वल्पाहार के बाद कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

गुरु और शिष्यों के आदर का पर्व शिक्षक दिवस- डॉ.सी.राजेश कुमार

सायना महाविद्यालय में शिक्षक दिवस का हुआ आयोजन

कटनी, स्वतंत्र मत।

सायना इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, कटनी में शिक्षक दिवस के अवसर पर गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत के महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने शिक्षक-शिष्य संबंधों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने वाला मार्गदर्शक होता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरा वातावरण भावपूर्ण एवं आनंदमय हो गया। महाविद्यालय परिवार द्वारा सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं एवं सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही सभी सभी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और बहुत ही शानदार मनोरंजक खेल व गतिविधियों को आयोजित किया गया जिसमें सभी ने हिस्सा लिया। इसके पश्चात उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी.राजेश कुमार ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं जीवन में सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि एक अच्छे शिक्षक का प्रभाव विद्यार्थी के पूरे जीवन पर दिखाई देता है। इसी अवसर पर श्री शरद यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें तथा तकनीक और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ मानवीय मूल्यों को भी शिक्षा का हिस्सा बनाएं।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अपने शिक्षकों का सम्मान करने और उनके मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जब विधाता ही रूठा हुआ हो तो आसरा क्या करें आदमी से

कटनी, स्वतंत्र मत।

लोक संचेतना फाउण्डेशन भारत की कटनी ईकाई के तत्वावधान में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस जिसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन दुबे कॉलोनी स्थित सोमनाथ मंदिर के समीप डॉ प्रद्युम्न मिश्र के निवास पर देवनारायण श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ गज़लकार चंद्रकिशोर श्रीवास्तव चंदन के मुख्य आतिथ्य तथा वरिष्ठ गीतकार विष्णु बाजपेयी के विशिष्ट आतिथ्य एवं अनिल मिश्र के संयोजन एवं संचालन में संपन्न हुआ । गोष्ठी का आगाज़ करते हुए युवा कवि अखिलेश दुबे ने कहा - मन बेचारा हार गया माँ कहती कविता लिख या शायर बन ।

डॉ प्रद्युम्न मिश्र ने कहा - आज शिक्षक दिवस है पावन दिन शिष्यों ने दायित्व विचारा है, जिनके प्रयास से रोशन पथ गुरुओं को नमन हमारा है । हास्य कवि शरद जायसवाल ने कहा - उनकी हर बात में हौ, अस्सी नब्बे पूरे सौ । वरिष्ठ गीतकार विष्णु बाजपेयी ने कहा - दूरी ये भी आकर्षण है , ये तन मन तुमको अर्पण है । अनिल मिश्र ने कहा - आलिंगन में तेरे आकर सांसों को मधुमास मिला , बंद कपाटों पर अधरों के अनुरागी आभास मिला । वरिष्ठ गज़लकार चंद्रकिशोर श्रीवास्तव चंदन ने कहा - जब विधाता ही रूठा हुआ हो , तो आसरा क्या करें आदमी से । इस आयोजन में विलास श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही । आभार डॉ प्रद्युम्न मिश्र ने व्यक्त किया ।

साथी पत्रकारों की आंखें नम, आशुतोष शुक्ला को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कटनी, स्वतंत्र मत।

जिले के वरिष्ठ पत्रकार, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं ड्ड्स.ाक्ष-.ाक्क्ष.ष्ट्वरू के संपादक स्वर्गीय आशुतोष शुक्ला के आकस्मिक निधन से पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर शहर के पत्रकारों ने एसबीआई तिराहा स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बोले पत्रकार- हर साथी के सुख-दुख में खड़े रहते थे, तकनीकी परेशानी हो या कोई और समस्या, मदद के लिए हमेशा रहते थे तैयार

शोकसभा में पत्रकारों ने स्वर्गीय आशुतोष शुक्ला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उनके साथ बिताए आत्मीय पलों को याद करते हुए कई पत्रकार भावुक हो गए। साथियों ने कहा कि आशुतोष शुक्ला केवल एक वरिष्ठ पत्रकार ही नहीं, बल्कि पत्रकारों के लिए हर समय उपलब्ध रहने वाले मददगार साथी थे।

पत्रकारों ने कहा कि किसी साथी को तकनीकी समस्या आती या पत्रकारिता से जुड़ी किसी अन्य परेशानी का सामना करना पड़ता, तो आशुतोष बिना किसी औपचारिकता के मदद के लिए आगे आ जाते थे। वे हमेशा साथियों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। उनके सहज, मिलनसार और सहयोगी व्यक्तित्व ने उन्हें पत्रकारों के बीच खास पहचान दिलाई।

वक्ताओं ने कहा कि आशुतोष शुक्ला का असमय निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। एक सक्रिय और सहयोगी साथी का यूं अचानक चले जाना सभी के लिए बेहद पीड़ादायक है।

शोकसभा के अंत में सभी पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ पत्रकार संतोष दुबे,अजय शर्मा, अमर ताम्रकार, शैलेश पाठक, विवेक शुक्ला, गिरीश श्रीवास्तव,अनिल तिवारी, वंदना तिवारी, प्रेम सिंह, शिव प्रताप सिंह, संजय अग्रवाल, मुकेश तिवारी, मुरली प्रथयानी, भवानी तिवारी, शकील खान,जाहिद हुसैन, असलम खान,जीतेन्द्र कोस्टा, रवि गुप्ता, प्रवीण पारासर, नवनीत गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, अमित यादव, अनंत चतुर्वेदी, सचिन मिश्रा,सुभाष गर्ग, कृष्ण कुमार ठाकुर,अंकुश रजक, तपन निषाद, रोहित सेन, राकेश तिवारी,विजय उपाध्ययाय, हेमंत सिंह ,अनुज आनंद, बबलू भाईजान सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी झूला महोत्सव मनाया

कटनी, स्वतंत्र मत।

सर्वशक्ति महिला सेवा समिति (वुमन्स पावर ग्रुप) कटनी के द्वारा कृष्णा दद्धा धाम वृद्ध आश्रम में समिति के द्वारा रक्षाबंधन त्योहार एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी झूला महोत्सव मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम कटनी की महारानी मां जालपा कालका शारदा का दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसमें कार्यक्रम की होस्ट श्रीमती प्रिया अग्रवाल जी, रेनू गोस्वामी जी, संगीता गुप्ता जी एवं लक्ष्मी जयसवाल जी के द्वारा माता रानी का दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद सर्वशक्ति समिति की सभी महिलाओं के द्वारा बाल गोपाल जी का झूला महोत्सव एवं महा आरती की गई।

इसके बाद वृद्ध आश्रम में जितने भी वृद्धि उन सभी को राखी बांधकर रुमाल मिठाई और गिफ्ट स्वरूप उन्हें टॉवल वितरण किए गए। इसके साथ ही सर्वशक्ति समिति की नई मेंबरों का स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया। इसके बाद बुजुर्गों के साथ उनका जन्मदिन समारोह में मनाया गया साथ में उनके द्वारा भजन भी गए गए। अंत में भगवान का भोग के बाद कार्यक्रम को समापन किया गया।

इस सभी कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष श्रीमती माही तिवारी, कोषाध्यक्ष श्रुति चौदहा, सूचना प्रभारी सोनाली गुप्ता, निहारिका शर्मा, आराधना वैष्णव,भव्या जसूजा,संतोषी बडगैया ,श्रद्धा पांडे, मनीषा पुरवार, सुरभि पांडे, रानू अग्रवाल , गीता पाठक, रूपाली शर्मा, दीपशिखा सेन, नीलम केसरवानी, जूली केसरवानी, अनायका तिवारी ,,आदि सदस्यों की उपस्थिति रही।

सात्विक-चिराग ने जीता चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

चीनी जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से हराया, टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी का पहला खिताब

शेनझेन। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू को एक घंटे 10 मिनट चले मैच में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह टाइटल वर्ल्ड नंबर-5 भारतीय जोड़ी के लिए बड़ी जीत है। दोनों 19 सितंबर से जापान में होने वाले एशियन गेम्स में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगे। भारतीय जोड़ी पहले गेम की शुरुआत में रैलियों पर नियंत्रण नहीं बना सकी। टिंग और रेन ने तेज और आक्रामक शॉट्स के दम पर 5-0 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी चीनी के डिफेंस को तोड़ने की कोशिश करते रहे। चीन ने इंटरवल तक छह अंकों की बढ़त बना ली। चिराग की सर्विस गलती से चीन की बढ़त 17-9 हो गई। इसके बाद चिराग का एक और शॉट बाहर चला गया और चीनी जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी की वापसी

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने डिफेंस को बेहतर किया। सात्विक ने फ्लिक सर्विस का इस्तेमाल किया, जिससे चीनी खिलाड़ी असमंजस में रहे। उन्हें सामने आने का मौका नहीं मिला। दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने रैलियां लंबी कीं। चीनियों को

हर अंक के लिए मेहनत करनी पड़ी।भारतीय जोड़ी ने 45 शॉट की रैली जीती और बढ़त 12-8 कर ली। चीनी खिलाड़ियों के नेट में शॉट मारने से भारत को गेम प्वाइंट के सात मौके मिले। सात्विक ने आक्रामक रिटर्न लगाकर दूसरा गेम भारत के नाम कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद जीते

निर्णायक गेम में चीनी जोड़ी ने फिर लय हासिल की और 4-0 की बढ़त बनाई। स्कोर 7-3 होने के बाद चिराग के स्मैश और हे जी टिंग के गलत शॉट से भारत ने अंतर 5-7 कर दिया। लगातार चौथा अंक जीतकर सात्विक और चिराग ने स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। कुछ फ्लैट रैलियों के बाद चीन ने इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखी। अपने पसंदीदा कोर्ट साइड पर लौटने के बाद भारतीय जोड़ी 11-13 से पीछे रहते हुए भी मुकाबले में बनी रही। एक समय स्कोर 16-16 से बराबर हो गया था। हे जी टिंग के नेट में शॉट मारने से भारत 18-17 से आगे हो गया। इसके बाद नेट कॉर्ड से मिले भाग्यशाली अंक ने भारतीय जोड़ी को मैच प्वाइंट के तीन मौके दिए। चिराग ने स्मैश लगाकर मैच और चाइना मास्टर्स सुपर 750 का खिताब भारत के नाम कर दिया।

जूनियर हॉकी एशिया कप में भारतीय मेंस टीम ने खेला ड्रॉ

जापान के खिलाफ आखिरी 59 सेकंड में अनमोल ने किया गोल

नई दिल्ली। चीन में चल रहे जूनियर हॉकी एशिया कप में रविवार को भारत और जापान का मैच 3-3 की बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं, एक अन्य मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने मलेशिया को 11-1 से हराया। पुरुषों के मैच में भारत ने पिछड़ने के बाद आखिरी मिनट में गोलकर बराबरी की। कप्तान अनमोल एका ने भारत को हार से बचाया। उन्होंने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। भारत ने अपने पहले पूल मैच में इंडोनेशिया को 14-0 से हराया था।भारत ने मैच के चौथे मिनट में बढ़त बनाई। फाउल के बाद मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर कप्तान अनमोल गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। भारत ने 10वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी की। पेनल्टी कॉर्नर पर आशु मौर्य ने गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। जापान ने इसके तुरंत बाद 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। यूशिन सासाकी ने इस मौके को गोल में बदलकर स्कोर 2-1 कर दिया।

हाफ टाइम तक 2-1 से आगे रहा भारत - दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत अपनी बढ़त बढ़ाना चाहता था, जबकि जापान बराबरी के गोल की तलाश में था। किसी भी टीम को निर्णायक मौका नहीं मिला और हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने नियंत्रण के लिए कड़ी कोशिश की। जापान ने कुछ अच्छे मौके बनाए और एक पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। भारत के डिफेंस ने अपनी

मामूली बढ़त बचाए रखी।

आखिरी क्वार्टर में जापान ने बढ़त बनाई - चौथे क्वार्टर में जापान ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ाया। उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला। दोबारा दिए गए पेनल्टी कॉर्नर पर जापान के कप्तान काजुकी नाकानिशी ने 48वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। मैच के आखिरी पांच मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस बार जापान का फ्लिक गोल से बाहर चला गया। जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। नाकानिशी ने 59वें मिनट में फिर गोल कर जापान को 3-2 की बढ़त दिला दी।

आखिरी 59 सेकंड में भारत ने बराबरी की - बराबरी की तलाश में भारत ने अपना गोलकीपर हटाकर हमला तेज किया। भारत को इसका फायदा मिला और मैच खत्म होने से 59 सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर हासिल हुआ। अनमोल एका ने एक बार फिर जिम्मेदारी संभाली और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। भारत अब मंगलवार को पूल ए के अपने तीसरे मैच में कोरिया से खेलेगा।

सूर्यवंशी की बैटिंग देखने उमड़ी हजारों की भीड़

दलीप ट्रॉफी फाइनल में स्टेडियम के एक्स्ट्रा स्टैंड खोले गए

वैभव 44 रन बनाकर आउट

चेन्नई।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में रविवार की सुबह अचानक भीड़ उमड़ने लगी। वजह थी दलीप ट्रॉफी फाइनल में वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग। जैसे ही खबर फैली कि ईस्ट जोन के सूर्यवंशी बल्लेबाज कर रहे हैं, 12 हजार से ज्यादा दर्शक स्टेडियम पहुंच गए। आलम यह था कि तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन को तीन अतिरिक्त स्टैंड खोलने पड़े। एक डोमेस्टिक मैच में ऐसी भीड़ आमतौर पर देखने को नहीं मिलती। फाइनल मुकाबला साउथ

जोन और ईस्ट जोन के बीच खेला चेन्नई के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेला जा रहा है। सूर्यवंशी 44 रन बनाकर आउट हुए। पहले यह फाइनल बेंगलुरु में खेला जाना था। फिर बीसीसीआई ने इसे चेपॉक शिफ्ट किया, ताकि फैंस आ सकें। सूर्यवंशी ने मोहम्मद सिराज को मिड-ऑफ के ऊपर से छक्का लगाया। उन्होंने 37 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 5 चौके और 1 छक्का लगाया। सूर्यवंशी करीब 93 मिनट तक मैदान पर रहे। उन्हें साउथ जोन के चामा मिलिंद ने कैच आउट कराया। उनका विकेट गिरते ही ष्ट लोअर स्टैंड से दर्शक निकलने लगे और फिर धीरे-धीरे लगभग पूरा स्टैंड खाली हो गया। खास बात ये थी की सूर्यवंशी साउथ जोन के खिलाफ खेल रहे थे और साउथ के ही दर्शक सूर्यवंशी को सपोर्ट करने पहुंच गए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वैभव में वर्ल्ड क्रिकेट का बड़ा नाम बनने की क्षमता है। उन्होंने वैभव को आंकड़ों से परे बताया। श्रीकांत ने कहा- वैभव लोगों को घरेलू क्रिकेट देखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनकी वजह से मेरी पत्नी भी दलीप ट्रॉफी देख रही हैं। उन्होंने कहा सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट के खोए हुए वैभव को वापस ला सकते हैं।

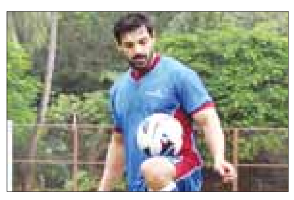

जॉन अब्राहम ने ग्लोबल फुटबॉल स्टार्स के बजाय देश के खिलाड़ियों को बताया अपनी पसंद

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के सह-मालिक जॉन अब्राहम ने पार्थिब गोगोई, रिडीम त्लांग और गोलकीपर गुरमीत सिंह चहल को अपने पसंदीदा भारतीय फुटबॉलरों में शामिल किया है।उनका कहना है कि उनके लिए इंटरनेशनल सुपरस्टार्स से ज्यादा अहमियत घरेलू खिलाड़ियों की है। जब उनसे उनके पसंदीदा फुटबॉल खिलाड़ी का नाम पूछा गया, तो अब्राहम ने अपनी ही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम के खिलाड़ियों का जिक्र किया। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में अब्राहम ने कहा, भारत में दो खिलाड़ी हैं।एक असम के पार्थिब गोगोई हैं।

एन से-यंग ने खिताबी हैट्रिक लगाई

जेसन गुनावन ने अपना पहला बड़ा खिताब जीता

शेनझेन। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग ने रविवार को लगातार तीसरा चाइना मास्टर्स खिताब जीता।वहीं, हांगकांग, चीन के जेसन गुनावन ने वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में अपने पहले ही टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीतकर सबको चौंका दिया।टॉप सीडेड एन, जो दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन हैं, ने महिला सिंगल्स के फाइनल में जापान की टोमोका मियाज़ाकी को 21-17, 21-6 से हराया।इस जीत के साथ एन की लगातार जीत का सिलसिला 33 मैचों तक पहुंच गया है।उन्होंने इस सीज़न में अपने 50 में से 49 मैच जीते हैं; उन्हें एकमात्र हार मार्च में ऑल इंग्लैंड फाइनल में चीन की वांग झियी से मिली थी।एन ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। पिछले महीने वर्ल्ड टाइटल जीतने के बाद उन्होंने शेनझेन में भी शानदार प्रदर्शन

किया।वह लगातार तीन बार चाइना मास्टर्स जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं।

दुनिया में 32वें नंबर के खिलाड़ी गुनावन ने पुरुष सिंगल्स के फाइनल में हांगकांग, चीन के ही खिलाड़ी ली चेउक यियू को 21-9, 21-16 से हराया।22 वर्षीय गुनावन टूर्नामेंट में पहले अल्टरनेट खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए थे। उन्होंने जापान के कोकी वातानाबे, इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर 1 जोनाथन क्रिस्टी, चीन के मौजूदा चैंपियन वेंग होंगयांग और डेनमार्क के पांचवें सीडेड एंडर्स एंटोनसेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ गुनावन वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे ऊंचे लेवल का सिंगल्स खिताब जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। शिन्हुआ के अनुसार, यह पहली बार था जब चाइना मास्टर्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में दोनों जगहें हांगकांग, चीन के खिलाड़ियों ने हासिल कीं।

मैं चाहता हूं देश में हर साल बीपीएल खेला जाये: अमीनुल हक

ढाका। बंगलादेश के खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने रविवार को कहा कि बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) हर साल होनी चाहिए और वे इसके भविष्य पर चर्चा करने के लिए बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के साथ बैठक करेंगे।बीपीएल देश का एकमात्र फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 टूर्नामेंट है। बीसीबी अध्यक्ष तमीम इकबाल ने पहले घोषणा की थी कि वे बीपीएल तब तक शुरू करने के लिए तैयार नहीं हैं जब तक कि वे उन मुद्दों को हल नहीं कर लेते जिन्होंने टूर्नामेंट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए थे। हालांकि बीपीएल फ्रेंचाइजी ने बोर्ड के इस कदम का स्वागत किया, लेकिन क्रिकेटरों को यह पसंद नहीं आया, क्योंकि वे अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे थे; यह टूर्नामेंट उनकी आय के मुख्य स्रोतों में से एक था।

अपनी प्रौद्योगिकी को वैश्विक बाजार में ले जाने की तैयारी में जियो

मुंबई। रिलायंस समूह की कंपनी जियो अगले एक दशक में कनेक्टिविटी के साथ प्रौद्योगिकी पर फोकस करते हुए वैश्विक बाजार में खुद को स्थापित करने का प्रयास करेगी।रिलांयस जियो के 10 साल पूरे होने के मौके पर कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कंपनी के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो अब दूरसंचार कंपनी मात्र नहीं है।कंपनी कनेक्टिविटी के साथ डिजिटल उत्पाद, उद्यम समाधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में अपनी प्रौद्योगिकी विकसित कर रही है।अगला लक्ष्य इन प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर भारतीयों तक पहुंचाने के साथ दुनिया के दूसरे बाजारों में भी ले जाना है।एआई को आने वाले दौर

की बड़ी ताकत बताते हुए उन्होंने कहा कि यह लोगों और कारोबार के काम करने, नयी चीजें बनाने और समस्याओं को हल करने का तरीका बदल देगा।जियो इसी बदलाव के लिए अपना प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रही है।उल्लेखनीय है कि रिलायंस जियो जल्द ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने वाली है।इसका प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) इस साल के अंत तक आने की उम्मीद है।

टीसीएस हैदराबाद में शुरू करेगी एक गीगावाट का डेटा सेंटर

हैदराबाद। टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस हैदराबाद में 264 एकड़ में एक गीगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी।कंपनी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड के जरिये यह डेटा सेंटर शुरू करेगी।इसके लिए उसने जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है।टीसीएस हाइपरवॉल्ट को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रही है।वह हाइपरस्केलर्स, एआई कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, विस्तार के विकल्प के साथ और एआई-रेडी डेटा सेंटर अवसंरचना तैयार कर रही है। हाइपरवॉल्ट के डेटा सेंटर विशेष रूप से एआई वर्कलोड के लिए बनाये जा रहे हैं।इनमें लिक्विड

कूलिंग, डायरेक्ट टू चिप कूलिंग, हाई रैक डेनसिटी, हरित ऊर्जा और विश्वसनीयता को जोड़ने वाला एनर्जी मॉडल तथा मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं होंगी। कंपनी और उसके साझेदार इस अवसंरचना के निर्माण और प्रबंधन के लिए 70,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं। टीसीएस ने बताया कि हैदराबाद का यह एआई डेटा सेंटर कैम्पस विशेष रूप से फ्रंटियर एआई कंपनियों और हाइपरस्केलर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया जायेगा।

इसमें एआई प्रशिक्षण, इंफ्रेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग वर्कलोड्स के लिए हाई-डेंसिटी जीपीयू लगाने की सुविधा होगी।पूरी तरह विकसित होने के बाद इस परिसर के देश के सबसे उन्नत और सबसे बड़े एआई अवसंरचना परिसरों में शामिल होने की उम्मीद है।परिसर के निर्माण में हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का भी इस्तेमाल किया जायेगा।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाइपरवॉल्ट के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना को न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक बताया।उन्होंने कहा कि यह स्थापित करता है कि हैदराबाद अब मजबूत अवसंरचना के साथ वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे है।तेलंगाना के आई एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बताया कि इस समझौते की शुरुआत इस साल जनवरी में दावोस में श्री रेड्डी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच हुई बातचीत से हुई थी।

चीनी एक सप्ताह में 287 रुपये सस्ती

खाद्य तेलों में तेजी का दौर जारी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी 287 रुपये सस्ती हो गयी। चीनी के साथ चावल और गेहूं में भी नरमी रही। वहीं, खाद्य तेलों के भाव बढ़ गये जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 287 रुपये गिरकर सप्ताहांत पर 5,687 रुपये प्रति क्विंटल रह गया।खुदरा बाजार में भी इसकी औसत कीमत 2.36 रुपये टूटकर 61.52 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गयी।गुड़ का भाव पिछले सप्ताह थोक बाजार में 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया।सप्ताह के

दौरान चावल की औसत कीमत 13 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 4,121 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी दो रुपये सस्ता हुआ और 2,865 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।वहीं, आटे का भाव 12 रुपये चढ़कर 3,337 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान चना दाल की औसत कीमत 29 रुपये और तुअर दाल की 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। उड़द दाल भी पांच रुपये महंगी हुई।

सरकार के 35 रूपये प्याज बेचने के बाद भी कीमतें बढ़ीं

देशभर में औसत भाव 50.79 पहुंचा, दिल्ली में 65 और चेन्नई में 63 बिका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बफर स्टॉक से सस्ती दर पर प्याज बेचने के बावजूद कीमतें नहीं घटी है। सरकार 28 अगस्त से 17 शहरों में 35 प्रति किलो के भाव पर प्याज बेच रही है। इसके बावजूद पूरे देश में प्याज का औसत खुदरा भाव 48.5 प्रति किलो से बढ़कर 50.79 प्रति किलो पहुंच गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस योजना के पहले 10 दिनों में लगभग 4,000 टन बफर प्याज की बिक्री की जा चुकी है। इसके बावजूद महानगरों में प्याज के दाम ऊंचे बने हुए हैं।

5 सितंबर को देश के प्रमुख शहरों में प्याज की कीमतों में बड़ा अंतर देखा गया। दिल्ली में प्याज 65 प्रति किलो, मुंबई में 53 प्रति किलो, चेन्नई में ?63 प्रति किलो और रांची में 40 प्रति किलो के भाव पर बिका। वहीं, देश भर में प्याज का औसत थोक भाव 42.79 प्रति किलो दर्ज किया गया।सरकार साल 2026

के लिए बनाए गए अपने 1.21 लाख टन के बफर स्टॉक में से प्याज जारी कर रही है। यह काम नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन और नैफेड के जरिए हो रहा है। उत्पादक राज्यों से प्याज को ट्रकों और रेलवे की विशेष मालगाड़ी कांदा एक्सप्रेस के जरिए उन शहरों में भेजा जा रहा है जहां कीमतें ज्यादा बढ़ रही हैं। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि दिल्ली और चेन्नई के लिए भारी मात्रा में प्याज भेजा जा चुका है। अधिकारियों के मुताबिक, बफर स्टॉक जारी होने से स्थानीय स्तर पर कीमतों में हल्की नरमी आई है।

क्रूड ऑयल के दामों में आया भारी उछाल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में आग लगा दी है । होर्मुज में जहाजों पर हमले के बाद कच्चा तेल 0.80 फीसदी की तेजी के साथ 96.28 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। क्रूड ऑयल में रोज हो रही बढ़ोतरी से पूरी दुनिया चिंतित है। हालांकि, भारत में अभी कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का असर नहीं हुआ है और सरकारी तेल कंपनियों ने आज भी पेट्रोल और डीजल के रेट को स्थिर रखा है। राजधानी और इससे सटे एनसीआर के इलाकों में आज कीमतें जस की तस बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 और डीजल 95.20 प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि प्रीमियम ईंधन एक्सपी 95 रूपये 109.24 और हाई-ऑक्टेन एक्सपी 100 रु167.35 प्रति लीटर मिल रहा है।

कच्चे तेल, रुपये की चाल से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर कच्चे तेल और रुपये की चाल पर रहेगी।कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव के बीच बीते सप्ताह यह 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहा।साथ ही, रुपये में गत सप्ताह तेजी रहने के बाद आने वाले सप्ताह में भी इससे बाजार धारणा प्रभावित होने की संभावना है।

पिछले सप्ताह घरेलू बाजारों में पहले चार दिन प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे जबकि शुक्रवार को बाजार में तेजी देखी गयी। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स कुल 749.08 अंक (0.97 प्रतिशत) लुढ़ककर सप्ताहांत पर 76,515.43

अंक पर बंद हुआ।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 277.95 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ 23,897.70 अंक पर आ गया।

वृहत बाजार में मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.51 फीसदी लुढ़क गया जबकि स्मॉलकैप-100 में 0.08 प्रतिशत की तेजी रही।आलोच्य सप्ताह में सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का शेयर 5.12 प्रतिशत टूट गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 4.91 प्रतिशत, इंडिगो में 3.91, टाइटन में 3.00, एशियन पेंट्स में 2.85, भारतीय स्टेट बैंक में 2.78, टेक महिंद्रा में 2.69, भारती एयरटेल में 2.13 और अल्ट्राटेक सीमेंट में 2.00 प्रतिशत की गिरावट रही।सप्ताह के दौरान एलएंडटी तथा ट्रेंट के शेयर 1.86 फीसदी, टीसीएस का 1.84, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.81, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.71, बजाज फाइनेंस का 1.53, इटरनल का 1.45, बजाज फिनसर्व तथा बीईएल के 1.35, इंफोसिस का 1.19, सन फार्मा का 1.10 और एचडीएफसी बैंक का 0.95 प्रतिशत फिसल गया। आईटीसी में 0.71 प्रतिशत, पावरग्रिड में 0.36 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक में 0.15 प्रतिशत की गिरावट रही। मुनाफे में रहने वालों में रिलायंस इंडस्ट्रीज की शेयर सबसे अधिक 2.93 प्रतिशत चढ़ा। टाटा स्टील में 1.50 फीसदी, एक्सिस बैंक में 0.71, एनटीपीसी में 0.33, कोटक महिंद्रा बैंक में 0.26 और अडानी पोर्ट्स में 0.23 प्रतिशत की तेजी रही।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 07 सितंबर 2026

सरकार का उद्देश्य निवेशकों के लिए दीर्घकालिक विकास साझेदारी का एक विश्वसनीय मंच तैयार करना : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

दुबई में मध्यप्रदेश के वैश्विक निवेश मिशन की प्रभावशाली शुरुआत, पहले दिन प्रवासी भारतीय समुदाय, राजनयिक नेतृत्व और वैश्विक निवेश नेटवर्क से हुआ सशक्त संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में अपने चार दिवसीय वैश्विक निवेश एवं व्यापारिक दौरे के प्रथम दिवस की शुरुआत विभिन्न उच्चस्तरीय गतिविधियों और महत्वपूर्ण संवादों के साथ की। इस दौरे का उद्देश्य मध्यप्रदेश को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों तथा दीर्घकालिक आर्थिक सहयोग के लिए एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। प्रतिनिधिमंडल 7 से 9 सितम्बर 2026 तक आयोजित एआईएम कांग्रेस 2026 में भाग लेकर राज्य की औद्योगिक क्षमताओं, निवेश अवसरों और विकास दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करेगा। दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत भारतीय मिशन के अधिकारियों द्वारा किया गया। इसके पश्चात होटल फॉर्च्यून एट्रियम में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे प्रवासी भारतीय समुदाय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में जितेंद्र वैद्य के नेतृत्व में लगभग 50 प्रवासी भारतीयों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रवासी भारतीय समुदाय को राज्य के विकास और वैश्विक ब्रांडिंग में महत्वपूर्ण साझेदार बताया।

ओडीओपी एवं जीआई उत्पाद प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ताज दुबई, बिजनेस बे में आयोजित मध्यप्रदेश के ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) एवं भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का उद्घाटन कर मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प, हथकरघा और पारंपरिक कला विरासत को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में राज्य के छह विशिष्ट विरासत उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें बैतूल का बेल मेटल क्राफ्ट, अशोकनगर की चंदेरी साड़ी, खरगोन के महेश्वर की महेश्वरी साड़ी, उज्जैन का बाटिक प्रिंट, भोपाल की जरी-जरदोजी तथा ग्वालियर कारपेट शामिल हैं। ये उत्पाद मध्यप्रदेश के पारंपरिक कौशल, सांस्कृतिक विविधता और निर्यात क्षमता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राज्य सरकार का उद्देश्य इन उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाना, अंतर्राष्ट्रीय खरीददारों से जोड़ना तथा कारीगरों के लिए नए आर्थिक अवसर सृजित करना है।

भारतीय राजनयिक नेतृत्व के साथ रणनीतिक विचार-विमर्श

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल तथा दुबई एवं नॉर्थ अमीरात के भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. ई. विष्णु वर्धन रेड्डी के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में यूएई में कार्यरत भारतीय मिशन की भूमिका, निवेश आकर्षण की संभावनाएं तथा मध्यप्रदेश और यूएई के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान राज्य में उपलब्ध औद्योगिक भूमि, विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी, निवेशक-अनुकूल नीतियों, लॉजिस्टिक्स सुविधाओं तथा औद्योगिक अवसंरचना को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। साथ ही यूएई के संप्रभु निवेश कोषों, प्रमुख कॉर्पोरेट समूहों, व्यापारिक संगठनों और संस्थागत निवेशकों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिये भारतीय मिशन के सहयोग का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री ने राजदूत और महावाणिज्य दूत को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 में सक्रिय भागीदारी के लिए भी आमंत्रित किया।

अरब संसद के अध्यक्ष के साथ उच्चस्तरीय संवाद

प्रथम दिवस की एक अन्य महत्वपूर्ण गतिविधि अरब संसद के अध्यक्ष महामहिम मोहम्मद अहमद अल यामाही के सम्मान में आयोजित विशेष दोपहर भोज रहा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अरब देशों और मध्यप्रदेश के बीच व्यापार, निवेश, कृषि, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने अरब निवेशकों को मध्यप्रदेश के नवकरणीय ऊर्जा, औषधि निर्माण, चिकित्सा उपकरण, वस्त्र, लॉजिस्टिक्स, उन्नत विनिर्माण और शहरी अवसंरचना क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महामहिम मोहम्मद अहमद अल यामाही तथा उनके नेतृत्व वाले अरब व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल को मध्यप्रदेश का दौरा करने और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2027 में सहभागी बनने का आमंत्रण दिया।

बैठक के दौरान खाद्य प्रसंस्करण, कृषि मूल्य श्रृंखला, कोल्ड चेन अवसंरचना, कृषि लॉजिस्टिक्स तथा दीर्घकालिक निर्यात सहयोग की संभावनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

एआईएम कांग्रेस 2026 के 'टाइकून्स रात्रि भोज' कार्यक्रम में सहभागिता

दुबई दौरे के प्रथम दिवस का समापन एआईएम कांग्रेस 2026 के विशेष आमंत्रण-आधारित उच्चस्तरीय नेटवर्किंग कार्यक्रम 'टाइकून्स रात्रि भोज' में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सहभागिता के साथ हुआ। यह कार्यक्रम एआईएम कांग्रेस के अध्यक्ष महामहिम डॉ. थानी बिन अहमद अल ज़ेयूदी की मेजबानी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सॉवरेन वेल्थ फंड्स, फैमिली ऑफिस, संस्थागत निवेशकों, वैश्विक कॉर्पोरेट नेतृत्वकर्ताओं, वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों तथा नीति-निर्माताओं ने भाग लेकर वैश्विक निवेश एवं आर्थिक सहयोग के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर महामहिम इंजीनियर सुल्तान अहमद बिन सुलेयम अल मंसूरी, अध्यक्ष, दुबई चैंबर्स; महामहिम मोहम्मद अली राशिद लूता, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दुबई चैंबर्स; महामहिम जासेम मोहम्मद अलबुदैवी, महासचिव, खाड़ी सहयोग परिषद ; महामहिम अब्दुल्ला बिन आदेल फखरो, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, बहरीन साम्राज्य; महामहिम राजदूत कुबानिचबेक ओमुरालिएव, महासचिव, तुर्किक राज्यों का संगठन; तथा महामहिम बद्र जाफर, विशेष दूत, संयुक्त अरब अमीरात विदेश मंत्रालय विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तीसरी चेतावनी का इंतजार मत कीजिए : जीतू पटवारी

जहरीली शराब से मौतों पर जीतू पटवारी का मुख्यमंत्री को 'पत्र'

भोपाल (स्वतंत्र मत)

सागर में एक बार फिर शराब से जुड़ी मौतों के मामले पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सागर में पहले भी शराब माफिया और अवैध शराब के नेटवर्क को लेकर चेतावनी दी गई थी, लेकिन सरकार ने उस पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की। अब बंडा तहसील के बराज, नौराज, घूरा खुर्द सहित आसपास के गांवों में कथित जहरीली/अवैध शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत की खबर सामने आई है।

श्री पटवारी ने कहा कि मई 2026 में सागर जिले के शाहपुर में शराब माफिया से जुड़े घटनाक्रम में दो युवकों की मौत के बाद वे स्वयं मौके पर पहुंचे थे। उस समय भी उन्होंने सरकार को चेताया था कि मामला केवल दो लोगों की मौत तक सीमित नहीं है और इलाके में शराब के अवैध कारोबार तथा उसके नेटवर्क पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि शाहपुर की घटना के बाद क्या पूरे सागर जिले में शराब के अवैध कारोबार की गंभीर जांच हुई? क्या शराब के नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने की कोशिश हुई? क्या आबकारी विभाग की जवाबदेही तय हुई? क्या उन इलाकों में निगरानी बढ़ाई गई? यदि यह सब हुआ था तो फिर बंडा में इतने लोगों की जान कैसे चली गई? और अगर नहीं हुआ था तो पुरानी चेतावनी को सरकार ने गंभीरता से क्यों नहीं लिया?

श्री पटवारी ने कहा कि सरकार के सामने अब दो रास्ते हैं-पहला, जांच की घोषणा, कुछ दिनों की कार्रवाई और फिर मामला ठंडा; दूसरा, पूरे शराब नेटवर्क को जड़ से पकड़ना।

उन्होंने मांग की कि इस बार जांच को केवल स्थानीय घटना तक सीमित न रखा जाए। यह पता लगाया जाए कि शराब कहां बनी, कहां से आई, किसने पहुंचाई, किन दुकानों या व्यक्तियों के माध्यम से उसका वितरण हुआ और इस पूरे तंत्र को संरक्षण किस स्तर से मिला। पूर्व में मिली शिकायतों और चेतावनियों के बावजूद कार्रवाई करने में विफल अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो।

श्री पटवारी ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करे कि जांच का उद्देश्य मामला दबाना नहीं, बल्कि सच सामने लाना हो। मृतकों के परिवारों को तत्काल सहायता मिले और घायलों का बेहतर इलाज कराया जाए। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

लकड़ी बीनने गए दंपती पर तीन भालुओं का हमला

हटा। मडियादो बफर जोन के कारीबरा जंगल में लकड़ी बीनने गए पति-पत्नी पर तीन भालुओं ने अचानक हमला कर दिया। घटना में लक्ष्मण आदिवासी 45 और उनकी पत्नी मनीषा आदिवासी 42 घायल हो गए। भालुओं के हमले के बाद दोनों किसी तरह बचकर ग्रामीणों तक पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें गांव लाया गया और वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मड़ियादो बफर जोन से वीटगार्ड रामगोपाल अहिरवार अमले के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने घायल दंपती को उपचार के लिए सिविल अस्पताल हटा भेजा जहां उनका इलाज कराया गया। बताया जा रहा है कि दंपती जंगल में लकड़ी बीन रहा था, तभी अचानक तीन भालुओं ने एक साथ उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में मना अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस

संरक्षण संदेश से गूँजा भोपाल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ एवं बीएनएचएस ने साथ में अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्धों की महत्त्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण की तात्कालिक आवश्यकता के बारे में आमजन को जागरूक करना था। अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस माह सितम्बर के प्रथम शनिवार को मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस के अवसर पर डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ., भोपाल, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में वन विहार

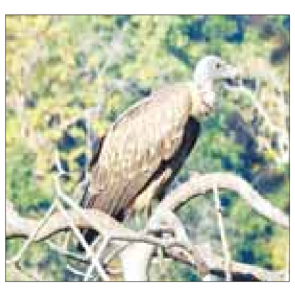

स्थित विहार वीथिका में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षितिज कुमार, वन संरक्षक, भोपाल वृत्त, भोपाल थे साथ ही डॉ. स्वाति मोघे, राज्य संचालक, डब्ल्यू. डब्ल्यू.एफ., भोपाल, डॉ. रूही हक, सहायक संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल, डॉ. संजय परिहार, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के प्रतिनिधि, श्री अजय मिश्रा, डब्ल्यू. डब्ल्यू.एफ., भोपाल रोहन सिंगारपूरे, डब्ल्यू. डब्ल्यू.एफ., भोपाल एवं अन्य संस्थाओं के अन्य अधिकारी/कर्मचारी/ स्वयंसेवी उपस्थित रहे। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल स्थित विहार वीथिका में दिनांक 6 सितम्बर को डब्ल्यू. डब्ल्यू.एफ., भोपाल द्वारा वल्चर थीम पर स्कूल के छात्र-छात्राओं लिए स्टोन पेंटिंग कॉम्पिटिशन, वुडन टाइल पेंटिंग एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। छात्र-छात्राओं ने वल्चर की पेन्टिंग बनाकर एवं वल्चर्स की वेशभूषा में पर्यावरण के लिये गिद्धों की आवश्यकता तथा गिद्धों के संरक्षण के लिए जागरूकता का संदेश दिया। इसी कड़ी में बीएनएचएस संस्था द्वारा भोपाल शहर के विभिन्न स्कूलों में वल्चर संरक्षण थीम पर पेन्टिंग प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसमें लगभग 500 स्कूली छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को भी आज ही पुरस्कार वितरण किया गया।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने शिक्षक सुखनंदन साहू को किया सम्मानित

दमोह (स्वतंत्र मत)। शिक्षक दिवस के अवसर पर जबेरा क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण रहा। राजधानी भोपाल में 5 सितंबर को आयोजित गरिमामय समारोह में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने नवाचारी शिक्षक सुखनंदन साहू को प्रतिष्ठित राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धति, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। राज्यपाल के हाथों सम्मान प्राप्त करते हुए शिक्षक सुखनंदन साहू ने इसे अपने लिए ही नहीं बल्कि जबेरा क्षेत्र और दमोह जिले के लिए गौरव का क्षण बताया। सम्मान प्राप्त करने के बाद शिक्षक सुखनंदन साहू ने राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

शासकीय उमा विद्यालय सादपुर का हुआ लोकार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)।

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा उन्हें स्कूटी प्रदान की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए प्रेरित करना है। सरकार विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस आशय के विचार आनंद विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने 1 करोड़ 47 लाख रुपए से निर्मित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सादपुर के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा विद्यार्थियों को मेहनत और लगन के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखनी चाहिए। सरकार उनके साथ है और शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को जिस भी सहायता की आवश्यकता होगी, उसे पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने छोटे गांवों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों का उदाहरण देते हुए कहा कि दमोह जिले के छोटे से गांव खड़ेरी के एक विद्यार्थी का नीट में 512 अंक प्राप्त कर इंदौर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश होना गौरव की बात है। उन्होंने कहा छोटे से गांव से निकलकर यदि कोई विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश हासिल कर सकता है तो अन्य विद्यार्थी भी मेहनत और लगन के साथ निश्चित रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

श्री पटेल ने चौथी कक्षा में पढ़ने वाले एक छोटे विद्यार्थी की उपलब्धि का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा विद्यार्थी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की एक परीक्षा में हिस्सा लियाए जिसमें विभिन्न देशों के करीब 12 हजार प्रतिभागी शामिल हुए थे। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थी ने तीसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा सफलता के लिए जरूरी है कि वे अपनी क्षमता पर विश्वास रखें निरंतर मेहनत करें और बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए पूरी लगन से प्रयास करें।

शिक्षकों के सम्मान से ही राष्ट्र निर्माण की नींव मजबूत होती है : राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी

दमोह (स्वतंत्र मत)। जबेरा क्षेत्र में शिक्षक दिवस पर संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के निवास पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री लोधी ने जबेरा क्षेत्र के सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों का बारी-बारी से स्वागत एवं सम्मान किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा शिक्षकों के प्रति सदैव मेरे हृदय में सम्मान का भाव रहा है। इसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि मेरे पिताश्री भावसिंह लोधी भी शिक्षक रहे हैं। मैंने अपने जीवन में देखा है कि शिक्षक न केवल बच्चों को शिक्षा देकर उनका भविष्य संवारते हैं बल्कि समाज और राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक स्वयं कठिन परिश्रम करते हुए बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित करते हैं और अपने परिवार के बच्चों को भी शिक्षित एवं संस्कारित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। शिक्षक ही आने वाली पीढ़ी को दिशा और संस्कार देने का कार्य करते हैं। राज्यमंत्री लोधी ने कहा कि बच्चे मिट्टी के समान होते हैं, उन्हें जिस प्रकार ढाला जाएए वे उसी रूप में आकार लेते हैं। इसलिए बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक योग्य और समर्पित शिक्षक ही बच्चों को बेहतर नागरिक बनाकर देश, समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए तैयार करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे समाज को नई दिशा देने और राष्ट्र के भविष्य को गढ़ने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं।

शिक्षक दिवस पर लीनेस क्लब ने किया प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर लीनेस क्लब द्वारा माई लाइफ एस माई टीचर विषय पर एक शानदार एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने अपने जीवन के अनुभवों, संघर्षों, उपलब्धियों और उनसे मिली सीख को साझा किया। इस अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर की पूर्व प्राचार्य गुणमाला दीदी एवं प्राध्यापक किरण गोस्वामी जी का सम्मान किया गया। इन्होंने क्लब के इस प्रेरणात्मक कार्यक्रम की बहुत सराहना की कार्यक्रम का उद्देश्य यह संदेश देना था कि जीवन स्वयं एक महान शिक्षक है, जो हमें हर परिस्थिति में कुछ नया सिखाता है। वक्ताओं ने बताया कि सफलता के साथ-साथ असफलताएँ, चुनौतियाँ

और जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव भी हमारे व्यक्तित्व को मजबूत बनाते हैं और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर लीनेस क्लब की अध्यक्ष श्रीमती रजनी खरे ने कहा, शिक्षक हमें ज्ञान देते हैं, लेकिन जीवन हमें उस ज्ञान को अनुभव में बदलना सिखाता है। हमारी हर गलती, हर चुनौती और हर अनुभव हमारा शिक्षक है। रितु अग्रवाल ने कहा कि माई लाइफ एस माई टीचर मेरी जिंदगी मेरी सबसे बड़ी गुरु है, जिसने हर खुशी में मुस्कुराना और हर कठिनाई में संभलना किताबों से मिली शिक्षा हमें ज्ञान देती है, लेकिन जीवन से मिली शिक्षा हमें समझ और अनुभव देती है। कार्यक्रम में सदस्यों ने अपने अनुभवों को बेहद रोचक एवं भावपूर्ण अंदाज में प्रस्तुत किया।

भूमि दान समाजसेवा और त्याग की अनुकरणीय मिसाल

ग्राम आंजनी में 65 लाख से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र आरोग्य भवन का लोकार्पण

दमोह (स्वतंत्र मत)। गांवों में भूमि के अभाव के कारण अस्पताल सहित अन्य जनहितकारी कार्यों के निर्माण में कई बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान समय में भूमि के बढ़ते मूल्य के बीच जनहित के लिए अपनी भूमि दान करना साहस, उदारता और समाजसेवा का अनुकरणीय कार्य है। इस आशय की बात आनंद विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने ग्राम आंजनी में 65 लाख रुपए से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र

आरोग्य भवन के लोकार्पण अवसर पर कही। इस दौरान दान दाता के परिवार जनों का राज्यमंत्री श्री पटेल ने स्वागत किया। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि देवलिया परिवार ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए उप स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण के लिए भूमि दान की है। इस भूमि पर निर्मित स्वास्थ्य केन्द्र से आंजनी सहित आसपास के 5.6 ग्रामों के नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग रक्तदान कर समाजसेवा करते हैं वहीं आंजनी के देवलिया परिवार ने भूमि दान कर समाज के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। परिवार का यह योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायी रहेगा।

जनसमस्याओं के निराकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री की मंशा है कि प्रत्येक नागरिक और परिवार का विकास हो तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने ग्रामीणजनों से कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन को अवगत कराएं ताकि उनका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि लोगों का कल्याण और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करना ही जनप्रतिनिधियों का उद्देश्य है। इसी भावना के साथ वे राजनीति में आए हैं। कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्री लखन पटेल ने उपस्वास्थ्य केन्द्र आरोग्य भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया तथा भगवान धन्वंतरी जी की पूजा अर्चना की। उन्होंने क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, नरेंद्र व्यास, कपिल शुक्ला, श्याम गर्ग सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, देवलिया परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रांझी जिला जबलपुर
प्रकरण क्रमांक 0024/अ-6 अ/2026-27
दिनांक 02/09/2026

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री/श्रीमति, दीपिका सन्याल पति स्व. प्रदीप चंद सन्याल निवासी 03 व्हीकल रोड सिद्धी विनायक कॉलोनी मढ़ई जबलपुर के द्वारा अनावेदक अरूण कुमार द्विवेदी पिता सत्येन्द्र कुमार द्विवेदी निवासी पुलिस क्वार्टर नि. सिटी कोतवाली, जबलपुर एवं म.प्र. शासन के विरुद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 115 म.प्र.भू.राजस्व सहिता 1959 के तहत् आवेदन पेश कर निवेदन किया गया है कि मौजा मढई प.ह.नं. 16/21 रा.नि.मं. महाराजपुर तह. रांझी जिला जबलपुर खसरा नं. 137/1 रकवा 0.36 हेक्ट में से 0.02 हे. विलोपित भूमि विकेता तरूण दुबे पिता भरतलाल दुबे के नाम पर एवं अनावेदक क्रमांक 01 अरूण कुमार द्विवेदी पिता सत्येन्द्र कुमार द्विवेदी के नाम पर दर्ज खसरा नं. 137/1, रकवा 0.01 हे. भूमि विलोपित कर राजस्व अभिलेख मे पूर्ववत् दर्ज किया जावे। अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रॉझी तहसील राँझी जिला जबलपुर के कक्ष क्रमांक 6 में दिनांक 16/09/2026 को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनाँक 02/09/ 2026 को जारी।
पेशी दिनांक 16/09/2026

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
रांझी, जबलपुर (म.प्र.)

माढोताल क्षेत्र में वारदात, आरोपियों की तलाश में पुलिस

आईफोन छीनकर भागे बाइक सवार बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बस से उतरकर घर की तरफ जा रहे एक युवक का बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस मामले में माढोताल थाने में प्रमोद कुमार तिवारी उम्र 26 वर्ष निवासी हरदौल मंदिर गढा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह आर्मी मे नौकरी करता है। एक सितंबर को सुबह बस से छतरपुर से जबलपुर दीनदयाल बस स्टैण्ड पहुंचा। बस से उतरकर बाहर आ रहा था तभी 2 व्यक्ति स्प्लेण्डर मोटर साइकिल से आये और उसका आईफोन मोबाईल झपटकर भाग गये। युवक की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अधारताल थाना क्षेत्र में चोरों की दहशत

सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थाने में चंद्रशेखर चौरसिया उम्र 38 वर्ष निवासी सीओडी कॉलोनी सुहागी ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह परिवार के साथ अपने पेत्रिक निवास जिला पन्ना घर में ताला लगाकर गया था। लौटकर जब घर वापस आया देखा मेन गेट का ताला टूटा था। घर के बाहर रखी होण्डा कम्पनी की एक्टिवा नहीं थी। अंदर जाकर देखा कमरे की आलमारी के अंदर रखे गुल्लक व बाक्स में रखे कुछ नगदी रूपये, सोने का 1 मंगलसूत्र, चांदी की 2 जोड़ी पायल गायब थीं। कोई अज्ञात चोर घर के मेन गेट का ताला तोड़कर एक्टिवा सहित सोने चांदी के जेवर व नगदी चोरी कर ले गया है।

देख हाकिम बेदर्दी...बिजली को लगी सर्दी

कमीशनखोरी के चलते शहर में चल रहा मिशन अंधेरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

वैसे तो विज्ञान ने बिजली और पानी को एक-दूसरे के करीब लाने के कई रास्ते ढूंढ निकाले हैं, लेकिन संस्कारधानी जबलपुर में बिजली और पानी की दुश्मनी आज भी पौराणिक काल की तरह अटूट है। शहर का आलम यह है कि आसमान में कहीं दूर बादलों ने करवट भी बदली नहीं कि बिजली डर के मारे दुम दबाकर रफूचक्कर हो जाती है। कई बार तो बादलों की कोई गलती भी नहीं होती-बिना किसी पूर्व सूचना, बिना किसी गरज-चमक के ही बिजली के 'हाथ-पांव ठंडे' पड़ जाते हैं। अब जबकि बिजली का पानी से छत्तीस का आंकड़ा जगजाहिर है, तो भला बरसात के मौसम में उसे 'सर्दी' (यानी ट्रिपिंग का जुकाम) होने से कौन रोक सकता है? मौसम बदलते ही बिजली को ऐसा बुखार चढ़ता है कि पूरा शहर अंधेरे की चादर ओढ़कर सो जाता है। विभाग के

'हाकिम' (अधिकारीगण) भी इस बीमारी का स्थायी इलाज नहीं कर पा रहे हैं। आखिर क्यों ला-इलाज बन गई है यह बीमारी? जानकार सूत्र बताते हैं कि असली ड्रामा मेंटिनेंस और उपकरण खरीदी के नाम पर हो रहे खेल में छिपा है।

बिजली ट्रिपिंग से शहरवासी बेहाल

शहर में इन दिनों बिजली की लचर व्यवस्था और आए दिन होने वाली ट्रिपिंग ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में दिन-रात हो रही बिजली की आंख-मिचौली से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। शहर के कई रिहायशी इलाकों में एक दिन में दर्जनों बार बिजली गुल होना आम बात हो गई है। कभी कुछ मिनट तो कभी घंटों बिजली गायब रहने से दिनचर्या प्रभावित हो रही है।

टोल-फ्री नंबर भी असरहीन

लगातार वोल्टेज में उतार-चढ़ाव और अचानक बिजली कटने से घरों में रखे महंगे उपकरण खराब हो रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के टोल-फ्री नंबरों पर शिकायत करने के बावजूद कोई संतोषजनक समाधान नहीं मिलता और कई बार तो फोन ही रिसीव नहीं होते। बिजली विभाग की इस लचर कार्यप्रणाली के खिलाफ स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ राजनीतिक दलों में भी रोष व्याप्त है।

घटिया उपकरणों का 'चमत्कार'

मेंटिनेंस के इस भव्य अनुष्ठान के बाद उम्मीद यह थी कि इस बार बरसात में बिजली आंख मिचौली नहीं खेलेगी। मगर धरातल का सच यह है कि इस बरसात में सबसे ज्यादा जो आतिशबाजी देखने को मिल रही है, वह बिजली के पोलों पर लगे इंसुलेटरों के फटने (बर्स्ट होने) की है। जरा सी नमी क्या आई, इंसुलेटर ऐसे फुसफुसा रहे हैं जैसे दीपावली का कोई घटिया अनार हो। इसे देखकर अब किसी भी समझदार नागरिक को यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि विभागीय स्तर पर सामग्री की खरीदी में 'कमीशनखोरी' का ऐसा खेल खेला गया है कि फाइलें चमक उठीं और उपकरण दम तोड़ गए। साफ है कि सरकारी तिजोरी से निकले बजट और पोल पर लगे उपकरणों के बीच बिचौलियों का ऐसा कमीशन वाला फेविकोल लगा है कि घटिया स्तर के उपकरण अपनी गुणवत्ता साबित करने से पहले ही फुस्स हो जाते हैं। जनता पूछ रही है-कमीशन का यह 'मिशन अंधेरा' कब तक यूं ही चलता रहेगा?

फोटो: एआई

मेंटिनेंस के नाम पर बजट की 'फायरिंग'

सबसे बड़ा मिलियन डॉलर सवाल यह है कि जब मानसून सिर पर था, तब बिजली विभाग के 'हाकिम' एसी कमरे में बैठकर क्या मूंगफली छील रहे थे? बरसात के आने से ठीक पहले, पूरे दो महीने तक शहर में मेंटिनेंस के नाम पर ऐसा तांडव मचाया गया कि पेड़ों की हजामत बनाने से लेकर लाइनों को दुरुस्त करने तक में जनता के पसीने की गाढ़ी कमाई का बड़ा-सा बजट पानी की तरह बहा दिया गया-या कहें कागजों पर साफ कर दिया गया!

पानी में बहा नहर का बड़ा हिस्सा

3 हजार हेक्टेयर की सिंचाई पर पड़ा असर

सिहोरा स्थित लमकना शाखा नहर का मामला, मरम्मत की गुणवत्ता पर सवाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सिहोरा में बरगी दायीं तट की लमकना वितरण शाखा नहर का लगभग 20 फीट हिस्सा बह गया है। यह घटना पिछले महीने 12 अगस्त को खुडावल रोड से करीब आधा किलोमीटर आगे हुई। इस वजह से 3 हजार हेक्टेयर से ज्यादा रकबे में धान की सिंचाई पर असर पड़ा है। किसानों ने नहर की मरम्मत और निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अगर काम ठीक से हुआ होता तो नहर इस तरह नहीं टूटती। नहर का एक हिस्सा पहले भी खराब हो चुका है, जहां अभी बोरियां रखकर काम चलाया जा रहा है। किसानों के मुताबिक अभी इतनी बारिश नहीं हुई है कि धान की फसल को पर्याप्त पानी मिल सके। बड़ी नहर में पानी छोड़ा गया है, लेकिन टूटे हुए हिस्से की वजह से पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है। इससे खरीफ फसल की सिंचाई को लेकर किसान परेशान हैं।

समय पर मरम्मत जरूरी

किसानों ने बताया कि उक्त नहर से मझौली क्षेत्र का लगभग 3 हजार हेक्टेयर रकबा सिंचित होता है। किसानों को खरीफ के साथ रबी सीजन में भी नहर के पानी की जरूरत होगी, इसलिए समय पर मरम्मत जरूरी है। उन्होंने कहा कि नहरों का रखरखाव और साफ-सफाई नियमित रूप से होनी चाहिए। किसानों के मुताबिक, नहरों की हालत देखने के लिए विभागीय अधिकारियों को मौके पर आना चाहिए। उन्होंने टूटे हुए हिस्से की जल्द मरम्मत कराने और नहर के काम की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-4 के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अनिल तिवारी के मुताबिक बारिश के कारण नहर की मरम्मत का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे ही मौसम ठीक होता है, जल्द से जल्द मरम्मत का काम शुरू कर दिया जाएगा, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके।

अवैध कालोनाइजरों के खिलाफ करो सख्त कार्यवाही

निगमायुक्त ने समीक्षा बैठक में पेंडिंग मामलों का ब्यौरा लेकर दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के नियोजित विकास को बाधित करने वाले अवैध कालोनाइजरों पर शिकंजा कसने के लिए कॉलोनी सेल प्रभारी को निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त ने कहा कि आम नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाने और अवैध प्लॉटिंग को रोकने के लिए दोषी कालोनाइजरों के खिलाफ प्राथमिकता से कानूनी कार्रवाई की जाए। इसी के साथ नगर निगम द्वारा आगामी 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन को लेकर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने निगम के विभिन्न विभागों की मैराथन बैठक लेकर प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में करदाताओं को अपने बकाया करों का निपटारा करने पर विशेष छूट का लाभ मिलेगा।

बकाया करों की राशि जमा करने में मिलेगी भारी छूट- नेशनल लोक अदालत का आयोजन नागरिकों को वर्षों पुराने बकाया करों के भुगतान पर राहत देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस दौरान जलकर, संपत्ति कर एवं अन्य नागरिक शुल्कों के अधिभार पर नियमानुसार छूट प्रदान की जाएगी, जिससे करदाता कम लागत में अपने सभी बकाए निपटा सकेंगे।

लोक अदालत के माध्यम से अधिकतम राजस्व वसूली और आम नागरिकों को सहूलियत देने के लिए निगमायुक्त ने राजस्व, बाजार, संपदा, कॉलोनी सेल, जल, स्वास्थ्य, भवन और फायर विभाग के प्रभारियों के साथ गहन समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी विभागों से तैयार की गई नोटिस सूचियों और पेंडिंग मामलों का ब्यौरा लिया।

लावारिस कार में रखी मिली 1.50 लाख की शराब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कुण्डम थाना प्रभारी सतीश कुमार अंधवान ने बताया कि दौरान पेट्रोलिंग ग्राम समनापुर गांव की कच्ची रोड में कुआं के पहले बलेनो कार संदिग्ध हालत में खड़ी होने की सूचना पर दबिश दी गई जहां बलेनो कार खड़ी मिली। जिसके आसपास चालक नहीं दिखा। बलेनो कार को ग्राम वासियों की मदद से टोचन कर थाना लाया गया। कार के अंदर खाकी कलर के कार्टून रखे दिखे। पीओपी मशीन सर्च करते हुये वाहन स्वामी के मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क कर कार के बारे में पूछने पर कार को किराये से चलाने के लिये देना बताया। पतासाजी करने पर कार के चालक ने अपना नाम अनुप कोल पिता सुरेश कोल उम्र निवासी कोलियाना मोहल्ला मड़ई रांझी बताया जिसे थाना लाया गया। चालक से चाबी लेकर बलेनो कार की तलाशी लेने पर कार के अंदर 35 कार्टून में देशी शराब के कुल 1750 पाव कीमती लगभग 1 लाख 50 हजार रूपये के रखे मिले।

सड़क पर घायल को तड़पता देख सांसद विवेक तंखा ने रुकवाया काफिला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नरसिंहपुर जिले के एनएच-45 पर रविवार शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सरसला गांव के पास इस हादसे में 35 वर्षीय सुरेंद्र ठाकुर निवासी रामखिरिया के सिर में गंभीर चोट आई। वह सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा था। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना डायल-100 को दी थी। इसी बीच राज्यसभा सांसद विवेक तंखा का काफिला वहां से गुजर रहा था। सड़क किनारे घायल युवक को देखकर सांसद ने तुरंत अपना काफिला रुकवाया। उन्होंने बिना देरी किए अपनी पुलिस फॉलो गाड़ी से घायल को अस्पताल भेजने का इंतजाम किया। पुलिस फॉलो गाड़ी घायल सुरेंद्र ठाकुर को प्राथमिक उपचार के लिए रोसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। वहां उसका इलाज शुरू किया गया। सांसद के इस मानवीय कदम की स्थानीय लोगों ने तारीफ की है। हादसे के बाद पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

जबलपुर रेल मंडल में चलाया गया ताबड़तोड़ टिकट चैकिंग अभियान

पकड़े गए 3.57 लाख से अधिक यात्री, वसूला जुर्माना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर रेल मंडल में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के पांच माह, 1 अप्रैल से 31 अगस्त तक मंडल के वाणिज्य विभाग की टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 3 लाख 57 हजार से अधिक अनियमित, बिना टिकट एवं अनबुक्ड लगेज के मामले पकड़े। इन मामलों से रेलवे को 31 करोड़ 39 लाख रुपये से अधिक का रेल राजस्व प्राप्त हुआ। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के नेतृत्व में टिकट जांच स्टाफ एवं वाणिज्य विभाग की टीम द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में निरंतर सघन एवं लक्षित टिकट जाँच अभियान चलाए गए। इन अभियानों का उद्देश्य बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। 1 अप्रैल 2026 से 31 अगस्त के बीच जबलपुर रेल मंडल ने बिना टिकट यात्रा रहे 1 लाख 60 हजार यात्रियों को पकड़ा। जिनसे 16 करोड़ 63 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार अनुचित टिकट / निम्न श्रेणी के टिकट पर उच्च श्रेणी में यात्रा करने पर 1 लाख 88 हजार यात्रियों को पकड़ा, जिनसे 1 4 करोड़ 63 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त किया। इसी तरह बिना बुक कराए अतिरिक्त सामान (ओवरलोडेड लगेज) मामले में 8760 लोगों से 13 लाख 49 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त किया।

चोरों ने खंडित की कलचुरी कालीन माता महालक्ष्मी की मूर्ति, जमकर आक्रोश

आधारताल स्थित पचमठा मंदिर का मामला

स्थानीय लोगों ने आंदोलन कर की आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलचुरी कालीन ऐतिहासिक एवं धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र माता महालक्ष्मी धाम पचमठा मंदिर में माता महालक्ष्मी की मूर्ति खंडित किए जाने की घटना को लेकर श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में आक्रोश है। रविवार को मंदिर परिसर में माता महालक्ष्मी धाम के पुजारी कपिल महाराज के आह्वान पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और

दोषियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रखने की रणनीति बनाई गई। बैठक में अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार उपस्थित हुए। उन्होंने घटना से लेकर अब तक हुई पुलिस जांच की जानकारी श्रद्धालुओं के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि एसपी संपत उपाध्याय के निर्देश पर सात पुलिस टीमें गठित की गई हैं, जिनमें साइबर सेल, फॉरेंसिक, क्राइम ब्रांच सहित अन्य टीमें शामिल हैं। सभी टीमें अपने-अपने स्तर पर जांच कर रही हैं। टीआई ने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। हालांकि श्रद्धालुओं ने स्पष्ट किया कि दोषियों की गिरफ्तारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन माता महालक्ष्मी धाम समिति के बैनर तले संचालित किया जाएगा।

ये है पूरा मामला- दरअसल आधारताल क्षेत्र स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर (पचमठा) में विगत रात देर 2 चोर घुसे और दानपेटी में रखी नकदी और जेवरात लेकर फरार हो गए। सीसीटीवी में कैद हुए चोरों ने चेहरे ढक रखे थे। मंदिर में घुसते ही उन्होंने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़े, इसके बाद दानपेटी और अलमारी को निशाना बनाया। अंदर दानपेटी गायब थी और भगवान का आसन भी बिखरा हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

अधारताल रहेगा बंद, शांतिपूर्ण होगा प्रदर्शन - आंदोलन के अगले चरण में आज अधारताल बंद का आह्वान किया गया है। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। इस दौरान किसी प्रकार के उपद्रव या अशांति के बजाय लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराया जाएगा। बंद के दौरान श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी मौन जुलूस निकालेंगे तथा काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके माध्यम से घटना पर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। इससे पहले रविवार को जनजागरण संपर्क यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से नागरिकों और व्यापारियों से संपर्क कर आंदोलन में सहयोग की अपील की गई। इस दौरान पार्षद बाबा श्रीवास्तव, पार्षद विमल राय, पार्षद महेश राजपूत, दिनेश ताम्रकार, डॉ. राजेश जायसवाल, मनीष अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

हम फाउण्डेशन भारत ने किया उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हम फाउण्डेशन भारत जिला जबलपुर द्वारा शिक्षकों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्कारधानी के 12 शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन हम फाउण्डेशन भारत के प्रदेश अध्यक्ष जयेश राठौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही शिक्षाविद एस डी मिश्रा, वरिष्ठ साहित्यकार राजेश पाठक प्रवीण ने मंच को गरिमा प्रदान कर अपने उद्बोधन में शुभकामनायें दीं। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में निर्मला तिवारी, मिथलेश नायक, रत्ना ओझा रत्न, डॉ अरुणा पाण्डेय, डॉ. संध्या जैन श्रुति, डॉ. मुकुल तिवारी, राजीव तिवारी, रजनीश श्रीवास्तव, डॉ शिव कुमार सिंह, अर्पणा शुक्ला, शेखर खम्परिया, लीलावती पाल, उपस्थित सभी शिक्षाविदो का शाल श्रीफल, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर नीरज जैन, बी.एस. ठाकुर, आई.पी. गोस्वामी, राजेन्द्र कुररिया, निर्मल अग्निहोत्री, रामशंकर शुक्ला की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन संतोष दुबे एवं आशुतोष तिवारी द्वारा किया गया है। आभार प्रदर्शन राजेन्द्र गढेवाल द्वारा किया गया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एमएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**